हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

27 मार्च, 2008 (प्रथम बैठक)

खण्ड–1, अंक–14

अधिकृत विवरण

विषय सूची

बीरवार, 27 मार्च, 2008

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(14) 1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(14) 19
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(14) 22
राज्यपाल का संदेश	(14) 33
अनुपस्थिति की अनुमति	(14) 33
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव	(14) 34
बैठक का स्थगन	(14) 36
बैठक का पुनरारम्भ	(14) 37
वाक-आउट	(14) 38

मूल्य :

152 192

192

	पृष्ठ संख्या
गैर सरकारी संकल्प	(14) 39
(i) मानसून के दौरान काफी पानी बेकार जाने संबंधी	(14) 39
सदस्य का नाम लेना	(14) 56
वाक-आऊट	(14) 58
गैर सरकारी संकल्प	(14) 58
(i) मानसून के दौरान काफी पानी बेकार जाने संबंधी (पुनरारम्भ)	(14) 58
(ii) राज्य सरकार को भारत के संविधान में संशोधन करने के लिए केन्द्र सरकार से सम्पर्क करना	(14) 73
अनैक्शचर	(14) 74

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 27 मार्च, 2008

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर 1, चण्डीगढ़ में सुबह 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (डॉ० रघुवीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब सवाल-जवाब होंगे।

To provide Drainage System alongside Roads

***948. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj :** Will the P.W.D. (B&R) Minister be pleased to State —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide drainage alongside the roads constructed by the P.W.D. (B&R) Department in Bhiwani especially circular road and road from bus stand to Rohtak gate; and

(b) if so, the steps taken by the Government in this regard ?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) : A statement is laid on the Table of the house.

STATEMENT

(a) & (b) Normally, PWD B&R does not provide drainage alongside the roads. It is the work of local bodies. However as regards circular road in Bhiwani town, drainage has been provided by Public Works (Water Supply & Sanitation) Department which is partly through sewer system and partly through storm water system and is also being maintained by them.

Regarding road from new bus stand to Rohtak gate, the drainage will be provided by Public Works (B&R) Department to protect the road from damage. The work of construction of drain has already been allotted to the contractor.

अध्यक्ष महोदय, क्योंकि माननीय विधायक जी बार-बार प्रैस कर रहे हैं इसलिए हम इसको ले रहे हैं। 2/3rd of the circular road का इन्होंने जिक्र किया है। अध्यक्ष महोदय, इसकी लैंग्थ करीबन 4.5 किलोमीटर है और इसमें 30 लाख रुपये की लागत लगेगी।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का पहले तो धन्यवाद करना चाहूँगा कि रोहतक गेट से रोहतक रोड तक की जो सड़क है यह बहुत बार खराब रही है। यह सिटी का फेस है और तारकोल की बनी हुई यह रोड थी। जैसा कि सभी जानते हैं कि तारकोल और पानी का वैर होता है। तारकोल की रोड पर जब भी कभी पानी पड़ता है तो वह टूट जाती है, खराब हो जाती है और बाद में उसे बनने में समय लग जाता है पर उस रोड को इन्होंने ठीक करा दिया है इसके लिए धन्यवाद करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से

मंत्री महोदय से यह भी पूछना चाहूंगा कि सर्कुलर रोड पर 2/3 के आसपास एरिया ऐसा है जहां ड्रेनेज की सुविधा नहीं है। मैंने इस बारे में वहां के अधिकारियों के साथ निरीक्षण भी किया था और कहा था उस रोड और गली का पानी सीवरेज में डाल दें ताकि समस्या का समाधान हो जाए। क्या मंत्री जी अधिकारियों को इस बारे में आवश्यक निर्देश देंगे कि जिस एरिया में ड्रेनेज की सुविधा नहीं है वहां ड्रेनेज की सुविधा बनाएं ताकि रोड्ज को बार-बार टूटने से बचाया जा सके ? यह जो रोहतक रोड के बारे में मंत्री महोदय ने वायदा किया है कि 4.5 किलोमीटर की रोड़ 30 लाख रुपये की लागत में बनेगी उसके बारे में जानना चाहूंगा कि कब तक इस रोड को पूरा कर देंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : एक तो माननीय सदस्य ने यह जिक्र किया है कि 2/3 ऑफ दि सर्कुलर रोड पर ड्रेनेज की सुविधा नहीं है। इस बारे में मैं पहले ही बता चुका हूं कि यह काम पब्लिक हैल्थ और सैनीटेशन डिपार्टमैंट का या लोकल बॉडीज का है। यह हमारा काम नहीं है। इसमें जो करीबन 2/3 एरिया स्टोर्म वाटर ड्रेनेज का है वह आलरेडी माननीय सदस्य के एरिया में लगा हुआ है और 1/3 सरफेस है। यह काम भी बेसिकली पब्लिक हैल्थ और सैनीटेशन डिपार्टमैंट या लोकल बॉडीज का है। अध्यक्ष महोदय, दूसरा प्रश्न माननीय सदस्य ने यह पूछा है कि सड़क का काम कब तक पूरा हो जाएगा, उसके बारे में मैं बताना चाहूंगा कि यह जो कंस्ट्रक्शन ऑफ ड्रेन है यह जुलाई, 2008 तक हम बनाकर तैयार कर देंगे। इसके अलावा यह जो सड़क है जो भिवानी से कलानौर होते हुए रोहतक तक जाती है यह स्टेट हाइवे नंबर 16 है और इस पर 4 करोड़ 20 लाख रुपये की राशि निवेश की जा रही है जिससे इसकी स्ट्रैंथनिंग टी०एफ०सी० के तहत की जाएगी और इसकी लैंग्थ 19.42 किलोमीटर होगी। इसके टैंडर लगा दिए गये हैं और मैं समझता हूं कि 4 करोड़ 20 लाख रुपये की राशि में भिवानी से रोहतक तक की रोड़ को हम स्ट्रैंथन करेंगे और इसे बढ़िया बना देंगे।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को भी और मंत्री जी को भी बताना चाहूंगा कि जो बी० एण्ड आर० का रोड़ साईड वाटर ड्रेनेज है वह बी० एण्ड आर० ही बनवाता है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि यह काम हमारे विभाग से कनैक्टिड हो सकता है लेकिन यह काम हमारे विभाग का नहीं है। इसे या तो लोकल बॉडीज करे या बी० एण्ड आर० विभाग करे।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह काम लोकल बॉडिज का है या फिर पब्लिक हैल्थ विभाग का है क्योंकि जब बरसात आती है तो जगह-जगह स्टार्म वाटर ड्रेनेज बन्द हो जाते हैं। रिवाड़ी में भी स्टार्म वाटर ड्रेनेज बनाये हैं। नोरमली शहरों में स्टार्म वाटर ड्रेन बनाने का काम बी० एण्ड आर० विभाग का नहीं है। हम तो इनको एसिस्ट कर देते हैं। बेसिकली यह काम हमारा नहीं है।

डॉ० शिवशंकर भारद्वाज : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने रोहतक-भिवानी रोड़ बनाने के लिए चार करोड़ 20 लाख रुपये मन्जूर किए हैं क्योंकि यह रोड़ भिवानी को दिल्ली से जोड़ने वाला रोड़ है। यह सरकार बनने के बाद पुराने बस स्टैण्ड से लेकर हांसी गेट तक की सड़क को सी०सी० सीमेंट से बनाया है। अब चाहे बरसात हो जाये लेकिन वह सड़क खराब नहीं होगी। लेकिन मैं आपके माध्यम से एक बात माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या विभागों का आपस में कोआर्डिनेशन नहीं है क्योंकि जब यह सड़क बनाई गई, तब उसके अन्दर काफी मेन होल्ज दबा दिए गये। कई मेन होल्ज तो मैंने खुद जाकर खुलवाये हैं। क्या मंत्री जी इन विभागों में कोआर्डिनेशन बनाने के प्रयास करेंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, विभागों में आपस में कोआर्डिनेशन पूरा है। एक बात और मैं डॉक्टर साहब को बताना चाहूंगा कि इनके एरिया की सड़कें बनाने के लिए एक करोड़ रुपये और लगाये जायेंगे। प्रिमिक्स, कारप्ट, सीमेंट और कंकरीट ब्लॉक्स लगाये जायेंगे। इसके इलावा भिवानी-तोशाम रोड़ पर आर०ओ०बी० बनाने के लिए काम एवार्ड कर दिया है और इस काम के लिए 16 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। इसका काम जल्दी ही शुरु हो जायेगा। डॉक्टर साहब ने पीछे एक प्रश्न किया था मैं उनको बताना चाहता हूं कि रूपगढ़ और धिराना की साढ़े तीन किलोमीटर सड़क के लिए डेढ़ करोड़ रुपया सरकार ने मन्जूर किया है।

श्रीमती सुमिता सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक जनरल प्रश्न पूछना चाहती हूं कि जब विभाग कोई सड़क किसी भी शहर में या कस्बे में बनाता है तो क्या लोकल लेवल पर वहां के ऑफिसर्ज को कोई इस बारे में हिदायतें दी हुई होती हैं कि जब सड़क बनती है तो मार्केट में दुकानदारों ने अपनी दुकान के साथ जो रैम्पस बनाये हुए होते हैं उनको तोड़कर सड़क बनाई जाये, क्योंकि दुकानदारों ने अवैध कब्जे किए हुए होते हैं। क्या मंत्री जी विभाग के अधिकारियों को यह हिदायतें देंगे कि ये एनक्रोचमैंट हटवाई जायें ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो इस बारे में हिदायतें पहले से दी हुई होती हैं। जो दुकानदारों ने फुटपाथ पर रैम्पस बनाये हुए हैं वे वैसे तो पैदल रास्ते के लिए होते हैं लेकिन धीरे-धीरे वे दुकानदार पहले तो अपनी गाडियाँ खड़ी करना शुरू कर देते हैं और फिर अपना सामान रखना शुरू कर देते हैं। इस बारे में हम हिदायतें जरूर देंगे ताकि इस प्रकार की एनक्रोचमैंट न हो इस बारे में जरूर निर्देश दिए जायेंगे।

श्रीमती सुमिता सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो पैदल पाथ बनाये होते हैं जब सड़क बनाई जाती है तो उनको वैसे ही छोड़ दिया जाता है। क्या मंत्री जी इस बारे में कोई निर्देश देंगे कि उन रैम्पस को तोड़कर फिर से सड़क बनाई जाए ?

श्री अध्यक्ष : मैडम, आप प्रोपर क्वैश्चन पूछो।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, बी० एण्ड आर० का काम ओवरआल काम बेहतर है उसका नमूना आप यहां देख सकते हैं असैम्बली की रैनोवेशन का काम भी बी० एण्ड आर० के अधिकारियों ने ही किया है। रैम्पस के बारे में हम जरूर निर्देश दे देंगे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी की बात से मैं भी अपनी बात जोड़ता हूं कि पिछले तीन वर्ष से जब से चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व की सरकार बनी है और जब से माननीय मंत्री जी इस विभाग के मंत्री बने हैं इतने काम हुए हैं जितने काम पिछले दस वर्षों में भी नहीं हुए। पिछले तीन वर्ष में मंत्री जी ने और इनके विभाग ने बहुत काम किया है और अगला जो इनका प्लान है वह भी इन्होंने बताया है। चाहे मेवात को लेकर है, चाहे दक्षिणी हरियाणा को लेकर है, चाहे बी०ओ०टी० सड़क बनाने का काम है तथा और जो भी पिछड़े क्षेत्रों के काम हैं It is an exceptional work which has been done by the P.W. (B&R) Department. We have to concede it and Hon'ble Member will also agree with this.

श्री राधेश्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि नारनौल शहर के अंदर रैस्ट हाउस के आगे का जो रोड है वह बरसात के दिनों में पानी में डूब जाता है और वहां कोई ड्रेन भी नहीं है। नारनौल से रिवाड़ी का जो रोड है

उसकी भी हालत बहुत खराब है वहां भी कोई ड्रेन नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि क्या इन सड़कों को बनवाने की कृपा करेंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने रैस्ट हाउस के आगे के जिस रोड के बारे में बताया है, हम उसको दिखवा लेंगे और ड्रेन की रिक्वायरमैंट हुई तो हम इसको एग्जामिन करवा लेंगे। दूसरा इन्होंने नारनौल रिवाड़ी रोड की जो बात की है हम इसके जल्दी टैण्डर्ज करने वाले हैं और मुझे मालूम है कि सड़क की हालत बहुत खराब है। पिछले टैन्योर की सरकार ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। चूंकि स्टेट हाइवे की सड़क का काम मेजर होता है इसलिए इसमें मिनिमम तीन साल लग जाते हैं। इन्दौरा जी बैठे हैं, इनकी सरकार ने और इनके मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकाल में कोई काम नहीं किया। ये पूर्व मुख्यमंत्री से पूछें कि क्या इन्होंने कोई काम करवाया है ? हमने अब इस रोड को ठीक करवाया है।

श्री फूलचन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने दोनों महकमों की बहुत तारीफ की, यह बहुत अच्छी बात है। विभाग जिन कैंट्रैक्टर्ज को ठेका देता है वे कंट्रैक्टर्स काम बीच में छोड़कर भाग जाते हैं जिसकी वजह से काम लेट हो जाते हैं। हमारे साहा के रोड का भी मुख्यमंत्री महोदय शिलान्यास करके आए थे लेकिन तीन साल हो गए हैं उस पर भी कोई काम नहीं हुआ है। बराड़ा के ओवर ब्रिज का भी तीन सालों में कोई काम नहीं हुआ। क्या मंत्री महोदय इस पर विभागीय तौर पर कार्यवाही करेंगे ? जहां तक बराड़ा में ड्रेनेज की बात है तो उसके बारे में दो साल पहले अनाउंसमैंट हुई थी लेकिन आज तक इस बारे में कुछ नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार इस बारे में कोई कार्यवाही कर रही है ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मुलाना जी को बताना चाहूंगा कि बराड़ा-अम्बाला-सहारनपुर रेलवे सैक्शन का अवार्ड हो गया है। जहां तक देरी की बात है तो टैण्डर्ज करने में और नैगोसिएशन वगैरह करने में समय लग जाता है और जो प्रोसीजर है उसको तो हमें फालो करना पड़ता है। आपके बराड़ा हल्के में फिलहाल 6 नई सड़कों की मंजूरी दी गई है। सरकार जो काम करती है कम से कम उसकी तो इनको सराहना करनी चाहिए। कमियां तो होती रहती हैं इस बात को मैं मानता हूं उसके लिए हम समय-समय पर अधिकारियों को निर्देश भी देते रहते हैं।

श्री फूलचन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, सरकार ने जो काम किए हैं उसकी तो हम सराहना करते हैं। यह बात ठीक है कि सरकार काम कर रही है लेकिन बात इम्पलीमैंटेशन की है उसकी तरफ सरकार क्या कदम उठा रही है ? क्या कंट्रैक्टर्ज को इन सड़कों के ठेके देने की बजाए विभागीय कार्यवाही करने बारे सरकार विचार करेगी जैसे कि पहले की जाती थी ? क्योंकि डिपार्टमैंट की कोई तो जिम्मेवारी होनी चाहिए।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जहां हमें लगता है कि कोई कंट्रैक्टर काम नहीं कर रहा है तो हम उस केस में विभागीय कार्यवाही करते हैं और हमने विभागीय कार्यवाही पूरी भी की है। कंट्रैक्टर्स पर बाकायदा पैनल्टी भी लगाते हैं। पिछले दिनों करनाल का काम शुरू नहीं हो रहा था इस बारे में सुमिता जी जानती भी हैं कि हमने बकायदा उस ठेके को कैंसिल किया और जब वह कंट्रैक्टर हमारे पास दोबारा आया तो हमने उस पर पैनल्टी भी लगाई और उससे 50 लाख की सिक्योरिटी भी जमा करवाई उसके बाद काम शुरू हुआ है। इसलिए जो इस प्रकार के काम हैं हम उन पर पूरा ध्यान देंगे। जहां कंट्रैक्टर गलत काम करते हैं हम उन पर पैनल्टी लगाते हैं फिर भी

अगर वे काम नहीं करते हैं तो हम कंट्रैक्ट कैंसिल करते हैं। हम विभागीय तौर पर भी काम करवाते हैं।

वन मंत्री (श्रीमती किरण चौधरी) : अध्यक्ष महोदय मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय को एक सुझाव है कि जो ऐसे कंट्रैक्टर्स हैं उनको ब्लैक लिस्टिड किया जाए ताकि उनको आगे कहीं काम ही न मिले।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, कई जगह ऐसी दिक्कत होती है जैसे इनकी तोशाम रोड है जो अहल तक जाती है, उस रोड का ठेका पूर्व मुख्यमंत्री के अहेते करतार सिंह भड़ाना को दिया गया था तथा जगह-जगह उसको और भी ठेके दिए गए थे। ये कंट्रैक्टर्ज कोर्ट में चले जाते हैं वहां से उनको थोड़ी बहुत राहत मिल जाती है। इस बारे में हम क्या टिप्पणी कर सकते हैं ? जिन लोगों की वजह से ऐसा होता है उन लोगों के खिलाफ हमने कार्यवाही भी की है। हमने पैनल्टी भी लगाई है और हमने अपने अधिकारियों को हिदायतें भी दे रखी हैं कि ऐसे केसिज में सख्ती से कार्यवाही की जाए और ऐसे मामलों में पूरा ध्यान दिया जाए।

श्री फूलचंद मुलाना : अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह है कि क्या मंत्री जी कंट्रैक्ट सिस्टम को समाप्त करके विभागीय कार्य शुरू करवायेंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि यह संभव नहीं है। न तो हमारे पास इतना ज्यादा स्टाफ है, न मशीनरी है और इसके अलावा इसमें इनवैस्टमैंट भी बहुत होती है। मेरे साथी मंत्री भी रह चुके हैं और अब हमारे प्रदेश अध्यक्ष हैं। इनको अच्छी तरह मालूम है कि आज के समय में कन्ट्रैक्ट सिस्टम से ही काम हो सकते हैं।

श्री साहिदा खान : अध्यक्ष महोदय, नूंह जिला हैड क्वार्टर है। मुगल राज से लेकर अंग्रेजों के राज के समय से वहां के रैस्ट हाऊस में एक ही रूम है। पी०डब्ल्यू०डी० विभाग ने वहां पर चार साल पहले जो रैस्ट हाऊस बनाया उसमें भी एक ही रूम बनाया गया है। मेरी मंत्री जी से प्रार्थना है कि नूंह में 5-7 कमरों का रैस्ट हाऊस बनाया जाये। मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि जयपुर हाईवे पर गुड़गांव में राजीव चौक से लेकर खड़की दौला तक सारे कट बंद कर दिए गए हैं। हीरो होंडा चौक एक सेफ कट था जो माता रोड, सैक्टर - 4, 9 और सैक्टर 10 होते हुए ईसलामपुर-महरौली के लिए जाता है। एक दिन गलती से मुझे शिवाजीनगर जाना था जो राजीव चौक के बिल्कुल साथ लगता है। मुझे 10 कि०मी० आगे जाकर वापिस आना पड़ा जिससे मुझे कुल 20 कि०मी० ज्यादा रास्ता तय करना पड़ा। वहां से लाधडू 28 कि०मी० है और वापिस घूमने में 20 कि०मी० ज्यादा रास्ता तय करना पड़ा। इसी तरह से नरसिंहपुर गांव का शमशानघाट और स्कूल, हाई-वे के दूसरी तरफ पड़ते हैं। वहां पर बहन-बेटियों को हाई-वे के दूसरी तरफ भैंसों का दूध निकालने के लिए जाना पड़ता है लेकिन वहां हाई-वे क्रोस करने की कोई व्यवस्था नहीं है। वहां पर बड़ी-बड़ी रैलिंग फुटपाथ पर लगा दी हैं। वहां पर हाई-वे एथोरिटी यदि पुल नहीं बनाती है तो जिस तरह से झाड़सा और जलवायु विहार के लिए नीचे से रास्ता बनाया गया है उसी तरह हीरो होंडा चौक और बहरमपुर के लिए भी नीचे से रास्ता बनवाया जाये। इस समय दस-बारह गांवों को बहुत परेशानी हो रही है इसलिए जब तक पुल आदि न बने तब तक वहां पट्टी आदि लगवाई जाये ताकि लोग हाई-वे क्रोस कर सकें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो जिक्र किया है यह सारा नैशनल हाई-वे एथोरिटी के अंतर्गत आता है और हमने उनसे केस टेकअप किया हुआ है तथा हीरो होंडा लाईट्स पर अंडर ब्रिज बनाया जायेगा। जहां तक मेरे माननीय साथी ने रैस्ट हाउस की बात

की है, इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि नूंह जिला हैड क्वार्टर है और वहां पर हम पूर्ण रूप से रैस्ट हाउस बनाने के लिए विचार कर रहे हैं। ये अपोजीशन के लोग तो मेवात को कागजों में जिला घोषित करके चले गये थे लेकिन नूंह को जिला हैड क्वार्टर का दर्जा हमने दिया है और इलैक्शन कमीशन से स्वीकृति भी दिलवाई है। अध्यक्ष महोदय, सभी जगह जिला हैड क्वाटर्ज पर हमारी सरकार रैस्ट हाउस बनाने के बारे में विचार कर रही है।

परिवहन मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता) : अध्यक्ष महोदय, इस समय सवाल उठा है कि ठेका सिस्टम के तहत ठेकेदारों द्वारा जो काम करवाये जा रहे हैं उनमें शिकायतें आ रही हैं। ये शिकायतें केवल पी०डब्ल्यू०डी० विभाग में ही नहीं है बल्कि दूसरे विभागों में भी जहां कहीं ठेका सिस्टम से काम करवाया जाता है वहां ठेकेदारों के खिलाफ बहुत ज्यादा शिकायतें हैं। मैं पी०डब्ल्यू०डी० विभाग के मंत्री जी से और दूसरे सभी मंत्रियों से अनुरोध करूंगा कि ठेकेदारी सिस्टम के लिए जो रूल्ज और कंडीशन बनी हुई हैं उनमें अमैंडमैंट की जायें ताकि ठेकेदार बीच में काम छोड़कर न भागें। इसके अतिरिक्त जो आम शिकायत है कि चहेतों को ठेके दे दिये जाते हैं यह शिकायत भी दूर करनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, आप कैबीनेट मंत्री हैं। आप कैबीनेट में यह सुझाव दें। आज पूरे प्रदेश में सभी विभागों में ठेकेदारी प्रथा पर काम हो रहा है। इसमें ठेकेदारों को पहले से गलत आदतें पड़ी हुई हैं। ये आदतें सख्ती बरतने पर धीरे-धीरे ठीक होंगी। सख्ती बरतने के बाद ही अच्छे रिजल्ट मिलेंगे।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, पिछले वाली सरकार के समय में अपने चहेतों को ठेके दिए जाते थे। हमने ई-टैण्डरिंग व्यवस्था शुरू की है जिसमें पूरी पारदर्शिता है। हमने सिक्योरिटी भी बढ़ाई है और इसके अतिरिक्त संबंधित ठेकेदार जो-जो सड़कें बनायेंगे वे उनकी दो साल तक मेन्टीनैंस भी करेंगे। ठेकेदार जो सड़क बनाते हैं उनको थर्ड पार्टी से चैक भी करवाते हैं। गुप्ता जी ने जो बात रखी है उसको ध्यान में रखते हुए यह बात सही है कि इसमें और स्ट्रींजैंट क्लॉजिज डालने की आवश्यकता है ताकि जो ठेकेदार काम बीच में छोड़कर भागते हैं उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही हो सके।

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष जी, माननीय मन्त्री जी से यह पूछना चाहता हूं वैसे तो यह जो पानी की निकासी का मामला है अब इसको सीवरेज मंत्रालय के अधीन कहें या ड्रेनेज मंत्रालय के अण्डर कहें, इस बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि अटेली मण्डी में सीवरेज की कोई प्रॉपर व्यवस्था नहीं है। पानी की निकासी का कोई समुचित बंदोबस्त नहीं है। शहरों में जो ड्रेनेज व्यवस्था है उसका काम कौन देखेगा यह मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं क्योंकि इसकी हालत बहुत खराब है ? सरकार द्वारा अभी इसके लिए सवा करोड़ रुपये अनाऊंस भी किए गये थे लेकिन अभी तक इस बारे में कोई कार्यवाही शुरू नहीं हुई। क्या माननीय मंत्री जी बतायेंगे कि यह काम कब तक पूरा हो जायेगा ?

श्री अध्यक्ष : नरेश जी, यह सड़कों से सम्बन्धित सवाल चल रहा है। इस बारे में आप लोकल बॉडी मिनिस्टर या पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर से बात करें या लिखकर दें।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो आपने माननीय मंत्री जी को कुछ राय भी दे दी है और व्यवस्था भी करके दे दी है इसलिए मैं इस बारे में कुछ कहना नहीं चाहता था लेकिन आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसलिए मैं अपनी बात कह देता हूं। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल किया मैं उसी के संदर्भ में अपनी बात कहना चाहता हूं। श्री मांगे राम गुप्ता जी

ने भी कहा कि यह समस्या केवल इन्हीं के क्षेत्र तक सीमित नहीं है, सरकार के हर विभाग द्वारा किए गए कार्यों के क्षेत्र तक सीमित नहीं है, सरकार के हर विभाग द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा सत्ता पक्ष और विपक्ष तकरीबन सभी ने की है इसमें कोई संशय नहीं है, लेकिन यह भी अपनी जगह अकाट्य सत्य है कि दो-दो व ढाई-ढाई सालों से काम के लिए टेण्डरज़ दिए गए लेकिन काम को बीच में ही छोड़ दिया गया और आज तक भी यह काम पूरा नहीं हुआ। सरकार की काम करने की नीयत भी है और मंशा भी है लेकिन इसके बावजूद भी पैसा होते हुए भी काम न हो तो सरकार की साख भी खराब होती है और जनता में सरकार के प्रति आक्रोश पैदा होना भी स्वाभाविक है। हम यह कह कर कि पहली सरकार के समय में ऐसा होता था हम उस समस्या से छुटकारा नहीं पा सकते। उनके टाईम में जो गलत होता था उसका खामियाज़ा तो इन्होंने भुगत लिया लेकिन हमें उसमें सुधार करना चाहिए। इनके समय में यह होता था कि ये ठेके अपने चहेतों को दे देते थे। ये अपने चहेतों को 3 साल पहले, 4 साल पहले, 5 साल पहले ठेके देते होंगे लेकिन 2 साल पहले हमारी सरकार आने के बाद भी इनके चहेतों को ठेके दिए गए हैं। क्या उनकी जांच करवाई जायेगी ?

श्री अध्यक्ष : मन्त्री जी, सवाल यह है कि जितनी भी ठेकाप्रथा है इसमें क्वालिटी और स्पीड को कैसे मैंनटेन रखा जाये ? यह सभी मैम्बर्ज़ की चिंता का विषय है। इसलिए इसमें जिस ढंग से भी हो कोई भी तरीका अपनाकर सरकार की तरफ से या और दूसरे लैवल पर इसके लिए पूरी एक्सरसाईज़ की ज़रूरत है कि स्पीड और क्वालिटी को बरकरार रखा जाये।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों की जो चिंता है वह बड़ी वाजिब है और मैं समझता हूं कि इस सरकार द्वारा जितने भी काम किए जा रहे हैं उनमें पूर्ण पारदर्शिता है और जहां-जहां कांट्रेक्टर ने गलत काम किए हैं उनके खिलाफ हमने सख्त कार्यवाही की है। इसके साथ ही मैं माननीय सदस्य को यह कहना चाहूंगा कि अगर इस प्रकार के कोई स्पैसिफिक इंस्टांसिज़ उनकी नज़र में हैं तो उनके बारे में वे मुझे लिखकर दे दें या ये मुझे व्यक्तिगत तौर पर मिलकर बतायें। जहां-जहां पर इस प्रकार के काम हुए हैं। जहां पर हमें लगा कि उसमें पारदर्शिता नहीं रही और जहां पर ढिले हुई है हम उनके खिलाफ भी अवश्य एक्शन लेंगे और जहां तक क्वालिटी और स्पीड को मेंनटेन रखने का सवाल है, जिस प्रकार से हमारे इरीगेशन डिपार्टमैंट में जो विजीलैंस विंग ऑन-गोईंग वर्क्स को देखता है तो इसी प्रकार से ही सरकार यह एग्जामिन कर रही है कि ऐसे ही हम एक सिस्टम बनायेंगे जिसमें कि ऐसे अधिकारी हों जो ऑन-गोईंग वर्क्स की क्वालिटी भी देखें और यह भी देखें कि स्पीड से काम हो रहा है या नहीं हो रहा है और सम्बंधित काम के लिए जो समय सीमा या टारगेट फिक्स किया गया है उसके मुताबिक भी काम हो रहा है या नहीं। मैं इनकी एक क्वार्टरली रिपोर्ट मंगवाता हूं। अभी मैंने जब पिछली क्वार्टरली रिपोर्ट मंगवाई थी तो उसे मैंने सभी माननीय सदस्यों के पास भेजा था जिसमें सरकार द्वारा पिछले तीन सालों द्वारा किये गये कार्यों की, किये जा रहे कामों की और भविष्य में किये जाने वाले कार्यों की लिस्ट भी भेजी थी। इस बारे में मैं उनको यह भी कहना चाहूंगा कि अगर उनको लगता है कि जो इनफर्मेशन हमने दी है वह सही नहीं है तो उस बारे में वे मुझे लिखित रूप में भेजें ताकि हम उसकी प्रॉपर चैकिंग करवा सकें। पिछले समय मैंने हर सदस्य के पास डिटेल लिस्ट भेजी है जिसमें सरकार द्वारा कितने रिपेयर के कार्य करवाये गये हैं कितने हो रहे हैं और आगे के टारगेट के बारे में भी लिखा है। अध्यक्ष महोदय, आपने जो बात कही है कि किस प्रकार से क्वालिटी इम्प्रूव हो और स्पीड भी मेंनटेन हो यह बात आपकी बिल्कुल सही है। इसके लिए हम सरकार के स्तर पर कारगर

कदम उठाने की कोशिश करेंगे। सिंचाई विभाग में भी इस काम के लिए हमारी एक विजिलैंस विंग बनी हुई है।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, जो कमिशन लेने की प्रथा है वह पॉलिटिकल प्रोब्लम के साथ एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोब्लम भी है और पहले भी यह प्रोब्लम रही है। क्रप्शन भी इसमें इन्वॉल्व है। इसमें क्वालिटी डिटीरियोरेट हुई है। इसलिए आप कोई पुख्ता इंतजाम करें ताकि क्वालिटी भी आये और काम की गति बढ़े। This is the question.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात की तारीफ करता हूँ। चेयर ने एक अच्छी रूलिंग दी है उस पर अमल किया जाना चाहिए।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जहाँ तक क्वालिटी की बात है तो हमारे विभाग में क्वालिटी कंट्रोल विंग भी है जो समय-समय पर चैक भी करती है लेकिन जहाँ तक कमिशन की बात है, अगर हमारे पास कोई स्पेसिफिक शिकायत आयेगी तो हम उस पर अवश्य ही कार्यवाही करेंगे।

श्री अध्यक्ष : आप इस बात पर जायें कि हम एक्सरसाईज करेंगे और कहीं कोई लूप होल्स या किसी तरह की बीकनैस मिले तो we will correct it.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह ने और आपने और हाउस के दूसरे सदस्यों ने जो चिन्ता जाहिर की है जिसका मंत्री जी ने जवाब दिया है, वह वाजिब है। जहाँ-जहाँ इस प्रकार के इंस्टांसिज होते हैं, क्वालिटी में या काम के समय सीमा में देरी हो, तो वहाँ पर हम अवश्य ही कार्यवाही करते हैं। मैं चौधरी साहब को फरीदाबाद जिले का उदाहरण देकर समझाना चाहूंगा। मैं फरीदाबाद जिले का डिस्ट्रिक्ट ग्रिवैंसिज कमेटी का चेयरमैन हूँ। मैं वहाँ पर लोगों की समस्या सुन रहा था। माननीय साथी काम की व्यस्तता के कारण वहाँ उपस्थित नहीं थे। दो दर्जन से ज्यादा केसिज में पी०डब्ल्यू०डी० (बी० एण्ड आर०) के अधिकारियों ने ही वहाँ मीटिंग में ही निर्णय लिया। क्लॉज 2 और क्लॉज 3 बी० एण्ड आर० के अधिकारियों ने लगाई और उन्होंने कांट्रैक्टर के विरूद्ध कार्यवाही भी की। वहाँ पर रिस्क एण्ड कॉस्ट पर काम हुआ है। यह सही है कि कई ऐसे केसिज थे जहाँ पर काम समय पर पूरा नहीं हुआ और मामला हमारी ग्रिवैंसिज कमेटी में आया। वहाँ पर बी० एण्ड आर० के अधिकारियों ने कहा कि हम कार्रवाई करेंगे। जो समय पर काम को पूरा करने में कोताही बरत रहे थे माननीय मंत्री जी ने उन दो अधिकारियों का वहाँ से तबादला भी कर दिया। कई विभागों में हमने एक मकैनिजम क्रिएट किया है। पिछली बार सदन में यह चर्चा भी आई थी। भारत सरकार की जैसे ए०डब्ल्यू०आर०सी०पी० सर्टिफाईड ऐजेन्सी काम कर रही है इसी प्रकार से हमने वाटर सप्लाई सैनिटेशन में भी किया है। मंत्री जी ने बी० एण्ड आर० में भी इस प्रकार की प्रक्रिया अपनाई है। जहाँ टैंडर एक स्पैसिफिक अमाऊंट से ज्यादा होगा वहाँ थर्ड पार्टी इंस्पैक्शन किया जायेगा, हरियाणा सरकार के अधिकारियों की ही इन्सपैक्शन काफी नहीं है। हम पेमैंट नहीं करेंगे। independent agency जब सर्टिफाई करेगी that the quality of work is of a specific nature तभी हम पेमैंट करेंगे। लार्जर कंट्रैक्टर में माननीय मुख्य मंत्री जी ने हमें इस प्रकार के निर्देश दिये थे। यह मकैनिज्म हमने लागू कर दिया है। बी० एण्ड आर० में लागू कर दिया है और वाटर सप्लाई सैनिटेशन में भी लागू हो चुका है। अगर और भी कोई कदम उठाने की जरूरत महसूस होगी तो हम वह भी उठायेंगे।

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना

चाहता हूँ कि कुछ कंट्रैक्टर कम रेट कोट करते हैं, वे सरकार के स्पैसिफिक रेट से भी कम रेट कोट करते हैं उसके बावजूद भी उनको अवार्ड कर दिया जाता है ? क्या उन पर कोई चैक है ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो जो कम रेट देता है हम उसको कंट्रैक्ट दे देते हैं लेकिन जब वह वायेबल नहीं होता है तो वह छोड़ कर चला जाता है और हम उसके ऊपर कार्यवाही करते हैं। उसके ऊपर पैनल्टी लगाते हैं और यह बात भी वाजिब है कि हम थर्ड पार्टी से भी इन्सपैक्शन करवाते हैं। अभी जैसे गुलाना साहब ने आर०ओ०बी० की बात रखी थी, जो फ्राउट कोरीडोर था उसकी हमें 4.54 मीटर से 7.50 मीटर हाईट इन्क्रीज करनी थी लेकिन इसमें वे डिले हो गया क्योंकि कहीं पर रेलवे से सम्बन्धित प्रोब्लम भी आती है। यह बात बिल्कुल सही है कि जहाँ पर कंट्रैक्टर गलत काम करते हैं वहाँ हम कार्यवाही अवश्य करते हैं। अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों जहाँ भी अनियमितताएं हुई हमने अपने कई अधिकारियों को रूल 7 के तहत चार्जशीट किया है। हम एक रजिस्टर भी खोलेंगे ताकि हमारे अधिकारी निरीक्षण पर जायें तो उस रजिस्टर में नोट करें कि किस प्रकार का काम चल रहा है। पहली बार हमने यह कहा है कि हमारे अधिकारी जायेंगे और यह देख कर आयेंगे कि काम चल रहा है या नहीं चल रहा है। जो ओन गोइंग वर्क्स हैं उनके 10.00 बजे बारे में माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि जिस प्रकार से इरिगेशन विभाग में हमारा विजिलैंस विंग है उसी प्रकार का एक विंग बी० एण्ड आर० में भी होना चाहिए ताकि जो on-going works है टाईम टू टाईम उनकी जांच होती रहे। अध्यक्ष महोदय, मैंने अपने विभाग के सैक्रेट्रीज से भी विजिलैंस विंग बनाने के बारे में बातचीत की है ताकि जो ओन गोइंग वर्क्स हैं उनकी क्वालिटी के बारे में हम जांच कर सकें और इन वर्क्स को टाईमली पूरा कर सकें। यह विंग बनाने के बारे में हम विचार कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, क्या इसमें कार्य कम्पलीट होने की कोई तारीख भी रखते हैं ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, हर चीज का टारगेट फिक्स होता है। हम जो टैंडर करते हैं उसमें ही इसका प्रोविजन किया हुआ होता है और कम्पलीशन की डेट भी फिक्स की होती है।

श्री तेजेन्द्रपाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, पिछले राज में सिंगल टैंडर सिस्टम होता था और पार्टली टैंडर का सिस्टम इस सरकार ने किया है लेकिन इससे एक नैक्सस हो गया है between the contractors and unscruplous field officers.

श्री अध्यक्ष : मान साहब, यह बात पहले हो चुकी है इसलिए आप बैठें।

श्री तेजेन्द्रपाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, मैं क्वालिटी के बारे में कह रहा हूँ जो भी काम उनके हाथ में जाता है चाहे पंचायती राज का काम हो, चाहे मार्कीटिंग बोर्ड का कोई काम हो, चाहे पी०डब्ल्यू० का काम हो, उसमें बहुत ज्यादा कमीशनखोरी होती है। एक गलत तरह की बेईमानी इन्ट्रोड्यूस हुई है और सिस्टम की वजह से वे लोग क्वालिटी पर ही कम्प्रोमाईज करते हैं। (इस अनुपूरक प्रश्न का उत्तर नहीं दिया गया)

श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया : स्पीकर सर, झज्जर से लेकर रिवाड़ी तक जो नैशनल हाईवे है हमने सुना है कि उसे डबल करने की परियोजना है। मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहती हूं कि यदि ऐसा है तो इस परियोजना पर कब तक काम शुरू हो जाएगा ? (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को यह बताना चाहता हूं कि हिसार से रोहतक और आगे रिवाड़ी तक की सड़क जो एन०एच०-8 में मिलेगी उस सड़क की फोरलेनिंग मन्जूर हो चुकी है। पहले इसकी स्ट्रैंथनिंग एण्ड वाईडनिंग के लिए सैंट्रल गवर्नमैंट नहीं मान रही थी लेकिन हमारे अधिकारियों ने बड़ी मेहनत से इसकी स्ट्रैंथनिंग और वाईडनिंग का केस तैयार करके सैंटर गवर्नमैंट को भेजा। भारत सरकार ने इस सड़क के लिए हां कर दी है और इसके टैंडर भी हो चुके हैं। आपने देखा होगा कि दिल्ली के पास इस सड़क की वाईडनिंग का काम चल रहा है और रोहतक-झज्जर रोड की वाईडनिंग का काम भी होगा और जल्दी ही इस पर काम भी शुरू हो जाएगा।

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, जो क्वालिटी कण्ट्रोल की चर्चा चल रही है इसलिए सभी साथियों से मेरा निवेदन है कि जहां तक क्वालिटी का सवाल है, चाहे पंचायती राज का कार्य हो और चाहे पी०डब्ल्यू०डी० का कार्य हो उसमें क्वालिटी का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं सभी माननीय मैम्बर साहेबान से यह कहना चाहता हूं कि क्वालिटी कण्ट्रोल पर नजर रखने की जिम्मेदारी सबकी बनती है। आपकी कांस्टीच्यूएंसी में अगर कोई कार्य चल रहा है और वहां पर क्वालिटी मेनटेन नहीं हो रही है तो आप इस बारे में हमें इत्तिलाह करें तो हम फौरन इसकी इन्क्वायरी करवाएंगे। हमारे माननीय विपक्ष के साथियों की ओर से कभी भी इस प्रकार की कोई शिकायत नहीं आती है और न ही कभी कोई लिखित शिकायत आती है। स्पीकर सर, अगर ऐसी कोई शिकायत आती है तो मौके पर ही उसका निदान हो सकता है लेकिन प्रोजेक्ट बन जाने के बाद तो उसमें जांच करना काफी मुश्किल हो जाता है। अध्यक्ष महोदय, अगर किसी व्यक्ति के नोटिस में ऐसी कोई बात आती है तो फौरन हमें सूचित करें अगर वे इस बारे में बता देंगे तो I will be thankful to them और इस बारे में टाईमली ऐक्शन लिया जा सकेगा।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, हम तो अपने हल्के में इस बारे में जागरूक रहते हैं कि क्वालिटी ठीक हो। स्पीकर सर, यह बात बहुत पुरानी है कि अधिकारियों के साथ ठेकेदार चले जाते हैं और उनके बीच बात चलती रहती थी लेकिन मेरे ऐरिया में तो ऐसा नहीं है। (इस अनुपूरक प्रश्न का उत्तर नहीं दिया गया)

श्री रामफल चिड़ाना : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में गोहाना रोड है वहां पर हाईवे के साथ गांव कैथ है जो मेरे गांव दुराना के नजदीक पड़ता है। यह सड़क दो-तीन किलोमीटर लम्बी सड़क है जिसकी हालत बहुत ही खराब है। मैं माननीय मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या वे इस सड़क की रिपेयर करवाने की कृपा करेंगे ?

श्री अध्यक्ष : चिड़ाना साहब, आप गवर्नर ऐड्रैस और बजट पर भी बोले थे लेकिन उस वक्त तो आपने इस सड़क के बारे में कोई जिक्र नहीं किया था।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो बात रखी है उस सड़क की हम रिपेयर करवाएंगे। मेरा यहां पर यह भी कहना है कि हमारे इनैलो पार्टी के माननीय साथी किसी भी ऐसे काम के लिए मुझ से कभी नहीं मिलते जबकि बी०जे०पी० और बसपा के साथी अपने कामों के लिए मिलते रहते हैं। इनैलो के साथियों की ओर से कभी लिख कर भी कुछ नहीं आता कि हमारे हल्के में फलां जगह पर यह कमी है या अमुक काम करवा दें। ये लोग अखबार की सुर्खियों में आने के लिए यहां पर मामला उठा देते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय साथी को यह आश्वासन देना चाहता हूं कि जिस सड़क का इन्होंने जिक्र किया है उसकी मुरम्मत भी करवाएंगे।

Four Lanning of Pehowa to Haridwar Road

***973 Shri Ramesh Gupta :** Will the P.W.D. (B & R) Minister be pleased to State—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a four-laned-road from Pehowa to Haridwar via Ladwa; and

(b) if so, the time by which the above said road is likely to be four-laned ?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) :

(a) No, Sir

(b) Question does not arise

श्री रमेश कुमार गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से यह निवेदन करना चाहता हूं कि आदरणीय मुख्य मन्त्री जी एक बार पेहवा में आए थे और वहां पर उन्होंने एक घोषणा की थी कि पेहवा से हरिद्वार तक सड़क की फोरलेनिंग करने के बारे में कंसीडर करेंगे। पेहवा धार्मिक रूप से भी बहुत ही इम्पोर्टेन्ट जगह है और यहां पर रेलवे लाईन भी नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मन्त्री जी तथा आदरणीय मुख्य मन्त्री जी से भी आग्रह करना चाहूंगा कि इस सड़क के लिए फण्डज़ ऐलोकेट करके इस सड़क की फोरलेनिंग का काम जल्दी शुरू करने की कृपा करें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, यह पेहवा से हरिद्वार वाया पिपली, लाडवा रोड जो है यह 83.34 किलोमीटर लम्बी है। इसमें स्टेट की 72.34 किलोमीटर लम्बी सड़क है। अध्यक्ष महोदय, जो 83.34 किलोमीटर सड़क है इसमें से 11.20 किलोमीटर सड़क फौर लेनिंग है। इसमें से जो 72.14 किलोमीटर सड़क है वह फौर लेनिंग नहीं है। अध्यक्ष महोदय, 11.20 किलोमीटर का एरिया एन०एच० 73 के अन्दर आता है। अध्यक्ष महोदय, फौर लेनिंग का स्ट्रैच जो कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के तीसरे गेट से लेकर ज्योतिसर तक है, यह 6 किलोमीटर का है, दूसरे पेहवा टाऊन से लेकर ज्योतिसर तक 16 किलोमीटर का एरिया है। इसको हमने सी०आर०एफ० स्कीम के तहत अपने हैड आफिस मैमों नम्बर 4NH2935 dated 5-5-2007 को गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया को भेजा हुआ है और यह टोटल 22 किलोमीटर का एरिया पड़ता है। मैं उम्मीद करता हूं कि इस बारे में हमें जल्दी से सैंक्शन मिल जाएगी। मंजूरी मिलने के बाद हम इस 22 किलोमीटर के एरिया को सी०आर०एफ० स्कीम के तहत फौर लेनिंग करवाएंगे। अध्यक्ष महोदय, इसमें उनका जो एन०एच० 73 का 11 किलोमीटर का एरिया है वह भी आता है। इसके साथ अध्यक्ष महोदय, पंचकुला से यमुनानगर होते हुए यू०पी० बोर्डर तक जो सड़क जाती है उसको भी फौर लेनिंग करने के लिए नैशनल हाईवे अथौरिटी एक प्रोजैक्ट बना रही है। इसके अलावा हमारी सरकार का भी एक प्रपोजल है कि यह जो पिपली से लेकर यमुनानगर वाया लाडवा सड़क है इसके लिए हमने एक डी०पी०आर० प्रोजैक्ट बनाया है। इसके लिए हमने कंसल्टेंट भी नियुक्त कर लिया है। इसमें लगभग 128 करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना है। हम इस सड़क को बी०ओ०टी० बेसिज पर बनवाएंगे क्योंकि इस सड़क पर काफी हैवी ट्रैफिक चलता है। इसी प्रकार से अध्यक्ष महोदय, अर्जन सिंह जी का जो एरिया है वहां पर भी बी०ओ०टी० बेसिज पर सड़क बनवाने का प्रावधान कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहूंगा कि हम इस केस

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

को एक महीने में बी०ओ०टी० के बेसिज पर निपटाने की कोशिश करेंगे। विशेष तौर पर जहां पर कमिर्शियल व्हीकल्ज निकलते हैं, जो डम्पर हैं, जो भारी सामान लेकर ट्रक आते हैं, उनकी वजह से सड़क टूट जाती है। उस सड़क को हम बी०ओ०टी० के लेवल पर बनवाएंगे। अध्यक्ष महोदय, हमने नारनौल एरिया में, यमुनानगर में, रमेश गुप्ता जी के एरिया में और मेवात के एरिया में भी पांच ऐसी सड़कें आईडैंटिफाई करी हैं जिनको बी०ओ०टी० के बेसिज पर बनवाएंगे। अध्यक्ष महोदय, सोहना तक की सड़क को भी हम बी०ओ०टी० बेसिज पर बनवाएंगे। हमने इस सड़क की डी०पी०आर० तैयार कर ली है और जल्दी इस बारे में फैसला करेंगे। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि रायपुर, लाडवा अप टू डिस्ट्रीक्ट बाऊंडरी ऑफ कुरुक्षेत्र, दूसरे सहारनपुर-कुरुक्षेत्र रोड़ बदौन वाया खैरी खेरा इस पर हम 3.66 करोड़ रुपए खर्च करेंगे। यह सड़क 10.11 किलोमीटर लम्बी है और इसको प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनवाया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा एक और सड़क को 4.55 करोड़ रुपए की लागत से इम्प्रूव किया गया है। इसमें बड़ा, दूधा, गाडली, कैरमी, दोधी, उमरी, इन्द्री रोड है यह भी प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत 14.40 करोड़ रुपए की मंजूर करवाई है। इसको भी हम जल्दी पूरा करवाएंगे। अध्यक्ष महोदय, सहारनपुर कुरुक्षेत्र रोड है, उसको भी अन्डर डी०एफ०सी० at a cost of 3.39 करोड़ रुपए की लागत से हमने बनाया है, इसकी लैंथ 7.93 किलोमीटर है।

श्री रमेश कुमार गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, क्वैश्चन ऑवर में प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं होता है।

श्री एस०एस० सुरजेवाला : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि कैथल कुरुक्षेत्र रोड है क्या उसको भी ये फॉरे लैन करने के बारे में विचार करेंगे। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही महत्वपूर्ण रोड है, यह बहुत खराब पोजीशन में है और बहुत ही नैरो है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, यह सैप्रेट प्रश्न है। माननीय सदस्य की यह बात ठीक है यह बहुत ही इम्पोरटैंट रोड है। ये इस बारे में मुझे लिखकर दे दें मैं इस बारे में एग्जामिन करने के बाद ही इनको बता पाऊंगा कि वहां पर फॉरे लेनिंग करनी है या नहीं करनी है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, सदन में जो सड़कों की फॉरे लेनिंग और ऊपरगामी पुलों को बनाने और यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए जो मामला डिस्कस किया जा रहा है उसमें मैं भी मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि फतेहाबाद के बीचों बीच नैशनल हाई-वे नम्बर 10 निकलता है। वहां पर बहुत ज्यादा ट्रैफिक कंजैशन है। माननीय मुख्यमंत्री जी जनवरी में वहां पर गये थे और लोगों ने वहां पर बाई-पास बनाने की इनसे मांग रखी थी। माननीय मुख्य मंत्री जी उस बारे में आश्वासन तो नहीं देकर आए थे लेकिन कहा था कि फतेहाबाद में बाई-पास बनाने का काम करेंगे। क्या इस बारे मे मंत्री जी विचार करके कोई कार्यक्रम बनाएंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, जहां-जहां पर भी रोड्ज पर कंजैशन है वहां हम जरूर ध्यान देंगे। फतेहबाद की सड़क के बारे में इन्होंने जिक्र किया है मैं कहना चाहूंगा कि तीन साल हो गये हैं इन्होंने न तो इस बारे में मुझे लिखित में दिया है और न ही मुझसे इस बारे में कहा है। अभी दो दिन पहले ही असैम्बली में इन्होंने मुझसे जरूर इस बारे में बात की थी इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि ये हमें थोड़ा समय दें। हम इस बारे में ऐग्जामिन करवा लेते हैं। दूड़ा राम जी को

भी इस सड़क की बड़ी चिंता है इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि मैं इस बारे में ऐग्जामिन करवाकर ही आपको कुछ बता पाऊंगा।

श्रीमती गीता भुक्कल : स्पीकर सर, नेशनल हाई वे नं० 65 पर इस समय वाईडनिंग और स्ट्रैंथनिंग का कार्य पुरजोर तरीके से चल रहा है लेकिन शिमला और पिंजूपुरा गांवों के बीच के एरिया में उस सड़क पर बहुत ज्यादा ऐक्सीडैंट्स होते हैं। स्पीकर सर, आंकड़े बताते हैं कि वहां पर इन ऐक्सीडैंट्स की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। मैंने लिखित तौर पर भी कई बार इस बारे में मंत्री जी को बताया है कि शायद उस रोड पर वहां पर कुछ टैक्नीकल फाल्ट हैं जिसके कारण वहां पर उस रोड में झोल सा लगता है। इसी कारण उस पर्टीकुलर एरिया में बहुत ऐक्सीडैंट्स होते हैं।

श्री अध्यक्ष : आप पर्टीकुलर क्वैश्चन पूछिए।

श्रीमती गीता भुक्कल : स्पीकर सर, क्या मंत्री जी वहां पर कोई टैक्नीकल टीम भेजकर चल रहे कंस्ट्रक्शन के काम को दिखवाएंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, मेरे पास इनका इस बारे में एक पत्र आया था। उसको मैंने ऐग्जामिन करने के लिए भेज दिया है। इनकी यह बात सही है कि शिमला-पिंजुपुरा के बीच में काफी ऐक्सीडैंट्स हो रहे हैं। हम इस मामले को ऐग्जामिन करवा रहे हैं कि क्या वहां पर सड़क के लेवल में तो कोई कमी नहीं है या इसके अलावा तो कोई वहां पर टैक्नीकल फाल्ट नहीं है। सर, हम इस मामले को जरूर ऐग्जामिन करवा रहे हैं।

श्री सोमवीर सिंह : स्पीकर सर, भिवानी से लोहारू-पिलानी जो मेन रोड है वह लोहारू शहर के अंदर करीब साल भर से ज्यादा समय से टूटी हुई है। वहां से मेरे विधान में कोई भी व्हीकल दूसरे गियर में निकल नहीं सकता है। मैंने बार-बार अधिकारियों से इस बारे में बात की थी। वहां पर थोड़ी सी दूरी में पैच जरूर लगा है लेकिन बाकी सड़क की बहुत बुरी हालत है। स्पीकर साहब, वहां पर एक फर्लांग की दूरी से ज्यादा ही सड़क खराब है तो क्या मंत्री जी इसको बनवाने के बारे में विचार करेंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, पी०डब्ल्यू०डी० (बी० एण्ड आर०) की सड़क यदि टाऊन के अंदर है तो उसकी हम रिपेयर भी करवाएंगे और उसको हम ठीक भी करवाएंगे।

श्री राम कुमार गौतम : स्पीकर साहब, पिछले सैशन में जींद से हांसी जो हमारा स्टेट हाई-वे है उसके बारे में सरकार ने ऐश्योरैंस दी थी खासकर मुख्यमंत्री जी ने कि यह सड़क हमें बनानी है, हमने पक्का फैसला भी कर रखा है और यह प्लानिंग में भी है लेकिन अभी तक भी वहां पर काम शुरू नहीं हुआ है। बरवाला से ईटलखुर्द तक तो इतनी महत्वपूर्ण रोड भी नहीं है तो भी वह तो स्टेट हाई-वे के हिसाब से चौड़ी सड़क हो गयी है लेकिन हांसी से जींद की सड़क पर कार्य नहीं हुआ है क्योंकि यह बाई एंड लार्ज जहां तक होनी है वहां तक नारनौंद कांस्टीच्यूएंसी के एक दो गांव पड़ते हैं। मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या इस सड़क को बनाने का कोई प्रपोजल सरकार के विचाराधीन है ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, ये मुझे इस बारे में स्पैसिफिक नोटिस दे दें इसके बाद ही मैं इसके बारे में इनको बता पाऊंगा। वैसे हम उसको ऐग्जामिन करवा लेंगे। स्पीकर

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

साहब, जहां-जहां पर भी सड़कें खराब हैं उसके लिए हमने बाकायदा एक प्रोग्राम फिक्स किया हुआ है। स्पीकर साहब, आप सब जानते हैं कि राजीव गांधी इंफ्रास्ट्रक्चर स्कीम के तहत तीन हजार करोड़ रुपये का खर्चा हम सड़कों पर करेंगे। खराब रोड्ज को बनाने के लिए और ब्रिजिज के लिए नाबार्ड को भी 100 करोड़ रुपये का केस हमने भेजा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत और एन०सी०आर० के तहत भी हम कोशिश कर रहे हैं कि खराब सड़कों को ठीक करवाएं। अध्यक्ष महोदय, जिस सड़क का माननीय सदस्य ने जिक्र किया है हम उसको ऐग्जामिन करवा लेंगे।

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर सर, मंत्री जी ने अभी जिक्र किया है कि यमुनानगर जिले में बी०ओ०टी० बेसिज पर रोड बनायी जाएगी। शायद यह बुड़िया से भूड़ बाया देवघर सड़क है जो कि छछरौली हल्के में है। हम कब से देख रहे हैं कि यह सड़क अंडर कंस्ट्रक्शन है। मेरे ख्याल से शायद वह सड़क 6 साल से बनती आ रही है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि कब तक यह सड़क बन जायेगी और कितना बजट इसका है ? स्पीकर साहब, शायद इसका बजट 70 करोड़ रुपये है लेकिन 70 करोड़ रुपये में कौन प्राईवेट आदमी इसको बनाने के लिए तैयार होगा ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, दिक्कत यह आती है कि पब्लिक यह नहीं चाहती कि कोई भी रोड बी०ओ०टी० बेसिज पर बने क्योंकि वहां से खास तौर से जो कार वगैरा या नोन कमर्शियल व्हीकल्ज निकलते हैं तो उन लोगों में टोल टैक्स देने में रिजैन्टमैंट सी होती है। स्पीकर साहब, अगर हम बी०ओ०टी० बेसिज पर उन सड़कों को नहीं बनाएंगे जहां से ट्रक्कर वगैरा निकलते हैं तो दिक्कत होगी क्योंकि उनकी वजह से सड़क जल्दी टूट जाती है। स्पीकर साहब, सरकार यह विचार कर रही है कि आम पब्लिक पर उतना ही बोझ डालेंगे जितना उचित हो ताकि पब्लिक को दिक्कत न हो। हम एक महीने के अन्दर इस बारे में जल्दी ही फैसला कर लेंगे। स्पीकर साहब, जिस सड़क का माननीय सदस्य जिक्र कर रहे हैं उसको भी और चार-पांच सड़कों के बारे में अरजन सिंह भी कह रहे थे, उनको भी हम टेकअप कर लेंगे।

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह सड़क कई साल से अंडर कंसीड्रेशन है और बन नहीं रही है। इसको बी०ओ०टी० के थ्रू बनवाया जाए।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इसके बारे में काफी समय से बातचीत चल रही है लेकिन जहां-जहां रोड बी०ओ०टी० बेसिज पर बनवाते हैं वहां उसकी वजह से पब्लिक में रिजैंटमैंट होती है। अध्यक्ष महोदय, हमने पांच सड़कें आईडैंटिफाई की हैं उन सड़कों पर हम बी०ओ०टी० के थ्रू काम करवाएंगे।

Delay in Disbursement of Old Age Pension

***984 Shri Sukhbir Singh Jaunapuria :** Will the Social Justice and Empowerment Minister be pleased to state whether it is a fact that the old age pension is being disbursed late by 2 or 3 months; if so, the reasons thereof ?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी) : नहीं श्रीमान जी , अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस बारे में माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि पूरी स्टेट के बारे में ऐसी कोई इन्फर्मेशन मेरे पास नहीं है। किसी ब्लॉक या किसी विशेष गांव के बारे में माननीय सदस्य के पास कोई विशेष सूचना है तो मुझे दे दें तो उसकी पूरी जांच पड़ताल की जाएगी और यदि किसी ने जानबूझकर गलती की है तो उसको जरूर सजा दी जाएगी।

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि सोहना में कभी भी उसी महीने की पेंशन नहीं मिली जो चल रहा होता है। जैसे जनवरी तक मिली है तो फरवरी पेंडिंग है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप पूरी सोहना कांस्टीच्यूएंसी की बात कर रहे हैं या सिर्फ सोहना ब्लॉक के बारे में बता रहे हैं।

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया : सर, मैं सोहना ब्लॉक की बात कर रहा हूं। एक महीना डिले होती है तो तीन महीने वहां के कर्मचारी बताने लगते हैं। इस बारे में मैं रिटन में देने के लिए तैयार हूं, क्या मंत्री महोदया कार्यवाही कराएंगी ?

बहिन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने पहले भी कहा है कि यदि किसी ने जानबूझ कर गलती की है तो उसको जरूर सजा दी जाएगी। इस बारे में सरकार की तरफ से आदेश ये हैं कि हर महीने की 7 तारीख तक जरूर पेंशन मिल जानी चाहिए। 5-10 दिन इधर-उधर की बात तो मैंने सुनी है क्योंकि यहां से सूचना भेजी जाती है फिर डी०एस०डब्ल्यू० ड्राफ्ट बनवाकर पैसे निकलवा देता है इसमें 2-4 दिन की डिले तो हो जाती है लेकिन 2-3 महीने की डिले तो मैं पहली बार माननीय सदस्य के मुंह से सुन रही हूं। सोहना के बारे में विशेष रूप से पता लगवाऊंगी।

श्री अध्यक्ष : जौनापुरिया जी, आप इस बारे में लिखवाकर भिजवा देना।

श्री सुखबीर जौनापुरिया : अध्यक्ष महोदय, मेरा इस बारे में एक सवाल भी है। मैं यह जानना चाहता हूं कि पहले जैसे किसी की गांव में चिट्ठी आती थी तो वे उसे पढ़वाने के लिए किसी के पास जाते थे या पूछते थे कि चिट्ठी में हमारे लिए क्या लिखा है लेकिन अब हम अपनी पार्टी की किसी रैली से होकर गांव में जाते हैं तो हमारे यहां के बूढ़े हमसे पूछते रहते हैं कि क्या हमारे लिए मुख्यमंत्री जी ने कुछ कहा है ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने जो यह चर्चा की है। यह इनकी सही बात है। पैंशन समय पर यहां से चली जाती है। अब हमने इस बारे में ऐडमिनिस्ट्रेटिव डिपार्टमैंट को अथोराइज कर दिया है, वे भेज देते हैं लेकिन कई दफा समय पर नहीं मिलती है। इस काम में ट्रांसपेरेंसी आए और समय पर ऐक्सप्लोर कर सकें, इसके लिए हम मोबाइल बैंकों से और ए०टी०एम० के जरिये यह पेंशन देने की बातचीत कर रहे हैं। कुछ बैंक्स इसके लिए तैयार भी हो रहे हैं। ताकि कोई ऐसा सिस्टम बने जिससे समय पर पेंशन मिले और यह भी हो कि जिसको मिलनी चाहिए उसी को मिले और पैंशन मिलने के बीच में कोई गड़बड़ न हो। इस काम के लिए कई बैंक्स ने ऑफर भी की है। स्मार्ट कार्ड देने के बारे में भी हम विचार कर रहे हैं।

एक आवाज़ : ये तो उस पेंशन की राशि को बढ़वाने के लिए कह रहे हैं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के समय में यह पेंशन की राशि 200 रुपये थी। आखिरी साल में इन्होंने जाते-जाते 300 रुपये अनाउंस कर दी थी। हम इनके अनाउंस किए हुए 300 रुपये दे रहे हैं आज तक दे रहे हैं।

आई०जी० शेर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में सवाल करना चाहता था लेकिन उससे पहले ही मुख्यमंत्री जी ने इस बारे में जवाब दे दिया है।

Setting up of Power Stations at Naneola and Mohra

***975. Shri Nirmal Singh :** Will the Power Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up Power Stations at Naneola and Mohra in Naggal Constituency; if so, the time by which the construction work is likely to be started on the said Power Stations ?

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : A proposal for creation of 66 KV sub-station Naneola with 1 x12.5/16MVA, 66/11KV capacity transformer is under examination.

The proposal for construction of 66 KV sub-station Mohra with 1 x 12.5/ 16 MVA, 66/11 KV capacity transformer at an estimated cost of Rs. 10 crore has been approved. Construction work of this sub-station is in progress. The sub-station is likely to be commissioned by September 2008. Sir, the contract was awarded on 14th Sept., 2007.

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मोहड़ा के लिए धन्यवाद करूंगा लेकिन सितम्बर, 2008 में केवल छः महीने रह गये हैं। दूसरा ननौला के लिए क्या प्रोग्रेस है यह पुरानी मांग है। इसका कार्य कब तक पूरा हो जायेगा ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि माननीय सदस्य को बता दिया है कि 14-09-2007 को इस काम के लिए कान्ट्रैक्ट दिया गया था and it was a time-bound contract. अगर वह कान्ट्रैक्टर समय पर काम पूरा नहीं करेगा तो इस काम के लिए इतनी ज्यादा पैनेल्टी है कि सितम्बर, 2008 तक वह काम पूरा कर ही देगा। यह काम पक्का पूरा हो जायेगा otherwise consequences will have to follow. दूसरा जो माननीय सदस्य ने ननौला के बारे में पूछा है। यह सच बात है कि वहां पर सब-स्टेशन की आवश्यकता है। हमने इसलिए कहा है कि इसके बारे में सरकार एग्जामिन कर रही है क्योंकि अगर हम ननौला के अन्दर 66 के०वी० के सब-स्टेशन बनायें तो ज्यादा लोड की वजह से पहले हमें 220 के०वी०ए० का सब-स्टेशन और बनाना पड़ेगा जिसके लिए 30 करोड़ रुपये का खर्चा आयेगा और 66 के०वी०ए० के सब-स्टेशन पर 8-10 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। इसके बारे में सरकार सीरियसली एग्जामिन कर रही है। दोनों सब-स्टेशन बन जाएं इसलिए ननौला का सब-स्टेशन बनाने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है और इसके बारे में जल्दी ही निर्णय लिया जायेगा।

श्री रमेश कुमार गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में तीन सब-स्टेशन सलीमपुर में 220 के०वी०ए०, लुहाड़ा और सथाना में 33 के०वी०ए० के सब-स्टेशन बन कर लगभग पूरे भी हो चुके हैं। मैं चाहता हूं कि ये सब-स्टेशन पैडी सीजन से पहले शुरु हो जायें। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी को धन्यवाद करता हूं लेकिन मैं यह पूछना चाहता हूं कि इनका उद्घाटन कब करवा रहे हैं ?

श्री [illegible] : अध्यक्ष महोदय, [illegible]

Construction of Drain to carry Water to Narnaul City

***1946. Shri Radhey Shyam Sharma [illegible] :** Will the Water Supply and Sanitation Minister be pleased to state whether it is a fact that the drain to carry the water from Nangal [illegible] to Narnaul City has not been completed in the last one and a half year; if so, the time by which the said drain is likely to be completed ?

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : The work for laying of 900 [illegible] diameter RCC [illegible], is in progress and is likely to be completed by April, 2008.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Shortage of Drinking Water

1987. Shri Amar Chand [illegible] : Will the Water Supply and Sanitation Minister be pleased to state whether it is a fact that there is an acute shortage of drinking water in Hansi City; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to construct another water-works to improve the drinking water supply in Hansi city ?

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : नहीं, श्रीमान् जी। हांसी शहर की जल वितरण प्रणाली नहरी पानी पर आधारित है जिसके साथ 21 नलकूप लगाए हुए हैं जिसकी कुल पानी निकालने की क्षमता 11.35 एम०एल०डी० है। वर्तमान पेयजल आपूर्ति में सुधार के लिए 705.13 लाख रुपये की लागत से एक बुस्टिंग स्टेशन निर्माणाधीन है जो कि 30-04-2008 तक पूरा कर दिया जाएगा। यानि एक महीने में वह काम पूरा करके हम माननीय सदस्य को देंगे जिससे शहर में पानी की व्यवस्था काफी सुधर जाएगी। इन्होंने मुख्यमंत्री महोदय से यह भी मांग की थी कि हांसी शहर में कैनाल बेस्ड वाटर वर्क्स बनवाया जाए। शहर की जल वितरण प्रणाली में बढ़ोतरी, नई कॉलोनियों में पर्याप्त जलापूर्ति हेतु तथा पीने के पानी की भविष्य की मांग को देखते हुए द्वितीय जलघर की आवश्यकता है। 3140.00 लाख रुपये का एक अनुमान जिसके तहत द्वितीय जलघर के निर्माण तथा वितरण प्रणाली का प्रावधान है, विश्व बैंक परियोजना के तहत प्रस्तावित है जो कि अभी विचाराधीन है। अध्यक्ष महोदय, मुझे यह बताते हुए खुशी है कि हमने हरियाणा के सभी शहरों में सीवरेज ट्रीटमैंट प्लांट लगाने के लिए और पेयजल व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त बनाने के लिए भारत सरकार का जो प्रोजैक्ट था वह वर्ल्ड बैंक को भेज दिया है। जहां तक मुझे याद है कि यह प्रोजैक्ट तकरीबन 2000 करोड़ का प्रोजैक्ट है। भारत सरकार ने हमारा प्रोजैक्ट एप्रूव कर दिया है और हमारी सरकार ने तो इसे पहले ही एप्रूव कर दिया था। प्लानिंग कमीशन ने उस पर मोहर लगा दी है। इस समय यह प्रोजैक्ट वर्ल्ड बैंक के पास विचाराधीन है और जैसे ही वहां से मंजूर हो जाएगा इनके हांसी शहर में दूसरा पेयजल घर लगाने का मामला टेकअप कर लिया जाएगा।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने हमें विश्वास दिलाया है कि वर्ल्ड बैंक की स्कीम में यह जलघर अंडर कंसीडरेशन है। मेरी एक प्रार्थना है कि हांसी में पीने के पानी की बहुत दिक्कत है। मुख्यमंत्री महोदय ने घोषणा की थी कि हर आदमी को 30 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पानी देने की बजाय 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पीने का स्वच्छ पानी दिया जाएगा। हांसी में कई जगह ट्यूबवैल्ज लगे हुए हैं लेकिन उनका पानी खारा है और लोगों को पीने का पानी नहीं मिलता। जब तक दूसरा वाटर वर्क्स फर्स्ट प्रायोरिटी पर नहीं बनेगा तब तक हांसी के लोग प्यासे ही रहेंगे। कई गांवों में पीने के पानी की दिक्कत है इसलिए दूसरे वाटर वर्क्स को फर्स्ट प्रैफरैंस देकर बनाया जाए ताकि लोगों को पीने का पानी आसानी से मिल सके।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की चिन्ता वाजिब है इसलिए मैंने बताया है कि 7 करोड़ 5 लाख 13 हजार रुपये की लागत से एक बुस्टिंग स्टेशन निर्माणाधीन है क्योंकि हांसी के दो टुकड़े हैं। जैसे कि हमारे कई शहरों के बहुत सारे पोर्शन ऊंचे हैं और वहां पानी तो है लेकिन पानी ऊपर नहीं चढ़ पाता। यह बात आज की नहीं बल्कि 30-40 सालों से लगातार चली आ रही है। जब वहां सत्ता का केन्द्र था तब भी यह समस्या बनी रही और इसका कोई हल नहीं निकाला गया। माननीय सदस्य इस समस्या को लेकर मेरे पास भी आए थे और मुख्यमंत्री महोदय जी ने भी कहा था जैसा कि मैंने बताया है कि एक महीने में बूस्टिंग स्टेशन का मकैनिजम पूरा कर देंगे I am making a categorical promise. This work is almost completed. 3140 लाख रुपये जो हम खर्च कर रहे हैं उनमें हांसी के द्वितीय जलघर को हम टेकअप करने वाले हैं।

Supply of Drinking Water in Sohna City

*985. **Shri Sukhbir Singh Jaunapuria :** Will the Water Supply and Sanitation Minister be pleased to state whether it is a fact that the amount of Rs. 65.34 crore has been sanctioned for the supply of drinking water for Sohna City and Rajka Industrial Area; if so, the time by which the work is likely to be started thereon ?

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : A project amounting to Rs. 6534.30 lacs for water supply for Sohna City and Rajka Industrial Area has been sent to National Capital Region Planning Board, Government of India New Delhi on 14-12-2007 for sanction. The work will be taken up after National Capital Region Planning Board's approval which can be expected in the first half of 2008-09. The project is likely to be started within three months of its sanction. Sir, since, the time is getting over my reply may be treated as read. I want to assure the Hon'ble member, in 2008-2009 we will start the work.

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि 55 परसैंट जो हुडा का काम है उस काम को तो शुरू करवा दें तो मैं समझूंगा कि हमारे क्षेत्र में काम शुरू हो जाएगा।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि यह 6534.30 लाख रुपये की स्कीम है। एक शहर को दी जाने वाली हरियाणा की यह सबसे बड़ी वाटर सप्लाई स्कीम है। वर्ष 2008-09 तक हम इस काम को चालू कर देंगे।

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इसके लिए माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा और साथ ही यह भी कहना चाहूंगा कि सोहना में गर्म पानी है। 50 परसैंट जो हुडा के शेयर का काम है उसको अगर शुरू करवा दिया जाता है तो मैं समझूंगा कि मेरे क्षेत्र में काम शुरू हो जाएगा।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि यह काम एक महीने में शुरू करवा देंगे।

Mr. Speaker : Hon'ble members, now the question hour is over

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Construction of Stadium in Village Boh

*976. **Shri Nirmal Singh :** Will the Minister of State for Sports and Youth Affairs be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Stadium in village Boh; if so, the time by which the Stadium is likely to be constructed ?

वन राज्य मंत्री (श्रीमती किरण चौधरी) : हां श्रीमान जी। जैसे ही भूमि स्थानान्तरण बारे पंचायत का प्रस्ताव प्राप्त होगा, विभाग द्वारा तत्परता से समयबद्ध कार्यवाही की जायेगी।

---

32 K.V. Sub-Station in Village Nayan-Dhakora

*993. **Shri Radhey Shyam Sharma Amar :** Will the Power Minister be pleased to state the time by which the work is likely to be started on 32 K.V. Sub-Station in villages Nayan Dhakora of Narnaul constituency?

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : श्रीमान, वर्तमान समय में नारनौल निर्वाचन क्षेत्र के गाँवों नायन एवं धकोड़ा में नया 33 के०वी० उपकेन्द्र बनाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

Village Common Lands Reverted back from Ownership of Panchayats to the Shareholders

*997. **Shri Karan Singh Dalal :** Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) the details of village common lands including Mustarka Malkan which were reverted back from ownership of Panchayats to the shareholders in different villages of Gurgaon District during the period from 1999 till date;

(b) whether any illegality has been committed by any Revenue authority while deciding the title of the lands in (a) above; if so, the details of such cases alongwith the action taken; and

(c) the status of such lands at present ?

Chief Minister (Shri Bhupinder Singh Hooda) : Sir,

(a) The details of village common lands including Mustraka Malkan, which were reverted back from ownership of Panchayats to the shareholders in different villages of Gurgaon District during the period from 1999 till date, are as under :—

1. *Gram Panchayat Gwalphari, (Village Batola) Tehsil Sohna*

The then S.D.O. (Civil)-cum-Assistant Collector, 1st Grade *vide* his order dated 10-2-2005 declared the private persons as owners of the land measuring 25 Kanal 15 marla. The said order dated 10-2-2005 was set aside by Collector Gurgaon *vide* order dated 31-3-2006. At present the land continues to be vested in Gram Panchayat.

2. *Gram Panchayat Daultabad, Tehsil Gurgaon*

The then S.D.O. (Civil)-cum-Assistant Collector, 1st Grade vide his order dated 25-4-2005 declared the private persons as owners of the land measuring 51 Kanal 8 marla. The said order dated 25-4-2005 was set aside by Collector Gurgaon vide order dated 31-3-2006. At present the land continues to be vested in Gram Panchayat.

3. *Gram Panchayat Ghata, Tehsil Sohna*

The then S.D.O. (Civil)-cum-Assistant Collector, 1st Grade vide his order dated 10-2-2005 declared the private persons as owners of the land measuring 33 Kanal 17 marla. The said order dated 10-2-2005 was set aside by Collector Gurgaon vide order dated 31-3-2006. At present the land continues to be vested in Gram Panchayat.

4. *Gram Panchayat Teekri, Tehsil Sohna*

The then S.D.O. (Civil)-cum-Assistant Collector, 1st Grade vide his order dated 7-3-2005 declared the private persons as owners of the land measuring 2 Bigha 15 Biswa. The said order dated 7-3-2005 was set aside by Collector Gurgaon vide order dated 31-3-2006. At present the land continues to be vested in Gram Panchayat.

5. *Gram Panchayat Sakatpur, Tehsil Sohna*

The then S.D.O. (Civil)-cum-Assistant Collector, 1st Grade vide his order dated 25-4-2005 declared the private persons as owners of the land measuring 2599 Kanal 11 marla. The said order dated 25-4-2005 was set aside by Collector Gurgaon vide order dated 7-3-2006. At present the land continues to be vested in Gram Panchayat.

6. *Gram Panchayat Badshahpur, Tehsil Sohna*

The then S.D.O. (Civil)-cum-Assistant Collector, 1st Grade vide his order dated 7-2-2005 declared the private persons as owners of the land measuring 182 Kanal 16 marla. The said order dated 7-2-2005 was set aside by Collector Gurgaon vide order dated 14-6-2005. At present the land continues to be vested in Gram Panchayat.

7. *Gram Panchayat Abhaypur, Tehsil Sohna*

The then D.R.O. -cum-Assistant Collector, 1st Grade vide his order dated 1-7-2004 declared the private persons as owners of the land measuring 72 Kanal 11 marla. The said order dated 1-7-2004 was set aside by Collector Gurgaon vide order dated 25-4-2006. At present the land continues to be vested in Gram Panchayat.

8. *Gram Panchayat Bandhwari, Tehsil Sohna*

The then D.D.P.O.-cum-Assistant Collector, 1st Grade vide his order dated 21-11-2000 declared the private persons as owners of the land measuring 1949 Bigha 10 Biswa. The revision against the said order dated 21-11-2000 filed by Gram Panchayat is pending before the Commissioner, Gurgaon Division and there is stay order dated 6-2-2006 regarding alienation and construction. The land is in possession of private persons.

9. *Gram Panchayat Bajghera, Tehsil Sohna*

The then S.D.O. (Civil)-cum-A.C. Ist Grade vide his order dated 20-6-2002 declared the private persons as owners of land measuring 2208 Kanal 15 marla. In appeal, Collector Gurgaon vide his order dated 18-2-2003 set aside the order of AC Ist Grade. In revision, Commissioner, Gurgaon Division, Gurgaon vide his order dated 20-11-2003 had setting aside the order of Collector upheld the order of AC Ist Grade. Financial Commissioner & Secretary to Government, Development and Panchayats Department vide order dated 4-4-2008 dismissed the second revision, filed against order dated 20-11-2003, being not maintainable. The Gram Panchayat has already been directed to file writ petition in the Hon'ble High Court.

10. *Gram Panchayat Nainwal, Tehsil Gurgaon*

In compliance of order dated 13-3-2003 passed by Hon'ble High Court mutation no. 515 in respect of land measuring 811 Bigha 12 Biswa was sanctioned in favour of shamilat deh and further mutation no. 543 dated 11-4-2005 of Hisis Kaymi was sanctioned by CRO-cum-AC IInd Grade (Tehsildar). BDPO/Gram Panchayat have been directed to challenge the said mutations before the AC, Ist Grade.

(b) The orders passed by authorities i.e. Assistant Collectors Ist Grade, Collector or the Commissioner are of Quasi-judicial nature and are challengeable before the appellate/revisionary authority by way of appeal/revision. Therefore, it is not possible to comment that whether any illegality has been committed or not by these Authorities. However, it is mentioned that the State Vigilance Bureau has enquired into the matter.

(c) The orders of Assistant Collector, Ist Grade pertaining to lands described at Sr. No. 1 to 7 in para (a) above have been set aside by the Collector and at present, the impugned lands vest in the Gram Panchayats. The orders pertaining to lands described at Sr. No. 8 to 10 of para (a) above are under challenge/to be challenged before higher authorities/courts and the land is reportedly in possession of the proprietors.

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Science and Math Masters/School Lecturers working in Sarav Shiksha Abhiyan

119. Sh. Karan Singh Dalal : Will the Education Minister be pleased to state the district wise number of Science and Mathematics Masters and School Lecturers of Science subject who are working in Sarv Shiksha Abhiyan (SSA) on whole-time basis as on Ist March, 2008 ?

शिक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता) :

(क) इस समय सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत दिनांक 1 मार्च, 2008 तक राज्य में पूरे समय के लिए विज्ञान के 35 अध्यापक कार्यरत हैं। जिनका जिलावार ब्यौरा निम्न प्रकार से है :—

1.	भिवानी	05
2.	फरीदाबाद	02
3.	हिसार	05
4.	झज्जर	01
5.	जीन्द	06
6.	कैथल	02
7.	महेन्द्रगढ़	05
8.	रोहतक	04
9.	सिरसा	04
10.	सोनीपत	01
	कुल	35

(ख) इस समय सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत दिनांक 1 मार्च, 2008 तक राज्य में पूरे समय के लिए गणित के 64 अध्यापक कार्यरत हैं। जिनका जिलावार ब्यौरा निम्न प्रकार से है :—

1.	अम्बाला	03
2.	भिवानी	14
3.	फरीदाबाद	01
4.	गुड़गांव	01
5.	हिसार	05
6.	झज्जर	05
7.	जीन्द	03
8.	कैथल	03
9.	कुरुक्षेत्र	04
10.	मेवात	03
11.	महेन्द्रगढ़	06
12.	पंचकूला	03
13.	रेवाड़ी	05
14.	रोहतक	05
15.	सिरसा	03
	कुल	64

(ग) इस समय सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत दिनांक 1 मार्च 2008 तक राज्य में पूरे समय के लिए विज्ञान के 77 लैक्चरर कार्यरत हैं। जिनका जिलावार ब्यौरा निम्न प्रकार से है :—

1.	अम्बाला	07
2.	भिवानी	02
3.	फरीदाबाद	06
4.	फतेहाबाद	01
5.	गुड़गांव	01
6.	हिसार	08
7.	झज्जर	04
8.	जीन्द	01
9.	करनाल	09
10.	कुरुक्षेत्र	06
11.	महेन्द्रगढ़	02
12.	पंचकूला	02
13.	रेवाड़ी	01
14.	रोहतक	17
15.	सिरसा	05
16.	सोनीपत	05
	कुल	77

Project for which Environmental Clearance is Mandatory

124. Sh. Karan Singh Dalal : Will the Minister of State for Environment be pleased to state—

(a) the details of the projects for which Environmental clearance is mandatory but are running as on Ist January, 2008 without obtaining environmental clearance under environment impact assessment notification alongwith the period of their violation; and

(b) the action taken by the Government against the violators in (a) above and also against the laxity of the officers of State Pollution Control Board ?

वन राज्य मन्त्री (श्रीमति किरण चौधरी) : (क) एवं (ख) सूचना सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

सूचना

परियोजनाओं का विवरण जो पहली जनवरी 2008 तक इ आई ए अधिसूचना के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति प्राप्त किए बिना चलती पाई गई हैं। साथ ही उल्लंघन की अवधि तथा की गई कार्यवाही।

क्रम संख्या	परियोजना का नाम तथा पता	परियोजना की श्रेणी	उल्लंघन	उल्लंघन की अवधि	इकाई के विरुद्ध की गई कार्यवाही	अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध की गई कार्यवाही
1	2	3	4	5	6	7
1.	मेसर्स सिनमा सीलिंग ऐंड ईसुलेशन, प्लाट नं० 224 गांव सोफता पलवल फरीदाबाद	एसबेस्टस स्टोरज उत्पाद	बिना ई सी शुरू की गई	2002-06	कानूनी कार्यवाही दर्ज की गई	तथ्यों की जांच की जा रही है।
2.	टी के डब्लू ऑटोमोटिक्स 40, सैक्टर-6, आई एम टी मानेसर, गुड़गांव	18 श्रेणी	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति	2005 से आगे	विशेष पर्यावरण कोर्ट फरीदाबाद में मुकदमा दर्ज दायर किया गया।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
3.	बी एस एफ कोपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाईटी, गवाल पहाड़ी, गुड़गांव	आवासीय	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति	1992 से आगे	अधिसूचना 1992 के अन्तर्गत मुकदमा शुरू किया गया।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
4.	अनंसल अरावली रिट्रीट, गुड़गांव	फार्म हाउस	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति	1992 से आगे	अधिसूचना 1992 के अन्तर्गत मुकदमा शुरू किया गया।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
5.	अन्सल गोल्डन हाईटस, गुड़गांव	फार्म हाउस	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति	1992 से आगे	अधिसूचना 1992 के अन्तर्गत मुकदमा शुरू किया गया।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
6.	एवियन रैमेडीज, सोहना, गुड़गांव	पोल्ट्री फार्म	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति	1992 से आगे	अधिसूचना 1992 के अन्तर्गत मुकदमा शुरू किया गया।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
7.	सरला होल्डिंग प्राईवेट लिमिटेड, मार्पल पाथवेज़ वर्ल्ड स्कूल, अरावली रिट्रीट, गांव रायसीना, सोहना, गुड़गांव	स्कूल	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति	1992 से आगे	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
8.	गोल्फ व्यू कोरपोरेट टावर ए एण्ड बी, कोमर्शियल कम्पलैक्स, सैक्टर 42, गुड़गांव मार्फत एल्फा जी कोरपोरेशन डिवलैपमैंट	32 श्रेणी	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति ई आई ए अधिसूचना 07-07-04 एवं	2004 की अधिसूचना से ईसी की प्राप्ति के बीच/अब तक	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई। ईसी प्राप्त कर ली गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।

1	2	3	4	5	6	7
	प्राईवेट लिमिटेड, मकान नं० 5 अरावला इन्क्लेव, सैक्टर 13, आर.के. पुरम, नई दिल्ली --110066		14-09-06			
9.	विपुल टैक स्क्वेयर, सी एण्ड डी टावर, सैक्टर 43, गुड़गांव मार्फत विपुल संरचना एवं निर्माता लिमिटेड, ग्लोबल आरकेड, तीसरी मंजिल, महरौली-गुड़गांव रोड, गुड़गांव	32 श्रेणी	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति ई आई ए अधिसूचना 07-07-04 एवं 14-09-06	2004 की अधिसूचना से ईसी की प्राप्ति के बीच/अब तक	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई। ईसी प्राप्त कर ली गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
10.	विपुल अगोरा, एम जी रोड, गुड़गांव मार्फत विपुल संरचना एवं निर्माता लिमिटेड, ग्लोबल आरकेड, तीसरी मंजिल, महरौली--गुड़गांव रोड, गुड़गांव	32 श्रेणी	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति ई आई ए अधिसूचना 07-07-04 एवं 14-09-06	2004 की अधिसूचना से ईसी की प्राप्ति के बीच/अब तक	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई। ईसी प्राप्त कर ली गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
11.	डीएलएफ बिल्डिंग नं० 2 (डीएलएफ साईबर ग्रीन) डीएलएफ साईबर सीटी, गुड़गांव मार्फत डीएलएफ यूनिवर्सल लिमिटेड, कन्स्ट्रक्शन डिविजन, शापिंग मॉल काम्पलैक्स, अर्जुन मार्ग, डीएलएफ सीटी, फेज-1, गुड़गांव/कन्स्ट्रक्शन आफ डीएलएफ साईबर सीटी, गुड़गांव	32 श्रेणी	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति ई आई ए अधिसूचना 07-07-04 एवं 14-09-06	2004 की अधिसूचना से ईसी की प्राप्ति के बीच/अब तक	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई। ईसी प्राप्त कर ली गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
12.	डीएलएफ बिल्डिंग नं 2 (डीएलएफ साईबर ग्रीन), डीएलएफ साईबर सीटी, गुड़गांव मार्फत डीएलएफ यूनिवर्सल लिमिटेड, कन्स्ट्रक्शन डिविजन, शापिंग मॉल काम्पलैक्स, अर्जुन मार्ग, डीएलएफ सीटी, फेज-1, गुड़गांव/कन्स्ट्रक्शन ऑफ डीएलएफ साईबर सीटी, गुड़गांव	32 श्रेणी	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति ई आई ए अधिसूचना 07-07-04 एवं 14-09-06	2004 की अधिसूचना से ईसी की प्राप्ति के बीच/अब तक	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई। ईसी प्राप्त कर ली गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।

1	2	3	4	5	6	7
13.	डीएलएफ बिल्डिंग नं 2 (डीएलएफ साईबर ग्रीन), डीएलएफ साईबर सीटी, गुड़गांव मार्फत डीएलएफ युनिवर्सल लिमिटेड, कन्स्ट्रक्शन डिविज़न, शापिंग माल कम्पलैक्स, अर्जुन मार्ग, डीएलएफ सीटी, फेज-1, गुड़गांव/ कन्स्ट्रक्शन ऑफ डीएलएफ साईबर सीटी, गुड़गांव	32 श्रेणी	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति ई आई ए अधिसूचना 07-07-04 एवं 14-09-06	2004 की अधिसूचना से ईसी की प्राप्ति के बीच/अब तक	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई। ईसी प्राप्त कर ली गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
14.	डीएलएफ बिल्डिंग नं 2 (डीएलएफ साईबर ग्रीन), डीएलएफ साईबर सीटी, गुड़गांव मार्फत डीएलएफ युनिवर्सल लिमिटेड, कन्स्ट्रक्शन डिविज़न, शापिंग माल कम्पलैक्स, अर्जुन मार्ग, डीएलएफ सीटी, फेज-1, गुड़गांव/ कन्स्ट्रक्शन ऑफ डीएलएफ साईबर सीटी, गुड़गांव	32 श्रेणी	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति ई आई ए अधिसूचना 07-07-04 एवं 14-09-06	2004 की अधिसूचना से ईसी की प्राप्ति के बीच/अब तक	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई। ईसी प्राप्त कर ली गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
15.	क्राउन प्लाजा, सैक्टर 29, गुड़गांव मार्फत टुडे होटल प्राईवेट लिमिटेड स्टेसटमैन हाउस, 8वी मंजिल, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली -110001.	32 श्रेणी	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति ई आई ए अधिसूचना 07-07-04 एवं 14-09-06	2004 की अधिसूचना से ईसी की प्राप्ति के बीच/अब तक	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई। ईसी प्राप्त कर ली गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
16.	विपुल टैक स्कवेयर, सैक्टर 43, गुड़गांव मार्फत विपुल संरचना एवं निर्माता लिमिटेड, ग्लोबल आरकेड, तीसरी मंजिल, महरौली-गुड़गांव रोड, गुड़गांव	32 श्रेणी	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति ई आई ए अधिसूचना 07-07-04 एवं 14-09-06	2004 की अधिसूचना से ईसी की प्राप्ति के बीच/अब तक	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई। ईसी प्राप्त कर ली गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
17.	डिस्कवरी होल्डिंग प्राईवेट लिमिटेड मेगा सीटी, एमजी रोड, गुड़गांव मार्फत एमजीएफ हाउस, 17 डी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली	32 श्रेणी	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति ई आई ए अधिसूचना 07-07-04 एवं 14-09-06	2004 की अधिसूचना से ईसी की प्राप्ति के बीच/अब तक	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई। ईसी प्राप्त कर ली गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।

1	2	3	4	5	6	7
18.	सैक्टर 51, गुड़गांव में हॉस्पिटल कॉम्पलैक्स मार्फत मैडीकेयर सर्विस प्राईवेट लिमिटेड	32 श्रेणी	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति ई आई ए अधिसूचना 07-07-04 एवं 14-09-06	2004 की अधिसूचना से ईसी की प्राप्ति के बीच/अब तक	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई। ईसी प्राप्त कर ली गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
19.	रोयल्टन सैक्टर रोड, गुड़गांव	32 श्रेणी	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति ई आई ए अधिसूचना 07-07-04 एवं 14-09-06	2004 की अधिसूचना से ईसी की प्राप्ति के बीच/अब तक	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई। ईसी प्राप्त कर ली गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
20.	वैस्टेण्ड हाईट, गुड़गांव	32 श्रेणी	ई पी एक्ट 1986 के अन्तर्गत पर्यावरणात्मक स्वीकृति ई आई ए अधिसूचना 07-07-04 एवं 14-09-06	2004 की अधिसूचना से ईसी की प्राप्ति के बीच/अब तक	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई। ईसी प्राप्त कर ली गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
21.	मैसर्ज एमएल डाई इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, एमआईई, बहादुरगढ़	डाई	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना चल रही है	12 साल से अधिक	मुकदमा कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
22.	गांव परसाला जिला झज्जर में मैसर्ज एसिड बैटरी रिसाईकलिंग यूनिट (श्री सुनील सपुत्र श्री सुल्तान सिंह, निवासी गांव जोन्टी, दैहली द्वारा परिचालित)	लैड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बोर्ड द्वारा बन्द कर दी गई है। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
23.	गांव सिद्धीपुर, जिला झज्जर में मैसर्ज एसिड बैटरी रिसाईकलिंग यूनिट (श्री विजय मान सपुत्र श्री हर किशन द्वारा परिचालित)	लैड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बोर्ड द्वारा बन्द कर दी गई है। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
24.	मैसर्ज इण्डिऑन इन्टरप्राईजिज, गांव सिद्धीपुर, जिला झज्जर	लैड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बोर्ड द्वारा बन्द कर दी गई है। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।

1	2	3	4	5	6	7
25.	मैसर्ज आरके इन्टरप्राईजिज, गांव सिद्धीपुर, जिला झज्जर	लैंड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बोर्ड द्वारा बन्द कर दी गई है। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
26.	गांव सिद्धीपुर, जिला झज्जर में मैसर्ज पशुपति प्रासैसरस के समीप मैसर्ज पटेल इन्टरप्राईजिज (श्री सतीश द्वारा परिचालित)	लैंड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बोर्ड द्वारा बन्द कर दी गई है। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
27.	मैसर्ज मैमव एण्ड कम्पनी (श्री विनोद चौधरी द्वारा स्थापित एवं परिचालित ग्राम बरनाला में)	लैंड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बन्द करने के आदेश जारी कर दिए गए।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
28.	मैसर्ज हिन्दुस्तान इन्डस्ट्राईजिज के समीप गांव खैरपुर में एक लीड रिसाईकलिंग यूनिट (विक्रम द्वारा परिचालित)	लैंड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बोर्ड द्वारा बन्द कर दी गई है। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
29.	ड्रैन के समीप आईडीसी नन्दिर वाली गली, रोहतक से सटी मैसर्ज लीड एसिड बैटरी रिसाईकलिंग यूनिट (नया नाम मैसर्ज एसकेरन इन्डस्ट्रीज)	लैंड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बोर्ड द्वारा वायु अधिनियम के अन्तर्गत बन्द कर दिया गया। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
30.	मैसर्ज मास्टर मैटल, गांव बालन्द	लैंड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बन्द करने के आदेश जारी किए गए। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।

1	2	3	4	5	6	7
31.	मैसर्ज दीप मैटल, (पंडित जी द्वारा परिचालित गांव बालन्द)	लैंड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बन्द करने के आदेश जारी किए गए। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
32.	मैसर्ज सोनू मैटल, गांव बालन्द	लैंड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बन्द करने के आदेश जारी किए गए। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
33.	मैसर्ज दुर्गा मैटल इंडस्ट्रीज, गांव बालन्द-यूनिट 2 (श्री सुरेन्द्र कुमार द्वारा परिचालित)	लैंड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बन्द करने के आदेश जारी किए गए। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
34.	मैसर्ज एसी मैटल, गांव काहनौर, रोहतक	लैंड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बन्द करने के आदेश जारी किए गए। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
35.	प्लाट नं० 48, आईडीसी, रोहतक में श्री विनोद बवेजा द्वारा परिचालित एक लीड रिसाईकलिंग यूनिट। (नया नाम मैसर्ज दुर्गा इन्डस्ट्रीज)	लैंड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बन्द करने के आदेश जारी किए गए। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
36.	प्लाट नं० 49, आईडीसी, रोहतक में श्री सुभाष द्वारा परिचालित एक लीड रिसाईकलिंग यूनिट। (नया नाम मैसर्ज माया एन्टरप्राइजिज)	लैंड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बन्द करने के आदेश जारी किए गए। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।

1	2	3	4	5	6	7
37.	गांव परनाला में मैसर्ज बेनाम लिड रिसाईक्लिंग यूनिट (श्री पारस कुमार एवं श्री करण सिंह राठी द्वारा परिचालित)	लैड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बन्द करने के आदेश जारी किए गए। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
38.	मैसर्ज आरएसटी बैटरिज, निजाम पुर गांव परनाला, जिला झज्जर	लैड	स्थापित की गई तथा ईआईए स्वीकृति लिये बिना तथा बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र/सहमति लिए बिना चल रही है	एक साल से अधिक	बन्द करने के आदेश जारी किए गए। कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
39.	मैसर्ज किरण ओवरसीज एक्सपोर्ट लिमिटेड, जीटी रोड, रसोई	24 रॉ सकिन्स एवं हाईड्स	हां	2001 से लेकर 1 जनवरी 2008 तक	दिनांक 24-10-05 को मैसर्ज किरण ओवरसीज एण्ड एक्सपोर्ट लिमिटेड के विरुद्ध ईपीए 1986 के अन्तर्गत एक मुकदमा दर्ज किया गया है।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
40.	मैसर्ज फरोस्ट फालकोन डिसटिलरिस लिमिटेड, गांव जाहरी	23 डिसटिलरिस			माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित तीन सदस्यीय उच्चाधिकार समिति द्वारा इस इकाई को मोनिटर किया जा रहा है। इस यूनिट को 3 सदस्यीय समिति के निर्देशों की पालना करने के लिए कहा गया है।	तथ्यों की जांच की जा रही है।
41.	मैसर्ज आरती ग्रेफाईट प्राईवेट लिमिटेड, प्लाट नं० 78, सैक्टर 25, फरीदाबाद	पैस्टीसाईडस टैक्नीकल	ई०सी० के बिना शुरू की गई	1996-05	मुकदमा दर्ज किया गया।	तथ्यों की जांच की जा रही है।

Recovery of Debt

125. **Sh. Karan Singh Dalal :** Will the Co-operation Minister be pleased to State—

(a) the details of the employees of the department of Cooperation including its agencies who have been issued notices or proceeded for recovery of any debt due from them of the department or of its institutions during the period from 1991 to till date; and

(b) the present position of such cases alongwith the action initiated against officers due to whose laxity the debt could not be recovered ?

Interim Reply

D.O. No. Secy./AM-2008/658

Harmohinder Singh Chatha

Agriculture, Co-operation
Animal Husbandry & Dairying,
Fisheries and Horticulture Minister,
Haryana, Chandigarh.

Dated : 26th March, 2008

Subject :— **Unstarred Assembly Question No. 125–asked by Shri Karan Singh Dalal, MLA (Regarding recovery of debt.)**

Respected Kadian Sahib,

I would request that presently it is not possible to provide the requisite information. There are eight Apex Institutions/Federations under the Cooperation Department apart from the office of Registrar Cooperative Societies and reply to this Unstarred Assembly Question requires collection of data from all the field offices. Under these circumstances, it is requested that a reasonable time beyond 27-3-2008 may be provided for a submission of reply to the Unstarred Assembly Question No. 125 listed for 27-03-2008.

With regards,

Your sincerely,

Sd/-
(Harmohinder Singh Chatha)

Dr. Raghubir Singh Kadian,
Speaker
Haryana Vidhan Sabha,
Chandigarh.

राज्यपाल का सन्देश

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a communication from His Excellency, Dr. A.R. Kidwai, Governor of Haryana on 26th March, 2008 which reads as under :—

"Dear Dr. Kadian,

I have received your demi-official communication dated 17th March, 2008, No. HVS-LA-38/2008/1529, alongwith a copy of "Motion of Thanks" passed by the Haryana Vidhan Sabha on my address on 17th March, 2008.

Please do convey my sincere appreciation and acknowledgement regarding the same to all the esteemed Members of the Haryana Vidhan Sabha.

With kind regards."

अनुपस्थिति की अनुमति

(i)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a Leave of Absence dated 24th March, 2008 from Shri Lachhman Dass Arora, Industries Minister which reads as under :—

"Speaker Sir,

Due to some unavoidable work in my constituency, I may please be granted Leave of Absence from the House on 27-3-2008."

Mr. Speaker : Question is—

That Leave of Absence be granted to Shri Lachhman Dass Arora, Industries Minister to remain absent from the sitting of the House on 27th March, 2008.

Voices : Yes, yes.

The motion was carried

(ii)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a Leave of Absence dated 26th March, 2008 from Shri Paramvir Singh, Parliamentary Secretary which reads as under :—

"Dear Sir,

I am going out of station for a few days due to personal reasons. I would request you to condone my absence from the sittings of the House on 27th March and 28th March, 2008."

Mr. Speaker : Question is—

That Leave of Absence be granted to Shri Paramvir Singh, Parliamentary Secretary to remain absent from the sittings of the House on 27th March and 28th March, 2008.

Voices : Yes, yes.

The motion was carried

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं जीरो आवर में कुछ बात कहना चाहता हूं। बजट सैशन बड़ा लम्बा चला है जिसमें हमारी तरफ से बहुत से मुद्दे उठाये गये। हमने नियमानुसार कालिंग अटैंशन मोशन भी दिए और शॉर्ट डूरेशन नोटिस भी दिए। सरकार को चाहिए था कि वे उन पर अपना पक्ष रखती लेकिन सरकार ने सभी मुद्दों पर अस्वीकारता जताई। प्रदेश में बिजली की कमी है, पीने के पानी की कमी है और प्रश्नकाल के दौरान भी इस बारे में चर्चा हुई है। इन बातों पर सरकार को जवाब देना चाहिए था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डॉक्टर साहब, आप कौन से रूल के तहत क्या बात कहना चाहते हैं ?

डॉ० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं शून्यकाल में जनहित के कुछ मुद्दे उठाना चाहता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डॉक्टर साहब, प्लीज आप बैठें। कल आपने नोटिस दिया था उस पर रूलिंग दे दी गई थी। उसके बावजूद भी आप सस्ती लोकप्रियता लेने के लिए प्रैस गैलरी में चले गये। आप सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के अलावा और कुछ नहीं करते। आप सदन में पहले से ही सोचकर आते हैं कि वाक-आऊट करना है और अखबारों में खबर छपवानी है ताकि सस्ती लोकप्रियता मिल सके। डॉक्टर सीता राम जी, आप 20-22 मिनट बोले, इंदौरा जी भी डेढ़ घंटे के करीब बोले और आपके नेता तकरीबन 2 घंटे बोलकर चले गये लेकिन एक भी काम की बात नहीं कही गई। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, मैंने 'किडनी सैकेण्डल इन हरियाणा' से संबंधित एक कालिंग अटैंशन मोशन दिया हुआ है। उसका क्या फेट है ? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, ...

श्री अध्यक्ष : इंदौरा जी, प्लीज आप बैठें। मुझे इनके कालिंग अटैंशन मोशन का जवाब देने दो। (शोर एवं व्यवधान) A calling attention notice regarding Kidney Scandal in Haryana was received. It was disallowed on the following grounds :--

1. That the criminal case has been registered against Dr. Amit and others, therefore, the matter is sub-judice.
2. That the matter has been referred by the Health Department to the CBI for further action.
3. That the matter has not been raised at the earliest opportunity.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, क्या यह अरजैंसी नहीं है। * * *

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, * * *

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded. (शोर एवं व्यवधान) इनवैस्टीगेशन हो रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : देखिए डॉ० इंदौरा जी, ऐसा है कि यह मैटर सब-ज्युडिश है और सी०बी०आई० द्वारा इस केस की इनवैस्टीगेशन की जा रही है। (शोर एवं व्यवधान)

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : स्पीकर सर, इन्होंने 600 रुपये का मला ले लिया है अब ये लोग जावेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded (Noises & Interruptions) यह जनहित का मुद्दा है। इसमें आपको डिस्कलाऊ करने के रीजनज़ दिये हैं (शोर एवं व्यवधान) आप डिमाण्ड्स पर बोलना या एप्रोप्रिएशन बिल पर बोलना और गवर्नर एडरैस पर भी आप बोले हो। (शोर एवं व्यवधान) Nothing is to be recorded. (शोर एवं व्यवधान)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, ... (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी अपनी रिप्लाई दे रहे हैं आप कृपा करके उनकी बात सुनिए। (शोर एवं व्यवधान) Minister is giving the reply. आप रिप्लाई सुने तो सही। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि माननीय सदस्य द्वारा जो कॉलिंग अटैंशन मोशन दिया गया है उसको मंजूर कर लिया जाये और उस पर चर्चा करवा ली जाये।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I must appreciate the efforts made by Shri Randeep Singh Surjewala, लेकिन ये गलत प्रथा बन जायेगी। (शोर एवं व्यवधान) I have given my Ruling. It is a sub-judice matter and the C.B.I. is investigating the matter. (Noises & Interruptions) No, the matter is sub-judice and it is under investigation of the C.B.I. Nothing more than that, (Noises and interruptions) No discussion is allowed on this. (Noises & Interruptions) Dr. Sahib, I do understand that it is a matter of public importance and this issue is of a very serious nature, but the matter is under investigation of C.B.I. (Noises & Interruptions) एक मिनट के लिए आप मेरी बात तो सुनो। (शोर एवं व्यवधान) आपको गवर्नर एड्रैस पर इतना टाईम मिला बोलने के लिए आप उस समय इस बात को उठा सकते थे बजट पर भी आप बोले उस समय भी आप इस बात को उठा सकते थे अब डिमाण्ड्स पर इस बात को उठा लेना, एप्रोप्रिएशन बिल पर आप बोल लेना। Plenty of time मैं आपको दूंगा। लेकिन अगर आप यह सोच कर आये हो कि हम वाक आऊट करेंगे और अखबारों में खबर छपेगी तो फिर ठीक है। I have no option.

Dr. Sushil Indora : Speaker Sir, I want to clarify. स्पीकर सर, हम खबरें छपवाने के लिए नहीं आये हैं।

Mr. Speaker : If there is any statement, it will hamper the investigation of the C.B.I. You are not understanding the thing. Not at all. No. (Noises and interruptions)

श्री राम कुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय,.........

श्री अध्यक्ष : हां गौतम साहब, आप क्या कहना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, क्या पानी का मामला भी सब-ज्युडिश है ? क्या बिजली का मामला भी सब-ज्युडिश है। सरकार इस बारे में स्टेटमैंट लेकर आये।

श्री अध्यक्ष : कौन सा पानी का मामला दिया है आपने ?

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, मैंने कालिंग अटैंशन दिया है। जिसको आपने रिजैक्ट कर दिया और जिस पर सरकार ने असहमति जताई है कि उस पर चर्चा नहीं हो सकती। सरकार उस पर अपनी स्टेटमैंट लेकर आती और अपना पक्ष रखती।

श्री अध्यक्ष : आपने गुड़गांव से रिलेटेड कालिंग अटेंशन मोशन दिया था, उसका रिप्लाई सरकार ने दे दिया है। The detailed statement of the Government about the drinking water problem in Gurgaon has already been placed on the Table of the House. (Noise and Interruptions).

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, यह समस्या 6-7 दिन से जारी है और अभी 5-6 दिन तक हल होने की उम्मीद नहीं है।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, आपको डिमांड पर बोलने का टाईम दिया जायेगा और एप्रोप्रिएशन बिल पर भी आप बोल सकते हैं। Nothing is to be recorded. (Noise and Interruptions).

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, * * * * * *

श्री अध्यक्ष : डॉ० इन्दौरा जी, आप सदन की गरिमा का ध्यान रखें। You must respect the Chair, यह हाउस थी करोड़ 30 लाख लोगों का पूजास्थल है।

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, * * * * * *

Mr. Speaker : Dr. Sahib, you are insulting the House. You are insulting the people of the State. Please, sit down. (Noise and Interruptions).

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, * * * * * *

Mr. Speaker : Please take your seat. I will have to consider the sense of the House first. (Noise and Interruptions). Nothing is to be recorded.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से तो यह सदन नहीं चल पायेगा। मेरी आपसे प्रार्थना है कि कम से कम सदन की कार्यवाही को व्यवस्थित तरीके से चलाया जाये। इन्होंने जवाब देने की बात कही थी। सरकार ने कह दिया कि हम स्टेटमैंट देने को तैयार हैं। स्पीकर साहब ने जो रूलिंग दी है हम उसके आगे सिर झुकाते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, * * * * * *

श्री अध्यक्ष : आपने गुड़गांव के ड्रिंकिंग वाटर बारे कालिंग अटैनशन मोशन दिया था और आप तो चले गये लेकिन यहाँ हाउस में डिस्कशन हुआ। (शोर एवं व्यवधान).

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, * * * * * *

Mr. Speaker : Dr. Sahib, this is a sub-judice matter. The C.B.I. is investigating in the matter. (Noise and Interruptions). Nothing is to be recorded.

बैठक का स्थगन

श्री राम कुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही इम्पोर्टैन्ट बात यहां पर कहना चाहता हूं। (विघ्न एवं शोर) इन्दौरा साहब, मैं तो आपकी ही बात कह रहा हूं। (विघ्न एवं शोर) स्पीकर सर, अभी-अभी मेरे पास सूचना आई है (विघ्न एवं शोर) स्पीकर सर, आप इनको बिठाएं ताकि मैं अपनी बात कह सकूं।

(इस समय इण्डियन नैशनल लोक दल के सभी माननीय सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो कर बोलते रहे)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री राम कुमार गौतम : स्पीकर सर, अभी-अभी मेरे पास सूचना आई है कि हमारे एक साथी बरवाला से हैं उनके लड़के को करीब तीन साल पहले कोई उठा कर ले गया था और अभी तक उस लड़के के बारे में कोई पता नहीं चला है। वह लड़का अभी तक नहीं मिला है (विघ्न एवं शोर) यह लड़का चोपड़ा का बेटा है और उसका नाम सुनील चोपड़ा है (विघ्न एवं शोर)

(इस समय इण्डियन नैशनल लोक दल के सभी माननीय सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो कर बोलते रहे)

Mr. Speaker : Now the House is adjourned for 10 minutes.

(The Sabha then adjourned at 10.46 A.M. and reassembled at 10.56 A.M.)

बैठक का पुनरारम्भ

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now Dr. Shiv Shankar Bhardwaj will move a resolution. (Interruptions).

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से जीरो ऑवर में एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर बात करना चाहता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं जीरो ऑवर में अपनी बात कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, आप डिमान्ड पर बोल लेना, एप्रोप्रिएशन बिल पर बोल लेना। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, हमने जो जीरो ऑवर में मुद्दा उठाया था उसके बारे में हम सरकार से स्टेटमैंट चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डॉक्टर साहब, आज प्राईवेट मैम्बर डे है। (शोर एवं व्यवधान) डॉ० शिव शंकर भारद्वाज जी अपना प्रस्ताव पढ़ें।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, पिछले नॉन-आफिशियल डे वाले दिन जीरो ऑवर में एक घंटा डिस्कशन हुई थी। अध्यक्ष महोदय, हम आपके माध्यम से जीरो ऑवर में एक लोक महत्व विषय पर चर्चा करना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान) आप हमें उस बारे में बोलने की इजाजत दें। (शोर एव व्यवधान)

Mr. Speaker : I will certainly accommodate you. आप डिमांड पर बोल लेना। (शोर एवं व्यवधान) आप एप्रोप्रिएशन बिल पर बोल लेना और उस पर बोलते हुए अपनी स्टेटमैंट दे देना। (शोर एवं व्यवधान) आप नॉन आफिशियल रैज्यूलेशन पर बोल लेना। सरकार आपको उसका जवाब दे देगी। (शोर एवं व्यवधान)

Dr. Sushil Indora : Sir, this is our humble request that issue of public interest should be allowed to be discussed.

Mr. Speaker : Ruling has already been given regarding this Calling Attention notice. आप किस रूल के तहत बोलना चाहते हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैंने जीरो ऑवर में नोटिस दिया था कि हम एक अत्यंत लोक महत्व विषय पर बोलना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Under which rule, you want to speak? आप कोई रूल बता दें कि आप इस रूल के तहत बोलना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, क्या जीरो ऑवर में बोलने की कोई परम्परा नहीं है?

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, हाऊस आपकी मर्जी से नहीं चलेगा। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हूड्डा) : इन्दौरा जी, आप सदन की गरिमा बनाए रखें। हम पिछली सरकार की बात करें तो उस समय हम विपक्ष में होते थे और जीरो ऑवर में एक मिनट भी बोलने का समय नहीं दिया जाता था। आप क्या परम्परा की बात कर रहे हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, आप सदन की गरिमा बनाए रखें। इन्दौरा जी, यह हरियाणा के 2 करोड़ 30 लाख लोगों के सम्मान की बात है। (शोर एवं व्यवधान) अगर आप उन लोगों के सम्मान की बात करना चाहते हैं तो अपनी सीट पर बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, हम उन्हीं लोगों के दुःखों और तकलीफों के बारे में ही बात करना चाहते हैं।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, मैं आपसे यही पूछ रहा हूं कि आप किस रूल के तहत बात करना चाहते हैं अगर आप रूल बता देंगे तो I will allow you. (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, शून्य काल में महत्त्वपूर्ण मुद्दे उठाने की परम्परा रही है। इसलिए मैं शून्य काल के तहत एक महत्त्वपूर्ण लोक महत्त्व के मुद्दे को उठाना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, हमने सरकार को कालिंग अटैंशन मोशन के तहत कुछ महत्त्वपूर्ण मुद्दे दिए थे जिनके बारे में हम चर्चा करना चाहते हैं।

श्री अध्यक्ष : आप उनके बारे में डिमांड पर बोल लेना और सरकार उसका आपको जवाब दे देगी। (शोर एवं व्यवधान) अगर आप डिमांड पर और एप्रोप्रिएशन बिल पर अपनी बात कहना चाहते हैं तो उस समय बोल लेना और सरकार आपको अपनी स्टेटमैन्ट दे देगी। (शोर एवं व्यवधान) आप उस समय अपनी बात बोल लेना। शिव शंकर जी, आप अपना प्रस्ताव पढ़ें। (शोर एवं व्यवधान)

वाक आऊट

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, हम जीरो ऑवर में एक महत्त्वपूर्ण बात करना चाहते हैं।

* * * *

Mr Speaker : Nothing is to be recorded.

11.00 बजे डॉक्टर शिव शंकर जी, आप अपना मोशन मूव करें। (शोर एवं व्यवधान) Nothing is to be recorded.

डॉ० सीता राम : स्पीकर साहब, * * * *

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर साहब, * * * *

श्री अध्यक्ष : डॉक्टर साहब, अब आप बैठिए।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर साहब, * * * *

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : डॉक्टर साहब, आप बैठिए। Nothing is to be recorded.

डॉ० सीता राम : स्पीकर साहब, अगर आप हमारी बात को सुनना ही नहीं चाहते हैं तो हम इसके विरोध में सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित इंडियन नैशनल लोकदल के सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

गैर सरकारी संकल्प--

(i) मानसून के दौरान काफी पानी बेकार जाने संबंधी

श्री अध्यक्ष : डॉक्टर साहब, आप अपना मोशन मूव करें।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज : स्पीकर सर, मैं कहना चाहूंगा--

> कि मानसून के दौरान काफी पानी बेकार जाता है तथा पानी के अभाव के दृष्टिगत बाढ़ सिंचाई की धारणा को बदला जाए, अतः यह सदन राज्य सरकार से सिफारिश करता है कि पानी के संरक्षण तथा राष्ट्र एवं प्रदेश के हित के बारे में विचार करने का यह उपयुक्त समय है, पानी का अधिकतम मात्रा में संरक्षण करने के लिए एक संकल्प पारित किया जाए।

Mr. Speaker : Motion moved--

> That lot of water goes waste during Mansoon and concept of flood irrigation be changed in view of scarcity of water, this House recommends to the State Government that it is high time to think about water conservation and for benefit of nation and State a resolution be passed to conserve water to the maximum extent.

Dr. Shiv Shankar Bhardwaj : Sir, of all the substances that are necessary to life, as we know, our water is more important, most familiar and most wonderful. But our most people know very little about it. स्पीकर साहब, यह बिल्कुल सच है कि पानी के बिना जीवन नहीं हो सकता और पानी के बारे में हम सबसे कम जानते हैं, यह भी सबसे बड़ा सच है। आज देश कहां खड़ा है इसका जिक्र मैं पहले ही इंट्रोडक्शन में करना चाहूंगा। देश जल के संकट के मुहाने पर खड़ा है। पानी के लिए पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और हिमाचल के बीच जो आज तलवारें खींची हुई नजर आ रही हैं वह नजारा आने वाले वक्त में पूरे देश में देखने को मिल सकता है। अगले तीन दशकों में हालत यह होने वाली है कि ब्रह्मपुत्र नदी घाटी क्षेत्र को छोड़कर भारत की लगभग सभी नदी-घाटियों के क्षेत्र जल संकट क्षेत्र की श्रेणी में होंगे यानी इस क्षेत्र में आम आदमी के लिए जल उपलब्धता आवश्यकता से कहीं कम हो जाएगी। स्पीकर साहब, यह आंकलन न किसी निजी संस्था का है और न किसी गैर सरकारी संस्था का है बल्कि यह आंकलन है खुद केन्द्र सरकार का। पिछले महीने ही सार्क देशों के प्रतिनिधियों की दिल्ली में एक बैठक हुई थी। उसमें बिना लाग लपेट के एक बात सामने आयी थी और कहा गया था कि ब्रह्मपुत्र नदी के क्षेत्र को छोड़ दें तो जल की सालाना प्रति व्यक्ति उपलब्धता इस समय 1345 क्यूबिक मीटर है जबकि यह 1700 क्यूबिक मीटर होनी चाहिए। इसका मतलब आज भी हम जहां खड़े हैं वहां पानी की कमी है। स्पीकर साहब, हमारा देश पानी की संस्कृति का देश रहा है। यह हमारा गौरव भी है कि हमारे देश की पवित्र संस्कृति में जितने भी पवित्र स्थान हैं वे सभी नदियों की

[डॉ० शिव शंकर भारद्वाज]

पवित्रता और उनके नामों के कारण ही तीर्थ स्थान बने हुए हैं। मानव जीवन का उद्धार करने वाले सभी महत्त्वपूर्ण शब्द जल से ही संबंधित हैं। हमारे प्रदेश पर भी प्रकृति का बेहद उपकार रहा है। इन उपकारों में एक उपकार तो यही रहा कि हरि का यान यहां आया इसलिए हमारे प्रदेश का नाम हरियाणा है। हमारे प्रदेश में हरि का यान यानी रथ आया इसी कारण हरियाणा बना है। हरि से जुड़ी समाग कथाएं जैसे दूध, दहीं, प्याले, सरोवर, नदियां ये सब हमारे हरियाणा में रही हैं। स्वीकर सर, अच्छी फसलें, स्वास्थ्य और पशुधन समृद्ध समाज का स्वर्णकाल होता है लेकिन आधुनिक दौर में प्राकृतिक खेती की बजाए थोड़ी अप्राकृतिक खेती अनियोजित उद्योगों और बिना प्राकृतिक मेल बिठाए आवासीय योजनाओं ने प्रकृति का संतुलन काफी हद तक बिगाड़ दिया है। इसमें हमारा प्रदेश भी पीछे नहीं है। हमारे यहां यानी हरियाणा की जल संस्कृति की हालत लगभग राजस्थान जैसी है। किसी काल में हमारे यहां 7 नदियां बहती थीं। हमारे राज्य के कई इलाके जिनमें महेन्द्रगढ और लोहारू वगैरा सरोवरों के जनपद कहलाते थे लेकिन जैसे-जैसे समाज तथा समाज के नुमाइन्दों का ध्यान देखा-देखी विकास की ओर गया तो उसके कारण प्राकृतिक जल स्तर घटता गया। भू-जल स्तर घटने के पीछे पानी बचाने की आधुनिक तकनीकें कृषि की आधुनिक पद्धतियां तथा थोड़ा सा फसल का उलट चक्र घूम जाना ही इसके लिए जिम्मेदार हैं। अत्यधिक मात्रा में जल संवर्द्धन से समस्या उत्पन्न हो गई है। हालांकि नहरों का जाल बड़ा है लेकिन नहरें जल संरक्षण का स्थाई इलाज नहीं हैं। हमारे प्रदेश में बरसात की मात्रा काफी ठीक-ठाक है लेकिन जो सबमर्सिबल पम्पस हैं उन्होंने जमीन का पानी बहुत कम कर दिया है। हमारे पड़ोसी राज्य पंजाब को भी इस समस्या से जूझना पड़ रहा है। हमारे पड़ोसी राज्य पंजाब में 15 लाख सबमर्सिबल पम्पस हैं और हमारे यहां भी करीब 8 लाख सबमर्सिबल पम्पस हैं। कैथल के एक गांव कैलरम में पानी का स्तर 800 फुट नीचे चला गया है यह एक खतरे की घंटी है। भूजल वैज्ञानिक कहते हैं कि इतने गहरे बोर-वैल हमारे लिए खतरे की घंटियां हैं। (इस समय सभापतियों की सूचियों में से एक सदस्य आई.जी. शेर सिंह पदासीन हुए।) सबमर्सिबल पम्पस का इतना गहरा खोदा जाना पाताल के पानी पर निर्भर होता है और पाताल तक पानी पहुंचने में करीब ढाई लाख वर्ष का समय तक लग जाता है। वह भी तब जब हम बरसात के पानी को, सरोवरों, जोहड़ों, पोखरों को ठीक करके और उनमें पानी सहेज कर रखें। जल संकट के कारण कई जगह संबंधों में मनमुटाव की खबरें भी आ रही हैं। ऐसे मनमुटाव किराएदार से लेकर प्रदेश में और नैशनल लेवल पर भी ऐसे मनमुटाव की खबरें आ रही हैं। ऐसे मनमुटाव तभी दूर हो सकते हैं जब हम पुरखों द्वारा पीढ़ी दर पीढ़ी अर्जित किए गए ज्ञान से प्रेरणा लें कि हमें आगे बढ़ना है लेकिन पीछे भूलना नहीं है। हमें आने वाले समय में प्रदेश को धन धान्य से भरपूर बनाना है। शरीर में जल की भरपूर मात्रा हो तो शरीर स्वस्थ एवं सानंद रहता है। इस प्रकार धरती का और शरीर का स्वभाव एक जैसा ही है। प्रदेश को हरा भरा बनाने के लिए चाहे वो अनाज के रूप में हो, चाहे संस्कृति के रूप में हो, जल संवर्द्धन बेहद जरूरी है। हमारी सरकार की कोशिश रहेगी कि हम पुराने जल स्त्रोतों का निर्माण करें। गुरुजन कहते हैं कि धरती हरि की गुल्लक है जिसमें जितना डालोगे, उतना ही निकाल सकोगे। सभापति महोदय, वाटर कंजरवेशन के बारे में डैम्स, रिर्जवायर और कुएं हमारी पुरानी संस्कृति की पहचान रहे हैं। महोदय, मैं आपके ध्यान में यह भी लाना चाहता हूं कि सारे विश्व में सबसे बढ़िया संस्कृति जो सीवरेज और वाटर सप्लाई की थी, वह हमारी ही थी। करीब 5 हजार वर्ष पूर्व मोहनजोदड़ो व हड़प्पा की संस्कृति में पाया गया कि हमारी जो नालियां थी वह ढकवर्ड थी।

जो कि आज भी कई जगह गांवों में नहीं होती। इस बात के पुख्ता प्रमाण मिले हैं कि उस वक्त भी पानी की सप्लाई क्लोज पाइप्स के जरिए होती थी। सीवरेज की जो मल निकासी है, यह भी क्लोज पाइप्स के जरिए होती थी। रेन वाटर हारवेस्टिंग पहले भी होती रही है। अब यह कम क्यों हो गई है क्योंकि अब धरती का 4 प्रतिशत हिस्सा पक्का कर दिया जाता है। जब पक्का कर दिया जाता है चाहे उस पर फ्लैट्स बनें, चाहे कोठियां बनें, चाहे और किसी कारण से पक्का हो, पक्का होने से जमीन में पानी रिसने का स्त्रोत खत्म हो जाता है। पानी की रिसाई नहीं हो तो रीचार्जिंग भी नहीं होती। बड़ी समस्या उन शहरों में है जो समुद्र के नजदीक हैं। पानी समुद्र से धरती की तरफ ज्यादा नहीं जाना चाहिए न ही धरती से समुद्र की तरफ जाना चाहिए, क्योंकि समुद्र के पानी में नमक की मात्रा थोड़ी ज्यादा है तो धरती का जो हमारा पानी है जिस पर हम जीवित हैं, जो हमारा फिक्सड डिपोजिट है, वह भी खराब हो गया तो फिर तो जीवन लीला ही समाप्त हो जाएगी, ऐसे संकेत हैं। सर, कुछ शहरों में मकान बनाने के लिए नक्शा बनाने के लिए ऐसे कानूनों को बनाया जा रहा है कि नक्शा तब पास हो, जब रेन वाटर हारवेस्टिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। बड़े शहरों में और विकसित देशों में जो रूफ टॉप्स है उनको इस्तेमाल किया जाए और मकान का नक्शा तब पास किया जाए जब रूफ टॉप्स पर गिरने वाले पानी को इकट्ठा कर लिया जाए और किसी पाइप के जरिए उसको धरती के गर्भ में ले जाने के लिए रास्ता बना दिया जाए। ऐसा न हो तो मकान का नक्शा पास नहीं होना। यह बहुत अच्छे कदम हैं। अगर हम इस तरह के कदम उठाएंगे तो मैं समझता हूं कि जो रिचार्ज वाली हमारी बात है हम उस दिशा में अच्छे प्रयास कर पाएंगे। सभापति महोदय, मैं आपका ध्यान दो ऐसी जगहों की ओर भी दिलाना चाहता हूं कि जहां देश में सबसे ज्यादा और सबसे कम वर्षा होती है। सभापति महोदय, चेरापूंजी ऐसी जगह है जहां वर्षा बहुत होती है। मुझे मालूम है कि आपने वहां सर्विस भी की है। वहां पर हिन्दुस्तान में सबसे ज्यादा वर्षा होती है लेकिन कुछ कारण ऐसे बने, सबसे ज्यादा वर्षा होते हुए भी आज वहां पर पानी की कमी है। यह क्यों हुआ यह इसलिए हुआ क्योंकि डिफोरैस्टेशन की गई, जंगल खत्म कर दिये गये। सर, मैं आपका ध्यान ऐसे प्रदेश की तरफ भी दिलाना चाहता हूं जहां सबसे कम वर्षा होती है। राजस्थान में एक जगह ऐसी है नदी रूपारेल क्योंकि वहां पर सबसे कम वर्षा होती है लेकिन वहां के लोगों ने पानी को सहेज कर रखा जो हमारे बड़े-बूढ़ों के बताये पुराने तरीके थे उन तरीकों को अपनाया। कुण्डों, जोहड़ों को बनाया, चैक डेम बनाये। वहां पर जो पानी की उपलब्धता है वह चेरापूंजी से बेहतर है और यह दर्शाया गया है कि अगर हम प्रयास करें तो चाहे कम वर्षा भी क्यों न हो अगर हम ठीक नीति को अपनायेंगे तो हम पानी का संवर्धन कर सकते हैं। इसी प्रकार से आजकल एक समस्या और है खेती के अन्दर जो पैस्टीसाईड और खाद जितने ज्यादा प्रयोग हो रहे हैं, उससे एक समस्या बढ़ती जा रही है वह यह है कि पानी में सेलेनिटी बढ़ जाती है। इन सब से पानी दूषित हो जाता है। दूषित पानी बीमारी का घर है। इस तरह से ज्यादा नुकसान होंगे। सर, आदिकाल से पानी के महत्व को भारत ने हमेशा माना है। हमारे पूर्व मशहूर कवि कालीदास ने मेघदूत लिखा और अपनी प्रेमिका के पास संदेश भी बादलों के माध्यम से उन्होंने भेजा। पवित्रता का स्थान जब आता है तो हमारे मन में एक दम गंगा जल की बात आ जाती है। जब आदमी मरता है तो यह कहा जाता है कि इसके मुंह में गंगा जल डाल दो ताकि सब कुछ पवित्र हो जाये। एक बात और मैं सदन के ध्यान में लाना चाहता हूं कि हमारे देश पर प्रकृति की बड़ी कृपा है। कृपा इसलिए है कि हमारे पास जितना पानी है वह हमारा अपना है। थोड़ा सा हिस्सा ऐसा है जहाँ पानी हमें नेपाल और तिब्बत से

[डॉ० शिव शंकर भारद्वाज]

मिलता है। पानी के दो सोर्स हैं एक रेन का और दूसरा सोर्स पानी का वह है जो बर्फ से पिघल कर आता है। सारी दुनिया में तो सारे साल में चार सीजन हैं, स्प्रिंग, समर, आटूमन और विन्टर यानि बसन्त, गर्मी, पतझड़ और सर्दी, पर हमारे देश की विशेषता यह है कि हमारे देश में एक और पांचवा सीजन है जिसको हम वर्षा ऋतु कहते हैं। सबको मालूम है कि सबसे अच्छी ऋतु वर्षा ऋतु होती है। वर्षा ऋतु में मोर नाचते हैं कोयलें गाती हैं। बहुत से भाव वर्षा ऋतु में लोगों के मन में आते हैं। लेकिन वर्षा अनप्रिडिक्टेबल है, अनकन्ट्रोलेबल है और बहुत से फैक्टर्ज हैं जिन पर वर्षा डिपैंड करती है। मैंने सदन में पहले भी यह बताया था कि वह दिन दूर नहीं जब हम आर्टीफिशियल रेन करवा सकेंगे। मैंने खुद आर्टीफिशियल रेन कर्नाटक में होते हुए देखी है। यह एक महंगी प्रक्रिया तो है लेकिन इसके कास्ट इफैक्टिव होने के कुछ साल बाद चान्स हो सकते हैं। जिस प्रोसैस से हम आर्टीफिशियल रेन करवाते हैं इसको हम सीडिंग कहते हैं। क्लाऊड्स में सोडियम क्लोराईड सिलेना आयोडायड को छोड़ दिया जाता है और वाटर वेपर कन्डसैड हो जाते हैं। आगे-आगे इतनी एडवान्समैंट होने जा रही है कि आप क्लाऊडस को थोड़ा पुश करें और जो जगह आपने सोच रखी है जहां आपने वर्षा करवानी हैं वहां आप वर्षा करवा सकते हैं। साईंस इसमें काफी प्रगति कर रही है लेकिन अब तक की जो बात है उसमें क्लैम मॉडस्ट है। But even that it is tremendous भाई क्लैम मॉडस्ट है तो भी tremendous है। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में यह कोरट इफैक्टिव मैथड हो सकेगा। बरसात के मूड के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। यह truant हो जाती है कभी-कभी erect हो जाती है, vagrant हो जाती है , kind हो जाती है, gracious हो जाती है, devastating हो जाती है और कभी-कभी cruel भी हो जाती है। यह सब कुछ हो जाता है। लेकिन ओवरआल कनडैक्ट अगर हम बरसात का देखें तो वह commendable है और उसी की वजह से मैं समझता हूं कि हमारा देश और ये प्रकृति जीवित है। सर, मैं आपका ध्यान जो हमारे देश में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति है उनके घर की तरफ लेकर जाना चाहता हूं। उस महत्वपूर्ण व्यक्ति का नाम है सरदार मनमोहन सिंह जो हमारे देश के प्रधानमंत्री हैं। गर्मी अभी शुरू भी नहीं हुई है कि देश की राजधानी दिल्ली में पानी का संकट गहरा गया है। यह पहली बार है कि पानी की किल्लत देश के प्रधानमंत्री के घर में महसूस की जा रही है। पिछले दिनों अखबारों में खबर छपी है कि प्रधानमंत्री की पत्नी श्रीमती गुरचंद कौर इसलिए सुबह जल्दी उठती है क्योंकि उनको पानी भरने की चिन्ता सताती है। यह प्रधानमंत्री के घर की हालत है तो हम आम आदमी के बारे में सोच सकते हैं कि उसका क्या हाल होगा? दिल्ली की विधान सभा में पानी के संकट को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर मार पिटाई तक हो गई। दरअसल मई, 2000 के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद हरियाणा दिल्ली को 600 क्यूसिक पानी देता था। अब हमने 100 क्यूसिक पानी देना कम कर दिया है इतने में ही दिल्ली में हा- हाकार मच गया है। दिल्ली सरकार सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को लेकर इनके आला कमान के दरबार में अपनी फरियाद लेकर जा चुकी है। मैं सदन का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूं कि जो ठोकर खाकर संभल जाए उसको अक्लमंद मानना चाहिए लेकिन जो ठोकर खाकर भी न संभले और बार बार मुंह के बल गिरे तो उसको महामूर्ख और नशेड़ी समझना चाहिए। हिन्दुस्तान के दिल्ली जैसे महानगरों में रहने वाले लोग दूसरी श्रेणी में आते हैं क्योंकि वे पानी का दूरुपयोग करते हैं। जो पानी मिल भी रहा है उसमें तमाम तरह के जानलेवा रसायनिक मिले हैं। ये रसायनिक कीटनाशक दवाइयों और खाद में

रिसकर जमीन में जाने के कारण पानी के स्त्रोतों में घुल गए हैं। यूं कहा जाए कि चारों तरफ से अकाल के खतरे को पास आते देखकर भी हम बेखबर हैं तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। पानी का संकट इतना बड़ा हो गया है कि टी०वी० समाचार चैनलों के माध्यम से पानी की किल्लत देश के कोने कोने में, करीब करीब हर शहर में दिखाई जा रही है। पानी का संकट बढ़ाने में जिस चीज का सबसे बड़ा हाथ है वह है सबमर्सीबल पम्पस यानि नीचे से पानी हम बहुत अधिक मात्रा में निकाल रहे हैं। वही पुरानी बात फिर काम आएगी कि हर शहर और हर कस्बे में ज्यादा से ज्यादा तालाब खोदे जाएं, पुराने तालाबों की गाद को साफ करके उनमें नए स्त्रोत खोदे जाए और उनका जीर्णोद्धार किया जाए। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हम खतरे को अपने आप बुला रहे हैं। सभापति महोदय, अपने देश में कितना पानी है, अपने देश में पानी के 2 स्त्रोत हैं पहला हिम पर्वत की श्रृंखला है और दूसरा ग्लेशियर और बारिश। हिमालय पर कितनी मात्रा में बर्फ है इसके सही आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं लेकिन अनुमान के मुताबिक हिमालय के 43 हजार वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैले हुए 5000 ग्लेशियरों में 3870 घन किलोलीटर पानी का भंडार है। देश में भूमिगत जल का भंडार लगभग 418.5 घन किलोलीटर है। औसत बारिश 1170 मिलीमीटर है। सभापति महोदय, हमारे यहां पानी की कमी है यह बात सही है और आगे आने वाले 20 सालों में यह कमी और ज्यादा हो जाएगी और अगले 50 सालों में बहुत ज्यादा हो जाएगी। दुनिया में हर पांचवें आदमी के पास प्यास बुझाने के लिए सुविधा नहीं है। धरती की सतह का दो तिहाई हिस्सा जल से ढका है लेकिन ज्यादातर पानी नमकीन है जिसे शोधन के बिना प्रयोग में नहीं लाया जा सकता। कुल जल स्त्रोतों का मात्र 2.5 प्रतिशत ही पीने के लायक है। जो जल हमारे उपयोग के लिए बेहतर है उसमें से 20 फीसदी पानी दूर दराज के इलाकों में है। जहां हम रहते हैं वहां नहीं है बल्कि उससे बहुत दूर है। जल संकट का क्या समाधान हो सकता है। जल संकट की कई वजह हैं जिनमें जनसंख्या बढ़ोतरी प्रमुख है। लेकिन इससे ज्यादा समस्या पानी के गलत इस्तेमाल की है। इसके लिए हमारी जीवन शैली जिम्मेवार है। कुल उपलब्ध जल का 70 फीसदी जल सिंचाई में इस्तेमाल होता है। सिंचाई का मौजूदा तरीका जो है उससे खेत में ज्यादा पानी बर्बाद हो जाता है इसलिए नालियों के जरिये सिंचाई की बजाय स्प्रिंकलर सैटस का इस्तेमाल करना चाहिए या ड्रिप इरीगेशन का इस्तेमाल करना चाहिए। प्रदूषण भी पानी का सबसे बड़ा शत्रु है। औद्योगिक और घरेलू प्रदूषण के कारण जल के उपलब्ध स्त्रोत दूषित हो रहे हैं। इस संकट को हल करने के लिए दुनिया भर की सरकारें भूमिगत जल पर निर्भरता बढ़ा रही हैं जबकि उन्हें वर्षा जल के संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए। धरती का सीना चीर कर लगातार पानी निकालने से मैक्सिको सिटी, बैंकाक आदि जगहों पर जमीनें धसने की समस्या पैदा हो रही है इसलिए उन्होंने पानी निकालना कम कर दिया है। आज यह बिल्कुल सच है कि बिन पानी सब सून है।

अब जमाना आ गया है कि जल संरक्षण के लिए अल्ट्रा मोडर्न तरीके अपनाने होंगे। यदि पानी के दुरुपयोग का सिलसिला यूं ही जारी रहा तो सोना उगलने वाले खेतों में कंटीली झाड़ियां तक उगनी मुश्किल हो जायेंगी। जल स्त्रोतों और साधनों को बचाने के लिए सिर्फ अल्ट्रा मोडर्न तकनीक के उपयोग से ही बचा जा सकता है। सभापति महोदय, घरेलू औद्योगिक कृषि के प्रयोग के लिए हर रोज 40 मिलियन लीटर पानी की उपलब्धता 2005 में रही है। 2010-2015 में इसमें 161 प्रतिशत की वृद्धि हो जायेगी। Thapar Institute of Engineering & Technology के कैमीकल इन्जीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफैसर संजय शर्मा के शोध में यह आया है कि उपलब्ध

[illegible]

[illegible]

[illegible] 2000 [illegible]

[डॉ० शिव शंकर भारद्वाज]

मैं अपने घर न पहुंच सका और मुझे अपनी गाड़ी वहीं पर छोड़कर जानी पड़ी। मेरा घर वहां से करीब-करीब दो किलोमीटर दूर था। मेरी वाईफ सिविल हॉस्पिटल में थी और मैं प्राईवेट प्रैक्टिस में था। भिवानी शहर में 3-4 घंटे में इतनी बाढ़ आ गई थी कि घुटने-घुटने तक पानी हो गया था और आम जीवन बहुत बाधित हो गया था। फिर नैक्सट डे ही वहां पर सेना को बुला लिया गया था और नावें भी वहां पर आ गई थी और नावों में लोगों को भोजन दिया जाने लगा। इस प्रकार का दृश्य जो 90-90 साल के बुजुर्ग व्यक्ति थे उन्होंने भी भिवानी में अपने जीवन काल में कभी नहीं देखा था। यह सब इसलिए हो रहा है कि हम प्रकृति के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। सभापति महोदय, वर्तमान जल संकट हमारे कुकृत्यों की देन है। जल संरक्षण के काम के प्रति हम सब ने आपराधिक एवं असहनीय लापरवाही की है। हमारी कारगुजारियों की बदौलत ही पानी के तमाम पारम्परिक स्त्रोत नष्ट हो गये हैं। मृतप्राय: नदियों और तालाबों को फिर से जीवित करने का जो काम राजस्थान के लोगों ने पिछले ढाई दशकों में करके दिखाया है उसे देश के सभी राज्यों में किया जाना चाहिए। इसके अलावा पानी की समस्या से निजात पाने के लिए हमारे पास कोई दूसरा चारा नहीं रह गया है। देश की तमाम नदियों को हमने प्रदूषित कर दिया है। हमारी तमाम नदियों में रसायनयुक्त विषैला जल हाड़-मांस के साथ मिश्रित होकर बह रहा है। इस प्रदूषण को हमें अविलम्ब दूर करने के प्रयास करने होंगे। तालाबों की, रजबाहों की और नालियों की सफाई का काम भी हमें युद्धस्तर पर करना होगा और जैसा राजेन्द्र जी की अगुवाई में जो राजस्थान में जल क्रांति हुई है ऐसी जल क्रांति हरियाणा में भी होने की आवश्यकता है और हरियाणा के साथ-साथ पूरे देश में भी होने की आवश्यकता है। केन्द्र सरकार को भी पानी के उचित बंटवारे का काम करना होगा और एक ठोस जल नीति तैयार करनी होगी। सर, पानी के लिए भी नीति निर्धारित करने वालों का उद्योग लगाने वाली बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ भी सख्ती से पेश आना होगा। आज देश में तकरीबन 200 ब्रांड के बोतल बन्द पानी बिक रहे हैं। इस प्रकार से मैं सदन के माध्यम से यह भी सन्देश देना चाहता हूँ कि ये सब के सब ब्रांड स्वास्थ्य के लिए बहुत घातक हैं। अनेक परीक्षणों के बाद यह बात सिद्ध हो चुकी है। उन सबके लाईसैंस रद्द किये जाने चाहिएं। हमारे देश का 75 प्रतिशत पानी दूषित हो चुका है। जल संरक्षण के लिए हमें जल प्रदूषण को कठोरता से रोकना होगा। एक टन कागज, एक टन इस्पात और एक कार बनाने में ही लाखों लीटर पानी का इस्तेमाल होता है। हमें उद्योगों की निपुणता भी कायम रखनी होगी लेकिन कोई ऐसी तकनीक भी अपनानी होगी कि पानी का इस्तेमाल कम से कम हो। आज जो अमेरिका जर्मनी जैसे दूसरे विकसित देश हैं उन्होंने ऐसी तकनीक विकसित कर ली है जिससे पानी की लागत कम हो और प्रोडक्शन बढ़े। पेयजल संकट को सिर्फ रंगीन पोस्टरों और विज्ञापन की बाढ़ से ज्यादा दिन तक नहीं छिपाया जा सकता, यह तो सामने आयेगा ही और जल भगीदारी से ही जल संरक्षण का काम सम्भव हो सकता है और वह तभी सम्भव हो सकता है जब हरेक आदमी खुद से यह वायदा करे कि उसे पानी बचाना है और हम इसके लिए गम्भीर होंगे। सभापति महोदय, लापरवाही बहुत घातक हो सकती है। सभापति महोदय, मैं आज से 30-32 साल पहले की बात अगर सोचता हूँ जब मैं मैडिकल कॉलेज में पढ़ता था और उस समय मैं 22 साल का था। उस समय हम यह सोच भी नहीं सकते थे कि बोतल बन्द पानी पीने के लिए मिलेगा। उस समय बस को कहीं भी रोक लेते थे प्याऊ या कुआं मिल जाता था और मुफ्त में पीने के लिए पानी मिल जाता था लेकिन आज स्थिति उससे बिल्कुल उल्ट है। आज कहीं भी पानी नहीं मिलता। पहले लोग पानी पिलाना अपना कर्त्तव्य समझते थे। सभापति महोदय, हमारी अनदेखी और अक्षमता से समस्या आये दिन विकराल हो रही है।

[illegible]

[illegible]

[डॉ० शिव शंकर भारद्वाज]

जरूरत को भी माना गया है। लेकिन आज नदियों, जंगलों, पहाड़ों के स्वरूप को नष्ट किया जा रहा है। उन पर कब्जा करने के साथ उन्हें दूषित किया जा रहा है और उनके शोषण का दौर जारी है। हमारे यहां पर समाज में जल पर सब का सांझा हक था वहीं आज बहुराष्ट्रीय कम्पनियां हमारे देश में हमारे ही जल पर अधिकार करने का काम कर रही है और इसका बाजारीकरण भी हो रहा है। आज हालत यह है कि दूध के भाव पर पानी बिक रहा है और कहीं-कहीं तो दूध से भी महंगा पानी मिल रहा है। नदियों, जौहड़ों, झरनों, कूओं, तालाबों के जल की पवित्रता एवं शुद्धता समाप्त होती जा रही है। जंगल के सहारे जीवनयापन करने वालों का पोषण होने की बजाए आज पलायन हो रहा है। वनीकरण घटते-घटते सिमट रहा है। नगरों, कस्बों के अनियन्त्रितताओं से भरे विकास से गांव बहुत प्रभावित हुए हैं। योजनागत तरीके सांस्कृतिक विशिष्टताओं से युक्त दृष्टिकोण को ध्वस्त कर उपभोक्ताओं और भौतिकतावादी प्रवृत्तियों को उभारने के प्रयास जारी हैं। देश के अधिकतर पहाड़ जो हरियाली से ढके हुए थे जिनके पर्यावरण संरक्षण की सुदृढ़ भूमिका थी उनका रंग सुर्ख लाल होता जा रहा है। ऐसे में भारतीय प्राकृतिक सौन्दर्य की सम्भावनाएं विलुप्त हो रही हैं और धन की लोलुपता बढ़ रही है। श्री राजेन्द्र सिंह जी ने यह भी कहा था कि जल संरक्षण की हमारी जो पारम्परिक विधि है अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसको मान्यता मिल रही है। प्रकृति के प्रति हम नये रिजुरिश्ते को अपना कर ग्रामीण स्वावलम्बन के रिश्ते को साकार कर सकते हैं। भारतीय जीवन पद्धति, भारतीय जीवनशैली मे जो अच्छाइयां हैं उन्हें पुनःव्यवहार में लाने की आवश्यकता है। जल, जंगल, जमीन, पहाड़ और जीवन संवर्द्धन के लिए अपनी पारम्परिक विधियों को खोजकर उन्हीं के अनुसार चलने से भी वर्तमान में और भविष्य में हम स्वस्थ रह सकते हैं। सर, दिल्ली में भी इस पर काफी काम हो रहा है और वहां पर अरूण माथुर, चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर, जलबोर्ड में हैं उन्होंने उस बात पर चर्चा की है कि जल वितरण का नेटवर्क है उसको सुधारना होगा और इन सुधारों में क्या कुछ हो सकता है जैसे कोई पाईप लीक करती हैं तो हमें तुरन्त सुधारना चाहिए, लीकेज को रोकना चाहिए ताकि पानी की वेस्टेज बचाई जा सके। कई लोगों ने अवैध कनैक्शन्ज लगा रखे हैं और वे जल का दुरूपयोग करते हैं उनको रोकना चाहिए। स्कूल और कॉलेजों में इस बात के सैमिनार होने चाहिए, गोष्ठियां होनी चाहिएं, वर्कशॉप्स होनी चाहिएं कि पानी का हम कैसे सदुपयोग करें और पानी के दुरूपयोग को कैसे रोकें। हमारे जो पाईप जर्जर हो गये हैं, खराब हो गये हैं उनको हमें तुरन्त बदल देना चाहिए। इन पाईपों को बदलने पर एक बार तो ज्यादा खर्चा करना होगा लेकिन in the long run हमें इसका बहुत फायदा होगा। सभापति महोदय, पानी पर मैली राजनीति भी बहुत चलती है उस राजनीति को भी बन्द होना चाहिए। जल संरक्षण के लिए देश को राह दिखाने वाले मैगसैसे अवार्डी जल बिरादरी के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह नदियों की शुद्धता को लेकर सरकार के उदासीन रवैये से काफी चिन्तित और खिन्न हैं और वे इस बात का उदाहरण देते हैं कि गर्मियों में चावल केवल हरियाणा में ही उगाया जाता है। सारे देश में गर्मियों में किसी भी जगह पर चावल नहीं उगाया जाता केवल हरियाणा में ही उगाया जाता है।

मैं एग्रीकल्चर मिनिस्टर जी का ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगा कि गर्मी के मौसम में चावल न बोए जाएं ताकि पानी का गलत प्रयोग न हो। इसके लिए हमें आज फसलों की डायवर्सिफिकेशन की भी जरूरत है। जिससे जीरी में जो ज्यादा पानी लगता है उसको हम बचा सकें। सभापति महोदय, हम वर्ष 2008 को नदियों का संरक्षण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। यह बड़े ही अफसोस की बात है कि आज देश में 1/3 नदियां मर चुकी हैं या पानी नहरों में नहीं आता है। जब राजस्थान

की अरवरी नदी को वहां के लोग पुनर्जीवित कर सकते हैं तो दूसरी नदियां क्यों जीवित नहीं हो सकती हैं। सभापति महोदय, राजेन्द्र सिंह जी ने इस बात पर गहरा अफसोस जताया कि उद्योग नदियों को नाली की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। कानपुर में कितना कचरा नदियों में डाला जाता है। नदियों में गंदगी डालने वालों से पानी के इस्तेमाल का हक छिनना चाहिए। यह बिल्कुल सच है कि जो पानी को गन्दा करेगा उनसे पानी के इस्तेमाल का हक ही छिन लेना चाहिए। यह बात भी बिल्कुल सही है कि मैले पर मैली राजनीति बंद होनी चाहिए। आज नदियों की सफाई पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं लेकिन फिर भी मैला उनमें बहाया जा रहा है। सभापति महोदय, जब राजेन्द्र सिंह जी से हरियाणा के बारे में सवाल किया गया तो उनका लहजा कड़ा हो गया और उन्होंने कहा कि हरियाणा को इस बारे में सबसे ज्यादा ध्यान देना चाहिए क्योंकि यह सबसे पुराना प्रदेश है, कुरुक्षेत्र की भूमि है, गीता की भूमि है। अगर हम यहां के जल को गंगाजल की तरह नहीं रखेंगे तो हम देश को और क्या राह दिखाएंगे? भारत में हरियाणा को लोग सबसे ऊंचा मानते हैं इसलिए हमें एक लीडर की तरह बनना चाहिए। हमें हरियाणा में पानी की क्वालिटी में सुधार करके दिखाना होगा। अगर हम सभी नदियों के जल को कुरुक्षेत्र की तरह पवित्र बनाएंगे और नदियों के जल को दूषित होने से रोकेंगे तो हम आने वाले समय में खतरे की घंटी को कुछ कम कर सकेंगे। इस विषय में हमारे हरियाणा की ज्यादा जिम्मेवारी है। सभापति महोदय, हरियाणा के बारे में एक बहुत ही अच्छी बात है कि जगाधरी से लेकर पलवल के बोर्डर तक यमुना लगती है। लेकिन इसमें महत्वपूर्ण बात यह है कि जगाधरी से ही पोल्यूशन शुरू हो जाता है और यह पोल्यूशन पानीपत से होते हुए पलवल तक जारी रहता है। पोल्यूशन की कहीं पर भी कमी नहीं होती है। सभापति महोदय, आज दक्षिणी हरियाणा के गिरते भू-जल स्तर के बारे में उन्होंने कहा कि यह बहुत ही खतरनाक बात है। हमें इसकी हकीकत को समझना चाहिए। आज हमें भू-जल नियन्त्रण के लिए कोई अधिनियम बनाना चाहिए और इसको ठीक से लागू करना चाहिए। सभापति महोदय, पानी को मैट्रिक्स ऑफ लाईफ कहा गया है। सभापति महोदय, यह भी सच है कि Water is matrix of life and no other substance is needed in such large quantity in industry as water. Water is raw-material for chemical, pharmaceuticals, drugs and dye industry. Water is the most important coolant. In our country 30% cultivated farms have irrigation facilities and the rest of the farm lands are depended upon rain. जो कूलेंट हम यूज करते हैं वहां पर भी पानी सबसे ज्यादा यूज करते हैं। Sir, water is matrix of life. हमारी इकोनौमी किस चीज से निर्देशित होती है, सर, मानसून से होती है। जो देश का मानसून है वह डिसाईड करता है कि हरेक कंट्री की इकोनौमी कैसी रहेगी। बरसात होगी तो इकनौमी बढ़ेगी। सभापति महोदय, मेरे जिले में बहल, लोहारू जैसे बहुत से ऐसे भाग हैं जहां पर सिंचाई नहीं होती है। सभापति महोदय, भिवानी ऐसा एरिया है अगर वहां पर बरसात हो जाएगी तो चने हो जाते हैं, जिससे हमारे भिवानी की इकोनौमी बैटर हो जाती है। जिस साल बरसात होती है उस साल बाजारों में रौनक लौट आती है और जिस साल बरसात नहीं होती है बाजार वीरान पड़े रहते हैं। सभापति महोदय, जब बरसात नहीं होती है तो उससे हमारी इकोनौमी पर बहुत असर पड़ता है। Chairperson Sir, Water is the most marvelous gift of nature that nourishes human in every walks of life. It goes without saying that we must conserve it and keep it unpolluted and ensure that every Indian in the remotest part of the country may access to get clean drinking water. सभापति महोदय, इसके लिए हमारा सबका फर्ज बनता है और एक किस्म से यह हमारे सबके लिए चैलेंज है। मेरे पास कुछ दस्तावेज

[डॉ० शिव शंकर भारद्वाज]

हैं उनकी तरफ मैं सदन का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि कोल्ड ड्रिंक्स अगर आप पीएंगे तो आप बीमार होने के लिए तैयार रहिए क्योंकि कोल्ड ड्रिंक्स अच्छे नहीं हैं इनमें बहुत से पैस्टीसाईडस होते हैं। बहुत सी लैबोट्रीज में यह बात प्रमाणित भी हो चुकी है। इसी तरह से बोटल बंद पानी जो हम पीते हैं उनमें भी बहुत पेस्टीसाईडस होते हैं, काफी मात्रा में होते हैं और यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। सबसे दुखद बात यह देखने में आयी है कि हिन्दुस्तान में जो पेप्सी या कोका कोला जैसे डिंक्स मिलते हैं उनमें यहां पर कीट नाशक का जो स्तर है वह अमरीका में मिलने वाले कोल्ड ड्रिंक्स के मुकाबले कहीं ज्यादा है। अमरीका में या विकसित देशों में इनमें जो पेस्टीसाईडस पाए गए वे बहुत कम पाए गए। वह न के बराबर ही थे। लेकिन हिन्दुस्तान में वहीं कम्पनियां जो पेयजल या शीतल जल जैसे कोकाकोला, पैप्सी या इस तरह के जो ब्रांड बेचती हैं उनमें पैस्टीसाईडस बहुत ज्यादा हैं इसलिए हमें और ज्यादा चौकन्ना होने की जरूरत है। पानी को बचाने के लिए जो सबसे अच्छा और पुराना तरीका है जो सारस्वत है जो सच है जो हमारे बड़े-बुढ़ों ने, पूर्वजों ने बताया है वह रैन वाटर की हारवैस्टिंग का है। पहले कहीं पर अगर बरसात होती थी तो पानी को रोकने के लिए जोहड़, बावड़िया, तालाब बनाए जाते थे लेकिन आज उनकी और भी ज्यादा जरूरत है। हम पानी की क्वालिटी इसी तरीके से इम्प्रुव कर सकते हैं। सर, सुखना लेक के बारे में भी मैंने पढ़ा था कि यहां पर कार सेवा शुरू हुई थी। सुखना लेक की खुदाई और उसकी सफाई का काम प्रशासन ने करवाया है। जब मैं कभी घूमने जाता हूं तो मैं देखता हूं कि काफी अच्छी तरह से सुखना लैक को मेनटेन किया हुआ है। वह मेनटेन इसलिए है क्योंकि लोग इस बारे में चिंतित हैं और उसकी समय-समय पर खुदाई और सफाई करवाई जाती है। इसी तरह से यूको पार्क्स बनाए जा सकते हैं, चैक डैम बनाए जा सकते हैं, क्वैरी रिजरवायर बनाए जा सकते हैं, वाटर बॉडीज बनायी जा सकती हैं और इनमें सबसे ज्यादा जो महत्त्वपूर्ण बात है वह यह है कि गांवों के जो जोहड़ हैं उन पर ध्यान दिया जा सकता है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान में बहुत गांव हैं। हरियाणा में भी 6674 गांव हैं लेकिन यहां पर ऐसा कोई गांव नहीं है जहां पर तालाब नहीं है। अगर हम इन तालाबों की तरफ ध्यान देंगे तो मैं समझता हूं कि हम पुरानी परम्पराओं को जीवित करेंगे। जो पानी को बचाने वाली बात है ऐसा करके उसमें हम भागीदारी कर सकते हैं। स्पीकर सर, इस बारे में एक इनिशिएटिव दिल्ली में लिया गया है मैं उसकी तरफ भी आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं। इसका नाम WAVES है। This is a new initative. WAVES से बनता है 'Water Alliance for Voluntary Efficency in Saving' Programme. इस WAVES के जरिए वहां पर वाटर वार्डन और असिसटैंट वाटर वार्डन बनाए गए हैं। बच्चों को वहां पर वाटर वार्डन और असिसटैंट वाटर वार्डन बनाया गया है। उन वाटर वार्डन का काम क्या है उनका काम यह है कि अगर कहीं पर पानी की लिकेज हो रही है तो वह उसके बारे में तुरन्त इंफोर्मेशन देते हैं। They bring awareness about water conservation or they disseminate information about the water conservation. इसके लिए स्पेशल मैम्बरशिप कम्पेन भी वहां पर चली है। इसके अच्छे परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। Speaker Sir, I will also bring few tips to the notice of the House which we can use for conservation of water. We should use only as much as water which is required. We must close tap after use. While we brush our teeth the tap should not be running. We must to see that leaking of tap should be repaired as early as possible. सर, वाशिंग मशीन भी ऐसी यूज करनी चाहिए जिसमें कम पानी का इस्तेमाल हो। जब हम बर्तन या डिशेज धोते हैं तो हम पानी के टैप

खुला छोड़ देते हैं लेकिन हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। इसी तरह से जिस पानी से हम रसोई में सब्जी या फ्रूट धोते हैं तो उनको धोने के बाद वह पानी हमें गमलों में डाल देना चाहिए। जब हम पानी की बोटल अपने साथ लेकर चलते हैं और at the end of the day जब उसमें पानी बच जाता है तो उसको हमें नाली में न फैंककर पौधों में फैंकना चाहिए। स्पीकर साहब, मैं यह भी बताना चाहूंगा कि रेन वाटर हारवैस्टिंग सिम्पल है, इकोनोमिकल है, इको फ्रैंडली है। बोरवैल के द्वारा, पिटस के द्वारा, वैल्ज के द्वारा रैन वाटर हारवैस्टिंग की जा सकती है। अगर हम ऐसा करेंगे तो हम डिमांड और सप्लाई के बीच में जो गैप है उसको पाट सकते हैं। रेन वाटर हारवैस्टिंग ही इसके लिए एक आदर्श स्थिति है। इससे ग्राउंड वाटर की क्वालिटी इम्प्रूव होती है और जो कुओं में पानी है उसका स्टोरेज ऊपर आता है। जहां पानी की कमी है वहां के लिए यह एक आदर्श स्त्रोत है। इससे सीइल इरोजन भी कम होती है और जो बाढ़ आ जाती है उसमें भी इससे कमी आ सकती है। पानी को स्टोर करके हम उसे बचा सकते है। रेन वाटर हारवैस्टिंग से हम ऐनर्जी भी सेव कर सकते हैं। हमें 40 किलो वाट प्रति घंटे बिजली की जरूरत होती है। मेरे पास कुछ ऐसे चित्र भी हैं जिनके माध्यम से रेन वाटर हारवैस्टिंग को अच्छी तरह से किया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, आप मेरी ओर देख रहे हैं। मैं पांच मिनट में अपनी बात फिनिश कर दूंगा। वैसे मुझे इस विषय पर समय कम मिला है।

Mr. Speaker : It is not the way. You are the Hon'ble member of the House and you have a plenty of time.

डॉ. शिव शंकर भारद्वाज : अध्यक्ष महोदय, मैं जल्दी जल्दी अपनी बात समाप्त कर देता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास कुछ ऐसे दस्तावेज हैं जिनमें जल संकट के लिए गुनहगार लोगों के बारे में दिया हुआ है। यह भी दिया हुआ है कि पानी के राजनीतिकरण के कारण यह संकट उत्पन्न हुआ है। विकासशील देशों में दूषित जल के सेवन से 22 लाख लोग प्रतिवर्ष मृत्यु का ग्रास बन जाते हैं और प्रदूषित जल के सेवन से रोगों में जकड़े रहते हैं। आज दुनिया में अरबों लोग ऐसा पानी पीने के लिए मजबूर हैं जिससे कि अमीर लोग अपनी कार धोना भी पसंद नहीं करते हैं। प्रभावशाली लोग जल का अपव्यय करते हैं और जो लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर कर रहे हैं उनको पानी पीने और जरूरी चीजों के लिए भी नहीं मिल पाता है। यदि जल का प्रदूषण और अपव्यय इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो कबीर की उलट बासी सार्थक सिद्ध हो जाएगी। जल बिन मीन प्यासी, मोहे सुन सुन आवत हांसी। रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून। इसी के साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि पानी के व्यापार की जो दौड़ हो रही है उसको रोकना चाहिए। नरेश यादव जी के क्षेत्र से श्री रोहित यादव जो कि सैदपुर मंडी अटेली से पत्रकार हैं। उन्होंने इस बारे में दोहे लिखे हैं जो कि बहुत सुंदर हैं, उनको मैं यहां पढ़ कर सुनाना चाहता हूं -

पानी है तो पेड़ हैं, पेड़ों से है सांस,
सांसों से जीवन चले, जीवन है तो आस।
जंगल में मंगल रहे, समझ जरा इंसान,
बिन जंगल धरती लगे, जैसे हो शमशान।
पेड़ों को मत काटना, पेड़ बहुत अनमोल,

[डॉ० शिव शंकर भारद्वाज]

इनके बिन जीवन नहीं, मानव आंखें खोल।
जंगल से गायब हुए, देख अनेकों पेड़,
फिर भी मानव कर रहा, क्यों कुदरत से छेड़।
जीना सबका हो गया अब तो बहुत हराम,
देख प्रदूषण कर रहा, सबका काम तमाम।
बिन जंगल के हो गई, धरती रेगिस्तान,
सांसों में विष भर गया, निकल रही अब जान।
काट काट कर पेड़ को, मानव रहा उजाड़।
हरी भरी धरती रहे, सभी रहें खुशहाल।
रोहित संभव है अभी, भरे रहें जब ताल।

अध्यक्ष महोदय, वाटर कंजरवेशन जो कि हमारे लिए एक चैलेंज है इसको हमें स्वीकार करना पड़ेगा। आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए अगर हम जल को दूषित करेंगे, खत्म करेंगे तो वह पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। पानी का संरक्षण नहीं होगा तो जीवन लीला समाप्त हो जाएगी। सभी सदस्य इस चर्चा में भाग लें और अपने - अपने विचार रखें। इन शब्दों के साथ धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेना चाहता हूं।

श्री एस.एस.सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं डॉक्टर भारद्वाज जी को बहुत बहुत बधाई देता हूं। बधाई इस बात के लिए देता हूं कि बहुत ही सारगर्भित बात माननीय सदस्य ने की है,जिसमें कि बहुत से बेसिक टुथ्स भी हैं। मैं तो यह कहूंगा कि हमारे ये जो स्कूल, कॉलेज हैं और दूसरी लायब्रेरिज हैं उनकी एक-दो टैक्सट बुक्स में अगर डाक्टर भारद्वाज कोशिश करके इन बातों को शामिल करवा सकें तो हमारे विद्यार्थियों को और लोगों को इस बारे में व्यापक जानकारी हो जायेगी। इसलिए मैं डाक्टर भारद्वाज को बधाई देता हूं कि इन्होंने सदन को बहुत ज्ञान की बातें बताई हैं। मैं दो-चार बातें बताना चाहता हूं। स्पीकर सर, हरियाणा और पंजाब जैसे प्रान्त हैं, उनमें पंजाब में तो पानी की कोई कमी नहीं हैं वहां तो तीन से भी ज्यादा दरिया हैं लेकिन हरियाणा में भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहां पर एक भी दरिया नहीं है दरिया क्या यहां तो नेचूरल लेक भी नहीं है। आर्टीफिशियल लेक 2-3 बनाई थी। इसलिए यहां पर पानी ज्यादा नहीं है। पंजाब और वेस्टर्न यू.पी. में तो रिवर्ज भी हैं यू.पी. में गंगा नदी है। इसलिए पैडी की जो फसल है उसके लिए पानी की ज्यादा जरूरत होती है। पंजाब और हरियाणा में अण्डरग्राउंड वाटर ओवर एक्सप्लोयटेशन के बावजूद उसका बहुत ज्यादा दोहन किया गया है। जिसके कारण नीचे का पानी बहुत ज्यादा नीचे चला गया है। इसके लिए हमें बड़ी भारी चिन्ता है और यह किसानों के लिए चिन्ता का विषय है क्योंकि जो किसान पहले पांच हार्स पावर की मोटर लगाकर ट्यूबवैल से पानी निकालता था आज उसको 20-25 हार्स पावर की मोटर से नीचे का पानी निकालना पड़ता है। इसके लिए खर्चा बहुत ज्यादा आता है। जब नोरमल ट्यूबवैल को लगाने की कीमत ही 20-30 हजार रुपये आती है तो बड़े ट्यूबवैल की कीमत तो लाखों रुपये होगी। जिस तरह से आज पानी का दोहन हो रहा है वह दिन दूर नहीं जब हमारी जमीन के नीचे का पानी सूख जायेगा और किसी

[illegible]

[illegible] as a nation as a society [illegible]

[श्री एस.एस.सुरजेवाला]

लगाए जाएं ताकि जमीन भी वेस्ट न हो और पानी भी ऊपर रहे। हमारे जो नाले है उन पर चैक डैम लगाए जाएं और ड्रेनें भी चैक डैम के द्वारा की जाएं। हमारे यहां इरीगेशन बहुत फाल्टी है, हम फ्लड इरीगेशन करते हैं। हम खेत की क्यारियों को ऊपर तक किनारों तक पानी भर देते हैं जिसका नतीजा यह है कि पानी फसल के लिए बहुत कम काम आता है ज्यादा पानी जमीन में वेस्ट चला जाता है। इसका दूसरा तरीका यह है कि ड्रिप इरीगेशन और स्प्रिंकलर इरीगेशन करवाई जाए, लेकिन वह मंहगी बहुत है। मैं समझता हूं कि वैज्ञानिक लोग गांव में जाकर किसान के साथ बैठकर उनको बताएं कि आपकी फसल के लिए इतना पानी देने की जरूरत नहीं है। पतला पतला पानी क्यारियों को दें तो उससे फसल को उतना फायदा होगा जितना फ्लड इरीगेशन से होगा। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा समय न लेते हुए इतना ही कहना चाहूंगा कि हमारे कॉलेजों और स्कूलों में से जो नौजवान पढ़कर निकलते हैं वे हजारों लाखों की संख्या में बेरोजगार फिर रहे हैं। चाइना जैसे मुल्क में तो यहां के तमाम नागरिकों को सोसायटी के काम जैसे सड़के बनाना, नदियों के काम, नालों के काम, चैक डैम के काम आदि सभी काम करने होते हैं। हमारी बदकिस्मती है कि हमारे देश के समाज का करैक्टर ऐसा है कि हम कोई काम करने के लिए तैयार नहीं है। सरकार को चाहिए कि लड़कों को मैट्रिक या 10+2 की डिग्री तब दें जब वे 6 महीने या साल भर तक समाज का कोई काम कर लें। पहले तो सरकार को इसके लिए कमर कसनी होगी और कोई हार्ड फैसला करना होगा और इससे हो सकता है कि राजनैतिक तौर पर हमें नुकसान हो लेकिन कहीं से तो शुरूआत करनी पड़ेगी।

कृषि मन्त्री (सरदार एच.एस. चट्ठा) : स्पीकर सर, आज जो यह गैर सरकारी प्रस्ताव आया है यह बहुत इम्पोर्टेंट और जरूरी प्रस्ताव है तथा इस पर खुलकर बहस होनी बहुत जरूरी थी। सुरजेवाला साहब खेती से जुड़े आदमी हैं और मैं भी खेती करता हूं तथा खेती से जुड़ा हुआ हूं। भारद्वाज साहब ने साईंटीफिक बातें की हैं। मोटे तौर पर यह बात सिद्ध होती है कि पिछले 25-30 साल से वाटर लैवल एवरेज हर साल पांच से दस फिट नीचे जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, जिस समय 1966 में हरियाणा बना था उस समय जो ट्यूबवैल बोर किए गए थे उन पर चार फिट ऊंचाई पर पांच होर्स पावर की मोटर लगाई जाती थी लेकिन धीरे-धीरे पानी का लैवल नीचे जाता गया और मोटरें भी 40-50 फिट नीचे रखी जानी लगी। अल्टीमेटली अब वे सारे बंद करने पड़ गये और सबमर्सीबल बोर लगाये जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह बात दुरस्त है कि हमें पानी का ख्याल रखना चाहिए और पानी का प्यार से इस्तेमाल करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आप एग्रीकल्चर में एक्सपर्ट हैं, आप साईंटिस्ट और पी.एच.डी. भी है तथा बहुत विद्वान भी हैं । हमारी सरकार ने पानी का सही इस्तेमाल करने के लिए इस दफा कई कदम उठाये हैं। मेरी पिछले वर्ष मुख्यमंत्री जी से बात हुई और मुख्यमंत्री जी ने मुझे आदेश दिए कि अप्रैल के अंत में और मई के शुरू में जो धान लगाई जाती है जिसको किसान साठी बोलते हैं उसको बंद करवाया जाये। साठी की बिजाई सारे सूबे में सकरीबन करनाल, कुरुक्षेत्र और सिरसा के कुछ एरिया में की जाती है। सरकार ने कोई कानून नहीं बनाया और मैं बड़े फख्र से कह सकता हूं कि हमने परसूएशन से आलमोस्ट प्रदेश में साठी की उपज बंद करवा दी है। पिछले साल थोड़ी बहुत साठी की बिजाई हुई होगी लेकिन इस साल वह भी किसान नहीं लगायेंगे। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मुझे यूनिवर्सिटी में एक सेमीनार में जाने का अवसर मिला। वहां पर हमारी बात हुई कि पैडी के बगैर हम नहीं रह सकते। हम कोशिश कर रहे हैं कि किसान 25 प्रतिशत पैडी की कम बिजाई करें। अध्यक्ष महोदय, किसान 25

प्रतिशत पैडी की बिजाई करना तभी कम करेगा जब हम जो आल्टरनेटिव फसल किसान को दे रहे हैं उसका भाव पैडी के बराबर मिले। कई जगहों पर सोयाबीन और दाल आदि लगवाने की कोशिश की गई लेकिन अभी उसमें कामयाबी नहीं मिली। मैंने एक बात यूनिवर्सिटी में कही थी और यूनिवर्सिटी वाले उसके लिए कोशिश भी कर रहे हैं कि पैडी का ऐसा बीज तैयार किया जाये जिसकी डूरेशन कम हो ताकि 15 जून से पहले पैडी न लगाई जाये। अध्यक्ष महोदय, अप्रैल के अंत में और मई के शुरू में किसान जीरी लगानी शुरू कर देते हैं और पानी ज्यादा लगता है। इसलिए हमें उम्मीद है कि हम पैडी के अच्छे बीज तैयार करेंगे ताकि किसान देरी से पैडी लगा सकें और सही समय पर उपज ले सकें। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त फ्लड इरीगेशन की बात भी माननीय सुरजेवाला जी ने उठाई है। यह बहुत इम्पोर्टेंट ईशू है। फ्लड इरीगेशन की बजाए खेती स्प्रिंकलर सिस्टम और ड्रिप इरीगेशन से की जा सकती है। ऐग्रीकल्चर डिपार्टमैंट इस तरफ विशेष जोर दे रहा है और इसके लिए सब्सिडी भी बहुत रखी गई है। अध्यक्ष महोदय, सदन की जानकारी के लिए मैं बताना चाहूंगा कि हमने कुछ ऐसे ट्रैक्टर मंगवाये हैं जिन्हें लैवलर रेजर कहा जाता है। ये ट्रैक्टर ज़मीन को इस तरह साफ करते हैं कि एक आध इंच भी जमीन ऊंची-नीची नहीं रहती। जमीन बिलकुल लैवल में हो जाती है। इस तरह के 6 ट्रैक्टर हमारे पास पहले से ही थे तथा 10-12 ट्रैक्टर अभी और मंगवाये हैं। स्पीकर सर, हम यह चाहते हैं कि आज की तारीख में अगर ज़मीन की लैवलिंग ठीक होगी तो इसको पानी ठीक ढंग से लगेगा। ज़मीन की लैवलिंग ठीक नहीं होती कहीं से एक इंच नीची होती है तो कहीं से दो इंच नीची होती है और इस प्रकार की ज़मीन में जब हम जीरी की फसल के दौरान सिंचाई करते हैं तो बहुत दिक्कत आती है। जमीन का लैवल ठीक हो इस बात को भी हम करने की कोशिश कर रहे हैं। जहां तक बोर की बात है। बोर ऐग्रीकल्चर डिपार्टमैंट भी कर रहा है। हमने कई गांवों में बोर किए हैं लेकिन इस बारे में एक प्रॉब्लम है जो कि लुधियाना में भी आई है। क्योंकि लुधियाना में बड़ी मात्रा में हौज़री है और हौज़री का प्रदूषित पानी नीचे गया तो 8-8 और 10-10 गांवों का ड्रिंकिंग वाटर खराब हो गया। जब पॉल्युटिड वाटर नीचे जाता है तो ऐसा हो ही जाता है यह बड़ी सीरियस प्रॉब्लम है। पॉल्युटिड वाटर को साफ करके नीचे भेजना चाहिए और अगर ऐसा हो सकता है तो फिर ऐसा किया जाना ठीक है। जहां तक नदियों को रोकने की बात है, जब मैं इरीगेशन मिनिस्टर था उस समय भी इस इशू को सीरियसली कंसीडर किया गया था। नदियों में सिल्ट बहुत आती है। अगर पूरे साल में एक बार नदी का पानी रोका जाये तो पूरी नदी सिल्ट से भर जाती है और वह किसी काम नहीं आती। स्पीकर सर, मैं आपकी मार्फत एक बात दोबारा हाऊस को बताना चाहता हूं कि Government is considering seriously कि कोई ऐसा बिल बनाया जाये जिससे यह प्रॉब्लम पूरी तरह से सॉल्व हो जाये। इसलिए इसके मुताल्लक एक कमेटी बनी हुई है कि वाटर कंजर्वेशन को किस प्रकार से सम्भालना है। इस मामले पर जो कमेटी बनाई गई है उसमें श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला भी मैम्बर हैं और मैं उस कमेटी का चेयरपर्सन हूं। कमेटी इस बारे में एक बिल बनाने की बात सोच रही है। अब तक दो मीटिंग्स इस कमेटी की हो चुकी हैं और कमेटी बहुत सीरियसली इस बात को सोच रही है। हम इस मामले में एक्सपर्ट लोगों से भी ऑपिनियन ले रहे हैं और जल्दी ही किसी न किसी नतीजे पर हम पहुंच जायेंगे। हम कोशिश करेंगे कि कोई ऐसा बिल बने जिससे लोगों को फायदा भी हो और उनको दुख भी न हो। यानि कि वह दर्दनाक न होकर सुखदायी भी हो। स्पीकर सर, अन्त में मैं हाऊस को यही यकीन दिलाता हूं कि ऐग्रीकल्चर डिपार्टमैंट की तरफ से हम पूरी कोशिश कर रहे हैं और पूरी कोशिश करते रहेंगे।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, अगर आप इजाजत दें तो मैं इस गैर सरकारी प्रस्ताव पर कुछ कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : डॉ० इन्दौरा, जब मैंने आपको बोलने के लिए कहा था उस समय तो आप पूंजड़ उठाकर बाहर भाग गये थे।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, मैं अब गैर सरकारी प्रस्ताव की बात कर रहा हूं।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, लेकिन जब मैंने पहले आपको यह कहा था कि आपको बोलने के लिए समय देंगे, but you have violated the limits.

डॉ० सुशील कुमार इन्दौरा : स्पीकर सर, वह मेरा दूसरा मुद्दा था। वह मेरे साथी का मुद्दा था। स्पीकर सर, यह कोई तरीका नहीं है। This is not a way of talking.

डॉ० सीता राम : स्पीकर सर, पूंजड़ शब्द को कार्यवाही से निकलवाया जाये। (शोर एवं व्यवधान।)

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : स्पीकर सर, (शोर एवं व्यवधान।)

Mr. Speaker : Dr. Indora, Hon'ble Minister is giving the reply. Please listen. (Noises and interruptions.) डॉ० इन्दौरा क्या आपको बाहर जाना है ? (शोर एवं व्यवधान।) ऐसी बात है कि जब आपका नेता बैठा हो और * * * * *(शोर एवं व्यवधान।) इनका कुछ भी रिकार्ड में किया जाये। Dr. Indora, don't behave like a Jangli Bander. जंगली बंदरों की तरह बिहेव मत करो। Nothing is to be recorded. (Noises and interruptions.)

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : स्पीकर सर, यह क्या इनका बात करने का तरीका है ? (शोर एवं व्यवधान।)

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनेलो के साथियों से यह निवेदन करना चाहूंगा कि वे इस सदन की गरिमा का कुछ तो ध्यान रखें। क्या यह इनका अध्यक्ष से बात करने का तरीका है ? यह बहुत गलत बात है। अध्यक्ष महोदय, जो भी ये कहना चाहते हैं इनको अपनी सीट पर जाकर कहना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान।)

श्री अध्यक्ष : डॉ० सीता राम, यह आपके नेता का आपके ऊपर असर है। (शोर एवं व्यवधान।) आप मेरे चैम्बर में आ जाना। जो भी आप पूछना चाहते हो मैं आपको बता दूंगा। (शोर एवं व्यवधान।) जहां तक पूंजड़ शब्द की बात है तो पूंजड़ is not an unparliamentary language.

सदस्य का नाम लेना

कृषि मंत्री (सरदार एच०एस० चट्ठा) : अध्यक्ष महोदय, ये दूसरी बार वाक-आउट करना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, * * * *

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded. You are behaving like a Jungli Bandar. जंगली बंदर की तरह बिहेव मत करो। The word 'पूंझड़' is not an unparliamentary word. (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इनकी तो यह प्रथा बन गई है कि हर रोज वैल के अन्दर आयेंगे और व्यवधान डालेंगे और अगर कोई खबर नहीं बनी तो खबर जरूर बना कर जायेंगे कि हमने व्यवधान डाला, हम वैल के अन्दर आये और हमने अध्यक्ष महोदय के साथ दुर्व्यवहार किया तथा हमने चेयर के सम्मान में अनाप-शनाप बोला। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

Mr. Speaker : Please take your seats. आप अपनी सीटों से बोलिए। Nothing is to be recorded.

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, * * * * * (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded. (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इनके नेता रोजाना हाजरी लगाते हैं 600 रुपये का अलाऊंस लेते हैं और उसके बाद हाउस से नदारद रहते हैं। लेकिन जब मांगे राम गुप्ता जी की कमेटी उनको नोटिस देती है तो वे नहीं आते और दलाल साहब की प्रिविलेज कमेटी की मीटिंग में जाने के लिए उनके पास समय नहीं होता। कम से कम माननीय सदस्य ये तो बतायें कि श्री ओमप्रकाश चौटाला हर रोज आते हैं और हर रोज क्यों भाग जाते हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्ष : ठीक है इस शब्द को मोडिफाई किया जा सकता है कि पीठ दिखा कर भाग जाते हो। It can be modified. (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, आपने इनको बोलने का मौका दिया है। कम से कम ये अपनी बात तो कहें। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

Mr. Speaker : Dr. Sita Ram, I allow you to speak आप अपनी बात कहिए कि आप क्या कहना चाहते हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, ...

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्ष : Dr. Indora, I warn you.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, * * * * * (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : Dr. Indora, I again warn you. Please go to your seat. Nothing is to be recorded.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, * * * * * (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : Dr. Indora, I name you.

(At this stage, Dr. Sushil Indora withdrew from the House.)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

वाक आउट

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्ष : आप अपनी सीटों पर जा कर बोलिए।

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, आपका व्यवहार निंदनीय है, इसलिए हम सभी वाक आऊट करते हैं।

(इस समय इंडियन नैशनल लोकदल के उपस्थित सभी सदस्य नारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए)

गैर सरकारी संकल्प

मानसून के दौरान काफी पानी बेकार जाने संबंधी (पुनरारम्भ)

श्री नरेश यादव: अध्यक्ष महोदय, मुझे दो मिनट का समय दीजिए मैं बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष: यादव साहब, आप अभी बैठें। मन्त्री जी जवाब दे रहे हैं उन्हें अपना जवाब कम्पलीट करने दीजिए। सैकण्ड रैजोल्यूशन अभी आने वाला है आप सैकण्ड रैजोल्यूशन पर बोल लेना। यह रैजोल्यूशन भी बहुत इम्पोर्टेन्ट है। (विघ्न) श्री कर्ण सिंह दलाल जी का एच०पी०एस०सी० के बारे में रैजोल्यूशन आने वाला है। जिन लोगों ने काफी गढ्ढे खोद रखे हैं वे सारे भी सामने आएंगे। (विघ्न एवं शोर) मन्त्री जी, आप अपना जवाब जारी रखें।

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : अध्यक्ष महोदय, डॉ. शिवशंकर भारद्वाज जी ने बहुत इम्पोर्टेन्ट नॉन ऑफिशियल रैजोल्यूशन मूव किया था और मैं समझता हूं कि आज के समय में जो पानी की अवेलेबिलिटी है वह आवश्यकता से बहुत कम है। अध्यक्ष महोदय, हमारी जो टोटल रिक्वायरमैंट है उसमें से केवल एक तिहाई पानी ही हमें अवेलेबल है। इस पानी की कमी के कई कारण हैं। इसका एक मुख्य कारण यह है कि आज से 15 वर्ष पूर्व जब अच्छा मॉनसून हुआ करता था तो बरसात के दिनों में करीबन साढे सात लाख क्यूसिक पानी यमुना में बहा करता था लेकिन पिछले तीन-चार साल से करीबन एक लाख क्यूसिक पानी बरसात के दिनों में बहकर आता है। अध्यक्ष महोदय, इस का मुख्य कारण यह है कि जो ग्लेशियर्ज हैं वे पोल्यूशन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण गरैजुअली मैल्ट हो कर कम हो रहे हैं। डिफोरेस्टेशन बढ़ा है, वृक्षों की कटाई ज्यादा हो रही है जिसकी वजह से बरसात कम हो रही है और अपनी नदियों से जितना जल हमें मिलना चाहिए वह नहीं मिल पा रहा है। माननीय सुरजेवाला जी ने एक बात यहां पर रखी थी कि हरियाणा के अन्दर हमारे पास केवल यमुना ही एक रिवर है और कोई नैचुरल रिवर हमारे पास नहीं है जिससे हमें पानी मिल सके। हमारे पास जो रेनी वाटर है उसको हम वाटर बॉडीज के द्वारा टैप कर सकते हैं, इस प्रकार से ग्राउंड वाटर को रिचार्ज कर सकते हैं, पानी की अवेलैबिलिटी का यही तरीका है या फिर पानी की रि-साईकलिंग हो अथवा हम पानी को रि-साईकल से कन्जर्व कर सकते हैं, ये तरीके हैं जिनसे पानी की उपलब्धता बढ़ सकती है। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में हमारी सरकार ने बेहतर कदम उठाए हैं। मैं विशेषतौर पर यह बताना चाहूंगा कि यमुना के ऊपर अप स्टोरेज डैम नहीं थे उनके लिए मौजूदा सरकार ने, चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार ने काफी प्रयास किये हैं ताकि इन तीनों डैम्ज को बनाया जा सके। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में वर्ष 2005 में जब वाटर रिसोर्सिज की मीटिंग हुई थी जिसमें वाटर रिसोर्सिज मिनिस्टर जी भी शामिल हुए थे उसमें मैंने यह मुद्दा उठाया था। उसके बाद दिनांक 20.12.2006 को भी दिल्ली में एक बैठक हुई थी जिसमें मैं भी था और मैंने यह मुद्दा उठाया था। माननीय मुख्य मन्त्री जी ने माननीय

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

प्रधान मन्त्री जी को भी एक डी.ओ. लैटर लिखा है कि हमारे जो अप स्टोरेज डैम्ज़ हैं उनको बनाया जाए क्योंकि इन डैम्ज के न बनने की वजह से 75% पानी वेस्ट चला जाता है और जा कर समुद्र में गिर जाता है जिसकी वजह से हमें बड़ी भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। अध्यक्ष महोदय, आप सभी जानते हैं कि वर्ष 1994 में जो एम.ओ.यू. साईन हुआ था उसके कारण हरियाणा प्रदेश के साथ बड़ी बेइन्साफी हुई थी उसको लेकर आपने एक कमेटी का गठन किया हुआ है। इस बात को लेकर हमने दिनांक 29.09.2006, 05.09.2007 और अभी हाल ही में 11 फरवरी, 2008 को यह मामला केन्द्र सरकार से उठाया है। पिछले दिनों अपर यमुना बोर्ड की मीटिंग हुई थी उसमें यह मामला उठाया था और हमने यह कहा था कि हरियाणा राज्य के साथ बेइन्साफी हुई है। हमारा शेयर 66.7% था उसको घटा कर हमारा शेयर 48.7% कर दिया गया है। स्पीकर सर, इस बारे में विधान सभा की एक कमेटी आपने बना रखी है जो इस बात को देखेगी कि इस शेयर के कम होने के लिए कौन लोग दोषी थे। क्या कारण थे, और क्या सर्कमस्टांसिज हो गये थे कि यह कमी की गई थी ? अध्यक्ष महोदय, हालत यह हो गई है कि यमुना में पिछली बार इन दिनों में जो पानी था वह करीबन 5 हजार क्यूसिक था। आज के दिन 2200-2300 क्यूसिक पानी यमुना में चल रहा है। आज सबसे अलारमिंग बातें जो हैं वे ये हैं कि हमें भाखड़ा डैम से बी.एम.एल. के द्वारा पानी मिल रहा है, पिछले साल उसका लैवल 1592.42 फीट था, आजकल उसका लैवल 1527.22 फीट है यानि कि 65 फीट नीचे पानी चला गया है । पिछली बार इन दिनों में 2.10 एम.ए.एफ. पानी भाखड़ा में था, आज के दिन वह पानी .76 एम.ए.एफ. ही रह गया है। अगर इसी तरह से चलता रहा और आने वाले दिनों में बारिश नहीं हुई तो मई के महीने में पीने के पानी का संकट और भी आ सकता है, खासतौर पर मार्दन एरिया में। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से पौंग डैम की बात करना चाहता हूं। इसमें 1346.88 फीट पानी इन दिनों में 27 मार्च, 2007 में था जो कि आज के दिन 1292.46 फीट ही रह गया है। हथनीकुंड बैराज में आज 2349 क्यूसिक पानी है और पिछले दिनों इस समय 4463 क्यूसिक पानी था। अध्यक्ष महोदय, ग्लेशियर की मैल्टींग की वजह से और बारिश कम होने की वजह से यह दिक्कत आ रही है। अध्यक्ष महोदय, शिव शंकर भारद्वाज जी ने एक बात रखी कि दिल्ली में पानी के संकट की वजह से त्राहि-त्राहि मच गई थी। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली का मात्र 600 क्यूसिक पानी बनता है लेकिन हम उनको 900 क्यूसिक से लेकर एक एम.ए.एफ. तक पानी देते हैं। अध्यक्ष महोदय, यह सब सुप्रीमकोर्ट के एक फैसले की वजह से है। हमने उसके खिलाफ कंटैम्पट आफ कोर्ट डाल रखा है। हमने उनका 100 क्यूसिक पानी कम नहीं किया है, उनका मात्र 600 क्यूसिक पानी ही बनता है जबकि आज हम उनको फालतू पानी ही दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आज भी हम उनको 700 क्यूसिक और 800 क्यूसिक पानी दे रहे हैं। दिल्ली वाले जो हमें पानी फरीदाबाद में दे रहे हैं वह सल्ज का पानी दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब है कि सरकार ने वाटर कंजरवेशन के लिए बहुत कदम उठाए हैं जिसमें विशेष तौर पर आप सब जानते हैं कि दादूपुर नलवी प्रोजैक्ट है। दादूपुर नलवी प्रोजैक्ट का फाऊंडेशन स्टोन नवम्बर, 2004 में धौटाला साहब रख कर चले गए थे, इस बारे में भी सब जानते हैं।

श्री नरेश यादव (अटेली) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मंत्री जी, यह प्रस्ताव वाटर सरंक्षण पर था और खासतौर पर दक्षिणी हरियाणा के लिए था। मंत्री जी यह बताएं कि क्या इन्होंने वाटर संरक्षण के लिए कदम उठाए हैं और क्या इसके लिए बजट में प्रावधान रखा है ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको सब कुछ बताऊंगा, साऊथ हरियाणा के बारे में भी बताऊंगा। जरा तसल्ली से बैठें। इनको बैठकर सुनना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, नवम्बर, 2004 को पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला जी दादुपुर नलवी प्रोजैक्ट का फाऊंडेशन स्टोन रख कर चले गए थे, न उसके लिए जमीन ऐक्वायर की गई थी और न ही बजट में इसके लिए कोई प्रावधान किया था। मौजूदा सरकार ने आते ही इस प्रोजैक्ट के कार्य को शुरू करवाया है। इस पर 267 करोड़ रुपए की लागत आएगी और इस प्रोजैक्ट में डिस्ट्रिक्ट अम्बाला, यमुनानगर और कुरुक्षेत्र आते हैं। अध्यक्ष महोदय, दादुपुर नलवी प्रोजैक्ट रि-चार्जिंग का काम करेगा और तकरीबन एक लाख हैक्टेयर जमीन पर इसकी वजह से इरिगेशन होगी। इसमें बरसात के दिनों में 590 क्यूसिक सरप्लस पानी प्रयोग होगा। अध्यक्ष महोदय, इस प्रोजैक्ट पर तकरीबन 100 करोड़ रुपए खर्च कर दिए गए हैं, 60 प्रतिशत अर्थवर्क हो गया है 30 प्रतिशत स्ट्रक्चर पक्का कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि इस सरकार के आने के बाद कई स्कीमों पर जैसे वाटर रि-चार्जिंग की स्कीम है पर काम किया गया है। इसके अलावा अम्बाला इरीगेशन स्कीम की जहां तक बात है यह दूसरी स्कीम 294 करोड़ रुपये की है। इस स्कीम को हमने सैंट्रल वाटर कमीशन को मंजूरी के लिए भेज दिया है। इसके बनने से करीबन एक लाख 45 हजार 628 हैक्टेयर जमीन यमुनानगर, अम्बाला और पंचकुला जिले में इरीगेट होगी और डब्ल्यू०जे०सी० के द्वारा फालतू पानी बरसात के दिनों में इनको मिलेगा। इसके अलावा जो डब्ल्यू०जे०सी० कैनाल है इसकी पहले कैपेसिटी 13500 क्यूसिक थी लेकिन अब हम इसको बढ़ाकर 19557 क्यूसिक कर रहे हैं। इस पर तीस करोड़ रुपये सरकार खर्च कर रही है। स्पीकर सर, मैं समझता हूं कि हम जल्दी ही इसको पूरा कर देंगे। इसके ऐग्जीक्यूशन से हमें 6 हजार क्यूसिक पानी और फालतू मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, 30 जून, 2008 तक हम डब्ल्यू०जे०सी० की कैपेसिटी को 13500 क्यूसिक से लगभग 20 हजार क्यूसिक कर देंगे। इसके बाद वेस्ट पानी हमारे काम आ सकेगा। इसके अलावा हम लो-हाई डैम्ज भी घग्गर रिवर पर बनाएंगे।

श्री अर्जन सिंह (छछरौली) : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, जिस बरसाती पानी के बारे में मंत्री जी बता रहे हैं तो मैं जानना चाहूंगा कि इसको रोकने का तरीका क्या होगा ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, पानी रोकने की बात नहीं है। दादुपुर नलवी कैनाल को हम इसलिए कच्चा रख रहे हैं ताकि इसमें जो पानी आएगा उससे वाटर लेवल रिचार्ज होगा। स्पीकर साहब, जो नंगल और दूसरे एरियाज हैं जहां पर पानी का लेवल नीचे चला गया है तो दादुपुर-नलवी कैनाल का पानी आने से वहां पर वाटर रिचार्ज भी होगा और वाटर लेवल भी ऊपर आएगा। स्पीकर साहब, जब पैडी का सीजन होगा तो उस वक्त लोग पानी का इस्तेमाल कर सकेंगे। जो घग्गर रिवर है इस पर हम तीन लो-हाईट डैम्ज बनाएंगे। कौशल्या, डंगराना और दीवानवाला डैम्ज हम बना रहे हैं। कौशल्या डेम के तो टैंडर वगैरह हो गए हैं और 13 अप्रैल तक इस पर काम शुरू हो जाएगा। ये डैम्ज विशेष रूप से इनके इलाके के लिए वरदान साबित होंगे। स्पीकर साहब, घग्गर का बहुत सा पानी वेस्ट चला जाता है लेकिन हम लो-हाई डैम बनाकर इसको रोकेंगे। स्पीकर सर, इस पर 98.19 करोड़ रुपयों का खर्च होगा। इस साल के बजट में हमने इसके लिए दस करोड़ रुपयों का प्रावधान किया है। जो पंचकुला और उसके आसपास का एरिया है उसके लिए दादुपुर-नलवी कैनाल का प्रोजैक्ट पीने के पानी के लिए भी और इरीगेशन के

पानी के लिए भी काम करेगा। स्पीकर सर, यह एक महत्त्वपूर्ण प्रोजैक्ट है तथा यह एक बड़ी अचिवमैंट है। किसी भी सरकार ने दादुपुर-नलवी कैनाल और घग्गर डैम बनाने की तरफ ध्यान नहीं दिया है। सिरसा जिले के अंदर ओटू लेक है। इस पर 69.68 करोड़ रुपये की लागत से हमने इसका पहला फेज पूर्ण कर दिया है इसके बाकी काम को भी पूरा करने के लिए हम कार्य कर रहे हैं इसके अलावा जो इक्विटेबल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ वाटर की बात है। अभी नरेश यादव कह रहे थे कि इनके इलाके में पानी के बारे में सरकार ने क्या किया है। स्पीकर सर, मैं इनको बताना चाहूंगा कि एक तो मसानी बैराज है।

श्री नरेश यादव : मसानी बैराज तो रिवाड़ी जिले में है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : लेकिन हमीदपुर बांध तो आपके इलाके में ही है। स्पीकर साहब, हमीदपुर बांध को 2.42 करोड़ रुपये की लागत से भरने के लिए कार्य चल रहा है। वहां पर सरकार एक चैनल बना रही है जिससे इस बांध को भरा जाएगा पिछली सरकार के समय में राधेश्याम शर्मा जी के भाई विधायक रहे हैं और इनकी पत्नी भी जिला परिषद् की चेयरमैन रही हैं इन्होंने भी यह मामला कई बार उठाया था अब इनके प्रयासों से मुख्यमंत्री जी ने 2.42 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं इसलिए अब इस बांध को भरने के बारे में कार्य चल रहा है। इसके साथ-साथ मसानी बैराज का काम 6.70 करोड़ रुपये की लागत से चल रहा है। कल भी यह मुद्दा आया था। कृष्णावती, दोहान और साहिबी नदी के बारे में, इन पर करीब 83 छोटे-छोटे डैम बना दिये गये हैं। मसानी बैराज में पानी नहीं आ रहा है। महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी और यहां तक कि झज्जर तक भी साहिबी नदी का पानी किसी समय में जाया करता था अब जे0एल0एन0 कैनाल से मसानी बैराज को जोड़ने का काम चल रहा है और 30 जून, 2008 तक कार्य हम पूरा कर देंगे। यह एक बहुत महत्त्वपूर्ण कदम है। पूर्ववर्ती सरकारों ने मसानी बैराज बना दिया और वहां जो किसानों की जमीन थी उनको उसका 20-30 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देकर जमीन ऐक्वायर कर ली। करीब हजारों एकड़ जमीन ऐक्वायर हो गई, बांध बना दिया गया लेकिन उसको भरने का कार्य नहीं किया गया। न ही उसकी रीचार्जिंग की गई। इस बारे में डॉ0 शिवशंकर भारद्वाज जी व श्री सुरजेवाला साहब ने चर्चा के दौरान बात रखी थी। इसकी रीचार्जिंग भी हम कर रहे हैं और 30 जून, 2008 तक यह रीचार्जिंग पूरी कर देंगे।

श्रीमती शकुंतला भगवाड़िया (बावल, अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगी कि साहिबी नदी पर सरकार ने करोड़ों रुपये की राशि लगाकर पुल बनाया था। लेकिन अब उसमें राजस्थान सरकार ने पानी छोड़ना रोक रखा है। उस पर हरियाणा सरकार ने करोड़ों रुपया लगाया था, क्या वह पैसा वेस्ट जाएगा ? (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हमारे एरिया में किसान की एक फसल होती थी उससे भी हमारे यहां का किसान खुशहाल था, लेकिन पानी रोकने की वजह से वहां पानी की त्राहि-त्राहि मची हुई है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि इसके बारे में हमने एक टीम वाटर रिसोर्सिज की भेजी थी। उसमें केन्द्र के, हमारे यहां के और राजस्थान सरकार के अधिकारी वहां गए थे। राजस्थान सरकार ने वहां 83 छोटे-छोटे डैम बना दिये हैं लेकिन दिक्कत क्या है कि बरसात कम हो रही है। अपने इलाके में हम वाटर कंजरवेशन कर रहे हैं।

श्रीमती शकुंतला भगवाड़िया : अध्यक्ष महोदय, मेरे एरिया में साहिबी नदी के अंदर एक बूंद पानी भी नहीं आता है। बरसात होती है तो थोड़ा बहुत पानी आ जाता है वरना वह बिल्कुल सूखी पड़ी है और पेड़ उग आए हैं। इतनी बुरी हालत वहां की है कि जिसकी कोई हद नहीं है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इस समस्या से हम सब बहुत दु:खी हैं। माननीय सदस्या की इस बारे में चिंता से मैं वाकिफ हूं। मैं मानता हूं कि आज के दिन वहां वाटर लेवल बहुत ही नीचे चला गया है। इस समस्या के हल के लिए हम मसानी बैराज को जे०एल०एन० कैनाल से जोड़ रहे हैं। इसी प्रकार से हमीदपुर को भी एक कैनाल से जोड़ रहे हैं।

श्रीमती शकुंतला भगवाड़िया : अध्यक्ष महोदय, उस नहर पर काम बहुत धीमी गति से चल रहा है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : काम बहुत जोर-शोर से चल भी रहा है और आगे भी चलेगा। आप परवाह मत करो। दूसरी बात दोहान और कृष्णावती के बारे में जो माननीय सदस्या बता रही हैं, वहां उन्होंने चैक डैम बना रखे हैं और इस बारे में हम राजस्थान सरकार से केस टेकअप कर रहे हैं। यह बात सही है कि बरसात की कमी है। जब हमारा यमुना नदी के बारे में एम०ओ०यू० साइन होगा, उस वक्त हम उनसे यह मुद्दा उठाएंगे कि या तो वे चैक डैम हटाएं या फिर जितना पानी उन्होंने हमारा रोक रखा है उतने ही उनके हिस्से का पानी जो हमारे यहां से उनके यहां जा रहा है, हम कटौती करने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा भिंडावास लेक के बारे में बात आई है उसको डीपन करने की बात आई है। उसको 6 फुट और गहरा करने के लिए हमने वाइल्ड लाइफ डिपार्टमैंट के पास केस भेजा है, उसकी जल्दी ही स्वीकृति हमें मिल जाएगी। बीबीपुर लेक का जिक्र माननीय कृषिमंत्री जी ने किया है। उनको इस बारे में बहुत चिंता थी। मैं बताना चाहता हूं कि इस बारे में हमें उनकी मदद की जरूरत है और वे किसानों से बातचीत करें और हमें वह जगह दिलायें। यह बहुत वाजिब बात है कि बीबीपुर लेक में बहुत पानी आ सकता है। लेकिन किसान इसका विरोध कर रहे हैं। वह इस बात को होने नहीं दे रहे हैं। हमने तो यहां तक कह दिया है कि सरकार 6 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से या इससे भी फालतू मुआवजा दे सकती है।

श्री रामकुमार गौतम (नारनौंद) : स्पीकर सर, जब से कांग्रेस पार्टी की सरकार आई हमारे हांसी सब डिविजन में पानी की बहुत कमी है। यह मामला मैंने बहुत बार सदन में उठाया है। जितनी भी मोरियां हैं उनमें बहुत कम हिस्से का पानी रह गया है और मसूदपुर और डाटा गावों में तो पीने के पानी की भी बड़ी भारी दिक्कत हो रही है। सरकार ने जो हांसी-बुटाना लिंक नहर बनाने का फैसला लिया है यह अच्छा फैसला है लेकिन सरकार को ऐसे इन्तजाम करने चाहिए कि कहीं पर पानी का ज्यादा इस्तेमाल न कर सके। सबको सब जगह पर समान हक का पानी मिले। यह नहीं कि पिछली सरकार के समय सिरसा जिले में सबसे ज्यादा पानी मिलता था और वहां पर आज भी उतना ही पानी मिल रहा है। इसलिए पानी का समान बंटवारा होना चाहिए। हांसी सब डिविजन में पानी की बड़ी भारी कमी है। डॉक्टर भारद्वाज जो यह नॉन आफिशिएल रेजोलूशन लेकर आये हैं यह बहुत बढ़िया रेजोलूशन है कि पानी को वेस्ट नहीं होने दिया जाए। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि कम से कम हमारे सब डिविजन को भी दिमाग में रखा जाए।

प्रो० छतरपाल सिंह (घिराय) : अध्यक्ष महोदय, श्री रामकुमार गौतम जी ने जो बात रखी है इसके बारे में मैंने कल रिफरैंस दिया था। श्री रामकुमार गौतम जी ने जो बात कही है उसमें फर्क इतना है कि सिवानी फीडर से सिवानी और भिवानी को जो पानी जाता था और हांसी ब्रान्च के लिए

हम पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूट्री से पानी लेते थे। पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूट्री की कैपेसिटी में सिवानी का पानी घटाकर भाखड़ा सिस्टम के माध्यम से बालसमंद सब ब्रान्च से पानी दिया जाता है और सिवानी फीडर से जो पानी फीड करते थे सिवानी और भिवानी को वह भी भाखड़ा सिस्टम से बालसमंद ब्रान्च के माध्यम से देते हैं। अब सिवानी फीडर तो एबैंडन हो गई है। भाखड़ा सिस्टम में जो पानी गया है वह पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूट्री का है उसमें अगर एक हजार क्यूसिक की नहर है और उसमें अगर 400 क्यूसिक पानी चलेगा तो उन आउटलैट का शेयर उनको नहीं मिल पाता। उसमें 30 प्रतिशत हिस्सा मेरी कान्सटीच्यूंसी का एरिया भी आता है और इनकी कान्सटीच्यूंसी का भी ज्यादा एरिया आता है इससे ज्यादा बवानी खेड़ा और हांसी कान्सटीच्यूंसी का एरिया भी आता है। जब हांसी ब्रान्च का पानी उसमें फीड करते हैं। यह बात ठीक है कि जब हांसी-बुटाना लिंक चैनल का पानी आ जायेगा तो हमें पूरी उम्मीद करते हैं कि सरकार उस पानी को रिस्टोर करेगी लेकिन जो भाखड़ा के सिस्टम में बालसमंद सब ब्रान्च पर प्रैशर बढ़ा भिवानी और सिवानी के लिए, वह यदि इसे सिवानी फीडर से और पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूट्री की कैपेसिटी से चलाकर देंगे तो सिवानी और भिवानी को तो पानी उतना ही मिलेगा लेकिन ये जो एरिया नारनौंद, हांसी, घिराय और बवानी खेड़ा का है ये तो जो 2-3 साल से सफर कर रहे हैं वे सफर नहीं करेंगे। इरीगेशन मिनिस्टर से हम चाहेंगें कि जहां वाटर कंजर्वेशन की बात हो रही है और पानी के समान बंटवारे की बात हो रही है, उसके अंदर इस बात को आप प्रायरिटी के तौर पर लें ताकि इस सिस्टम के होने के बाद किसान सफर न करें। मैं चाहूंगा कि मंत्री जी आज इस बारे में आश्वासन दें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, प्रो० छत्तरपाल जी ने और रामकुमार गौतम जी ने जो बात कही है कि सिवानी का जो एरिया है वहां पीने के पानी की समस्या थी। हमने पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूट्री से पानी निकालने की बजाय वहां सीधा पानी पहुंचा दिया है क्योंकि पानी का समान बंटवारा हमें करना है ।

प्रो० छत्तरपाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहूंगा कि बरसात के सीजन में दिसम्बर और जनवरी ऐसे दो मेन महीने हैं जब हमारे सिस्टम में पानी की कमी होती है। बाकी के 10 महीने तो आप सिस्टम से पानी चला सकते हैं। एक तो सिवानी फीडर अबंडन नहीं होगा और दूसरा पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूट्री को सफीशियेंट पानी मिलेगा।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, आज की स्थिति के अनुसार जो परसैंटेज आफ इरीगेशन है उसमें भाखड़ा वाटर सर्विसेज का जो एरियाज है उसमें 98 परसैंट, वाई०डब्ल्यू०एस० में 51 परसैंट और लिफ्ट इरीगेशन में 8 प्रतिशत है । हमने हांसी-बुटाना लिंक नहर बनाई है और इसके बनने के बाद प्रो० छत्तरपाल जी की चिन्ता कम हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, हम सब जानते हैं कि इसके बनने के बाद सभी इलाकों में फर्क पड़ेगा, इनके इलाके में भी काफी फर्क पड़ेगा। उसके बाद पानी की स्थिति ठीक हो जाएगी। हमने सबको पानी देना है, सिवानी के एरिया में भी हमने पानी देना है। नारनौंद के एरिया में आज भी 110 परसैंट इरीगेशन है। फिर भी जहां पानी की दिक्कत है हम वहां समाधान करने की कोशिश करेंगें। जब पानी फालतू होगा तब पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूट्री में से भी पानी दे देंगें लेकिन उसके लिए हमें देखना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, भिंडावास लेक के बारे में मैं चर्चा कर रहा हूं इसके बारे में हम यह निर्णय करने वाले हैं कि यहां पर कुछ एरिया ऐक्वायर करें या फिर किसानों से नैगोशिएशन करके जल्दी ही हम फैसला करने वाले हैं कि भिंडावास लेक को हम विकसित करें और उसका पानी इस्तेमाल करें। हालांकि यह बहुत अच्छी

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

वाटर बॉडी है। दूसरा जैसा कि मैंने बताया था कि जो कोटला झील है इसकी भी यही दिक्कत है कि किसानों की वजह से कुछ समस्या आ रही है। इसके लिए भी जल्दी ही सरकार 100 -150 एकड़ जमीन ऐक्वायर करने के बारे में विचार कर रही है। नूंह के विधायक जो हैं वे इस बारे में अपने किसानों से बातचीत करें । इसी प्रकार सुल्तानपुर लेक, दमदमा लेक और पिरमोदी लेक और रोहतक के पास एक लेक है उसको भी विकसित करने के बारे में सरकार विचार कर रही है । हमारी पूर्ण कोशिश है कि जितनी अबंडन वाटर बॉडीज हैं उनको हम डिवैल्प करें ताकि हम पानी की स्टोरेज कर सकें । इसके अलावा हमारी बहुत सी ड्रेनेज की परियोजनाएं हैं। सिताथल ड्रेन, घुस्कानी ड्रेन और भिवानी घग्घर ड्रेन जैसी बहुत सी ड्रेनें हमने बनाई हैं। हमने फ्लड वर्क्स के तहत एक मुढाल तालु नाम की बहुत ही महत्वपूर्ण ड्रेन बनाई है। जिस पर हम जल्दी ही कार्य करेंगें । कहने का तात्पर्य यह है कि करीबन 215.15 करोड़ रुपये हम ड्रेनों के लिए खर्च करेंगें । भिवानी हिसार के एरिये में हम कोशिश करेंगे कि जब वहां बरसात के दिनों में फालतू पानी होता है तो उस पानी को ड्रेन द्वारा दूसरी जगह ले जाया जा सके । बास मल्टीपरपज ड्रेन है उसको 42 करोड़ रूपये की लागत से हम बनाएंगें ताकि फालतू पानी को हम ड्रेन द्वारा ऐसे एरिये में ले जाएं जहां उस पानी का इस्तेमाल हो सके । इसके साथ साथ जो बी.एम.एल. ब्रांच है उसके बारे में हम सब जानते हैं कि यह बहुत बड़ा प्रोजैक्ट है । यह प्रोजैक्ट 354 करोड़ रुपये का प्रोजैक्ट है । इस प्रोजैक्ट का तकरीबन 98 परसैंट काम हो गया है । मैं समझता हूं कि इसकी सुनवाई 12 अप्रैल को है और हमें पूर्ण उम्मीद है कि उस दिन हमें कोर्ट की तरफ से कुछ राहत मिलेगी और एस.वाई.एल. का मामला भी कोर्ट के अधीन है। इसी प्रकार से सरस्वती नदी जो शाहबाद फीडर से निकलती थी उसके रिवाईवल के बारे में भी हम कोशिश कर रहे हैं। कलायत का कुछ एरिया है जहां पर सरस्वती नदी का पानी निकल रहा है इस पानी के रिसर्च के बारे में सरकार विचार कर रही है।

श्रीमती गीता भुक्कल (कलायत, अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, कलायत में कपिल मुनी मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है। वहां पर कई जगहों पर सरस्वती नदी के पानी की धाराऐं फूट रही हैं। वहां नीचे जमीन से पानी आ रहा है उसमें बहुत सुनहरे कण भी निकल रहे हैं। चेन्नई और जयपुर से इस्ट्रो वालों ने उस पर शोध करना भी शुरू कर दिया है। सरस्वती शोध संस्थान ने भी शोध कार्य शुरू कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, जो सरस्वती नदी वर्षों पहले लुप्त हो चुकी थी अब वहां पर काफी महीनों से पानी निकल रहा है। कई नैशनल चैनल्ज और अखबारों ने इस बात को कवर किया है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह से बाहर से भी लोग आकर वहां अध्ययन कर रहे हैं इसलिए हरियाणा सरकार को भी उसकी तरफ विशेष ध्यान देना चाहिए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या ने सरस्वती नदी के बारे में चर्चा की है। सरस्वती नदी हमारी एक हिस्टोरीकल और मिथीकल रीवर थी जिसके अस्तित्व के बारे में सरकार पूरा विचार कर रही है। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या ने सही कहा है कि कलायत के अंदर कपिल मुनी मंदिर सबसे पुराना मंदिर है जिसे कुरुक्षेत्र डिवैल्पमैंट बोर्ड ने अपने अधीन ले लिया है। वहां पर तथा कलायत एरिया के दूसरे गांवों में भी पानी फूट रहा है। अध्यक्ष महोदय, हमारे वाटर सप्लाई और सैनीटेशन विभाग ने सरस्वती संस्थान और दूसरे वैज्ञानिकों को बुलाकर इस पूरी बात को लेकर पहले से ही नोटिस में लिया हुआ है। सरस्वती नदी हमारे लिए

एक धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व का विषय है। अध्यक्ष महोदय, आप स्वयं डाक्टर हैं हम इसरो से इमेजिंग लेकर तलाश कर रहे हैं कि उसमें कहीं कोई पालियो चैनल तो नहीं है। अध्यक्ष महोदय, पालियो चैनल वह होता है जहां कभी नदी बहती थी वहां जमीन में कई किलोमीटर लम्बाई तक पानी जमीन के नीचे हजारों फिट तक रह जाता है। इस तरह का एक केस हुआ भी है The greatest man made river, I think it was in Libya, if I still remember correctly. सबजैक्ट टू करैक्शन है, वहां पर जब वे तेल की शोध कर रहे थे उन्हें रेगिस्तान के अंदर 250 कि.मी. लम्बा पालियो चैनल मिला। अब वह ग्रेटैस्ट मैन मेड रीवर बना ली गई है। अगर इसी तरह का पालियो चैनल हमें मिल जाये और हम उसको फोड़ लें तो वह पानी सरफेस वाटर पर जहां सब सोयल पानी है वहां पर अटोमैटीकली आ जाता है। अध्यक्ष महोदय, पानी तो कई कि.मी. नीचे होगा वहां से ड्रिग करके धरती की जो नैचुरल गुरुत्वाकर्षण शक्ति है उससे वह सब-सोयल वाटर के लैवल पर आ जायेगा, पंप करने की आवश्यकता नहीं होगी।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, हमने सरस्वती नदी पर अपने चीफ इन्जीनियर को नोडल आफिसर लगा दिया है और वहां पर शोध हो रहा है। अभी सिरसा के अंदर शोध हो रहा था मैं स्वयं वहां पर गया था और मैंने अपने चीफ इन्जीनियर की जिम्मेवारी लगा दी है कि वहां पर वे पूरे ट्रैक को चैक करें कि कहां-कहां से पानी निकल कर आ रहा है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार इस बारे में पूरी तरह से सीरियस है, रिसर्च का कार्य वहां पर चल रहा है। यह बहुत महत्वपूर्ण नदी है, मैं सदन में आश्वासन देता हूं कि वहां पर जो भी कार्य संभव होगा वह हम करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जो कपिल मुनी मंदिर है वह भी ऐतिहासिक मंदिर है। मैं स्वयं वहां गया था, वहां तालाब से पानी निकल रहा है उसको हम जिस तरीके से भी रिवाईव कर सकते हैं वह हम करेंगे। दूसरी बात मैं मेवात कैनाल के बारे में बताना चाहता हूं कि इसके लिए 326 करोड़ रुपये की लागत का एक प्रोजैक्ट तैयार किया है। यह जे.एल.एन. कैनाल से निकलेगी और गुड़गांव कैनाल में जाकर मिलेगी। यह केस हमने सी.डब्ल्यू.सी. को भेज दिया है और हमारी कोशिश होगी कि जैसे ही क्लीयरैंस उनसे मिल जाती है हम इस पर कार्य शुरू कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, जे.एल.एन. कैनाल से हम टनल बनायेंगे, इसकी ड्राईंग और डी.पी.आर. बन गये हैं। यह जो टनल बनेगी वह सबसे लॉगैस्ट टनल होगी जो कि सोहना के पास से निकलकर के मेवात के एरिया में से जाकर के निकल जायेगी। उसका हमने पूरा प्रोजैक्ट सी.डब्ल्यू.सी. को भेज दिया है और मैं समझता हूं कि यह प्रोजैक्ट सी.डब्ल्यू.सी. से अप्रूव हो गया है। इसकी 728 क्यूसिक पानी की कैपेसिटी होगी और 326.40 करोड़ रुपये की लागत से यह टनल बनेगी। हांसी बुटाना लिंक नहर बनने के बाद मैं समझता हूं कि हमारा यह प्रोजैक्ट बहुत ही बॉयेबल बन जायेगा। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा यहां पर जो मुद्दे उठाये गये हैं उनके बारे में मैं यह बताना चाहूंगा कि जो एग्रीकल्चर मिनिस्टर ने आश्वासन दिया है उसके बारे में मेरा उनसे भी यही कहना है कि जब तक हम यह फ्लड वाटर इरीगेशन सिस्टम को खत्म नहीं कर देते हैं तब तक यह समस्या हल नहीं होगी। वैसे तो हम ड्रिप इरीगेशन सिस्टम को प्रोत्साहन दे रहे हैं। इसके अलावा हम स्प्रिंकलर सैट्स को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। इन पर हमने 50 प्रतिशत सबसिडी कर रखी है। लेकिन सरकार इस बारे में यह विचार कर रही है कि इसमें मैक्सीमम सबसिडी दी जाये यानि जो परसैंटेज ऑफ सबसिडी है उसे हम इनक्रीज कर रहे हैं ताकि हम ड्रिप इरीगेशन से और स्प्रिंकलर सैट्स से इरीगेशन को बढ़ावा दे सकें और इसके साथ-साथ टाऊन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग डिपार्टमैंट से भी हमने इस बारे में रिकवैस्ट की है जिसके तहत उन्होंने रैन वाटर हारवैस्टिंग का अपने यहां प्रावधान कर रखा है। इसके साथ-

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

साथ में यह भी सदन को बताना चाहूंगा कि मैंने लॉकल बॉडी मिनिस्टर और पार्लियामैंटरी अफेयर मिनिस्टर से मिलकर यह फैसला लिया कि लॉकल बॉडीज के अन्दर जो म्युनिसिपल कमेटीज हैं उनमें भी हमें रेन वाटर हारवैस्टिंग सिस्टम का प्रावधान करना चाहिए। यह प्रणाली हम लार्ज स्तर पर लागू करना चाहते हैं ताकि हमारी यह योजना सफल हो सके। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी को भी ऐसे बीजों की रिसर्च करनी चाहिए जिनसे कम पानी की खपत हो। स्पीकर सर, खास तौर से मैं समझता हूं कि दोबारा से एक ग्रीन रेवोल्युशन की सख्त जरूरत है क्योंकि जितना एक किसान को प्रति एकड़ अनाज पैदा करना चाहिए वह नहीं हो पा रहा है। इसलिए एक ग्रीन रेवोल्युशन की रिक्वायरमैंट है ताकि ऐसे बीज पैदा किये जायें जिन में कम पानी से ज्यादा पैदावार हो सके। इसमें अगर हम कह दें कि किसान पैडी ग्रो न करें तो उससे बात बनने वाली नहीं है। लेकिन इसके लिए बाकायदा एक शोध की जरूरत है। हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी को इस मामले में विशेष तौर पर रिसर्च करनी चाहिए। यह प्रदेश की एक बहुत बड़ी जरूरत है। इसके अतिरिक्त जितनी भी हरियाणा में वाटर बॉडीज हैं उनका भी हम शीघ्र ही जीर्णोद्धार करने जा रहे हैं। जोहड़ों में जो गंदा पानी पंचायतों द्वारा छोड़ा जा रहा है उसको बंद करवाने के बारे में भी हम कोई न कोई रास्ता जरूर निकालेंगे कि किस तरीके से हम जोहड़ों में गंदा पानी न डाले। इसके लिए हमें जोहड़ के आसपास जितने भी मुहल्ले हों उनमें हमें इस प्रकार से छोटे-छोटे बोर करने चाहिएं जिनमें गंदा पानी गिर जाये और कोशिश करेंगे कि यह जो गंदा पानी है इसको हम जोहड़ों में न डालने दें क्योंकि इससे बिमारियां फैल रही हैं और पशु तक भी उसमें पानी नहीं पी रहे हैं। इसमें सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह भी है कि हमें आम पब्लिक के सहयोग की भी जरूरत होगी। इस प्रकार से यह एक गम्भीर समस्या है और इसके समाधान के लिए सरकार ने बहुत सारी योजनायें लागू की हैं। जैसे कि गलियों में पानी न बहे इसके तहत राजीव गांधी पेयजल योजना के तहत हरिजन बस्तियों में फ्री पानी की टंकियां और कनैक्शन दिये हैं। हम यह भी कोशिश कर रहे हैं कि हम सभी को हरिजन बस्तियों की तरह ही फ्री पानी की टंकियां और कनैक्शन दें ताकि गलियों में कम से कम पानी बहे। इस पर सरकार पूर्ण रूप से कोशिश कर रही है और इसके लिए कई स्टैप्स भी उठाये गये हैं। जिनकी वजह से हम पानी कंजर्व कर सकें। यह जो रेजोल्युशन था यह बहुत ही महत्त्वपूर्ण रेजोल्युशन था और उसमें जो हमारे एन.जी.ओज. हैं और हमारे प्रदेश के जितने भी साथी विधायक हैं उनको इस पर विचार मंथन करना पड़ेगा। इसके अलावा हमारे द्वारा जो नदियों के पानी को पॉल्यूट किया जा रहा है हमें उसकी तरफ भी ध्यान देना पड़ेगा। खास तौर से सोनीपत और पानीपत के आसपास की बहुत सारी इण्डस्ट्रीज यमुना के पानी को पॉल्यूट कर रही हैं। इसी प्रकार से दिल्ली के साथ भी हम इस बारे में पत्राचार करेंगे और अपने पॉल्यूशन बोर्ड को भी लिखेंगे कि वे इस बारे में केस टेक-अप करें कि जो यमुना का पानी है विशेष तौर पर जो हमारी आगरा कैनाल है उसमें बहुत ही सल्ज का पानी आ रहा है। इस बारे में विशेष तौर पर हमें मिलकर प्रयास करने पड़ेंगे तब जाकर यह पानी का कंजरवेशन हो सकेगा। इसके साथ ही मैं माननीय साथी श्री शिव शंकर भारद्वाज जी से यह अनुरोध करूंगा कि वे इस रेजोल्युशन को विद्ड्रा कर लें क्योंकि इस मामले पर सरकार पूर्ण रूप से सजग है और इस बात की कोशिश कर रही है कि पानी कंजर्व हो।

13.00 बजे **श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया** : अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने बताया कि किसानों के लिए अच्छे बीज उगाएंगे तो अच्छी फसल पैदा होगी। मैं मंत्री जी से जानना चाहती हूँ कि आवल

में वर्ल्ड बैंक की एक बहुत बड़ी बिल्डिंग बनी हुई है जो सूखे और खारे पानी पर अनुसंधान करती है। क्या मंत्री जी कॉलेज के रूप में किसानों के लिए क्लास लगवायेंगे ताकि उनको पानी के संरक्षण के बारे में जानकारी मिल सके ?

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, ये जो सदस्यगण सुझाव दे रहे हैं आप इनको नोट कर लें।

श्री अर्जन सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी यह बात मंत्री जी के नोटिस में दी थी और अब जो शिव शंकर भारद्वाज जी ने पानी पर अपनी चिन्ता व्यक्त की है यह बहुत ही सराहनीय है। इस बारे में मैं भी अपना एक सुझाव देना चाहता हूँ। मेरे हल्के में 2 नाले सोम नदी में गिरते थे। बहुत सालों से वहाँ एक बाँध बंधा हुआ था लेकिन जब से फतेहगढ़ वाला पुल बना है वहाँ पर बाँध बंधना बन्द हो गया है। अध्यक्ष महोदय, उसी तरफ दो नाले और हैं जिनका पानी बेकार जा रहा है। वहाँ पर एक टैम्पोरेरी बाँध बन गया था और उससे 10-12 गाँवों के लोगों को फायदा होता था। फतेहगढ़, दादूपुर से बरसात का पानी आता था तो यह टूट जाता था उसके बाद उसका वेस्ट पानी सारा नहर में गिर जाता था। वहाँ पर एक डाईवर्जन बना हुआ था उससे नहर में भी पानी का इजाफा होगा और वाटर लेवल भी ऊपर आयेगा, यही मेरा सुझाव था।

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि खटोटी कलां में 400 मीटर चौड़ी दरार आई थी और जैसा अभी हमारी बहन गीता भुक्कल ने प्रश्न उठाया था उसी प्रकार से वहाँ पूरे देश के भूगर्भशास्त्रिओं की एक टीम आई थी और इस पर चिन्ता व्यक्त की गई और उन्होंने खेतड़ी सिंघाना रोड वाला स्पेसिफिक एरिया और यह नांगल चौधरी रोड तक का एरिया उसको डार्क जोन घोषित किया और उसके लिए स्पेशल हिदायतें भी जिला प्रशासन को दी गई थी कि जल का दोहन न हो, नये ट्यूबवैल न लगाये जायें और पूरे इलाके को रिचार्ज किया जाये। आज सदन में जो प्रस्ताव आया है कि मानसून के दौरान जो पानी बेकार जाता है उसको रिचार्ज करके इस्तेमाल करना चाहिए। 2005-06 में बहुत अच्छी बारिश हुई थी और खूब अच्छी फसल हुई थी लेकिन हमने रिचार्ज के लिए कुछ नहीं किया। इस बारे में हमें राजस्थान से सलाह लेनी चाहिए। हमारे साथ लगते अलवर का बहुत बुरा हाल था लेकिन उनका वाटर लेवल अब हमारे से ऊपर आ गया है। उन लोगों ने उस तरफ ध्यान दिया है। मैं सरकार से भी यह कहना चाहता हूँ कि सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। राजस्थान में न एस.वाई.एल. का झगड़ा है, न बी.एम.एल. हांसी बुटाना लिंक नहर का झगड़ा है और न ही दादूपुर नलवी का झगड़ा है। वहाँ पर केवल रिचार्ज पर ध्यान दिया गया है और वे लोग उसमें कामयाब भी हुए हैं। हमारे साथ लगता 10 किलोमीटर दूर का एरिया जो खराब था उसका वाटर लेवल अब ऊपर आ चुका है। आप तो किसी स्पेसिफिक एरिया की बात करते हो लेकिन आने वाले समय में हर खेत में हर किसान को आप क्या सुविधाएं देंगे ? क्या कृषि अनुसंधान केन्द्रों में उनकी क्लासिज लगवायेंगे जिससे उन लोगों को इस प्रकार की जानकारी हासिल हो सके? बावल में जो कृषि कॉलेज था और कृषि अनुसंधान केन्द्र था वे दोनों ही बन्द हो चुके हैं। गुड़गांव में जो कृषि केन्द्र था वह भी बन्द हो गया है और नारनौल में भी कोई इस प्रकार की सुविधा नहीं है। तो क्या कोई स्पेशल बजट का प्रावधान करके, कोई स्पेशल टीम बनाकर, यह जो 400 मीटर की दरार आई है इसका क्या कोई समाधान सरकार करेगी ? यही मेरा सुझाव है।

श्री राम कुमार गौतम: अध्यक्ष महोदय, अभी मैंने हमारे पानी का जो मामला उठाया था इस बारे में हमारे भाई छतरपाल जी ने भी सवाल दिया है उसमें माननीय मन्त्री जी और सरकार को

[श्री राम कुमार गौतम]

को कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए। जितना भी पानी ये जहां भी देना चाहते हैं दें लेकिन जो नहर भरकर चलती थी अब उस नहर में चौथे हिस्से का पानी चल रहा है इसलिए भोरियों में पानी के आने जाने का कोई हिसाब किताब नहीं है। जो काम चल रहा है डब्ल्यू.जे.सी. की तरफ से भाखड़ा की बजाए अगर वह वहीं से चलता रहे तो उनको चाहे कितना भी पानी दीजिए हमारी प्रॉब्लम का समाधान हो सकता है। इसमें सरकार को कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए।

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, इनकी सारी बात मैंने नोट कर ली है। स्पीकर सर, रावी लिंक-II के बारे में हमारी सरकार ने केस बना कर सैंटर गवर्नमैंट को भेजा था। मैं पूरे सदन को सूचना देना चाहूंगा कि सैंटर गवर्नमैंट ने हमारी इस परपोजल को मान लिया है और 600 करोड़ रुपये से ज्यादा इस प्रोजैक्ट पर खर्च आएगा। पंजाब इस प्रोजैक्ट को ओपोज कर रहा है। हरिके बैराज से आज भी तीन एम.ए.एफ. पानी पाकिस्तान को जा रहा है। वहीं सबसे बड़ी बात यह है कि सैंट्रल गवर्नमैंट ने हमारा यह प्रोजैक्ट मान लिया है और रावी लिंक-II बनने से एस.वाई.एल. की जो हम इतनी चर्चा करते हैं उससे राहत मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि यह प्रोजैक्ट बहुत ही अच्छा है जो कि सैंट्रल गवर्नमैंट ने मन्जूर कर लिया है। अध्यक्ष महोदय, रावी लिंक-II के मन्जूर होने के बारे में मैं हाउस को जानकारी देना चाहता था। (विघ्न)

श्री इबीब-उर-रहमान (नूंह) : अध्यक्ष महोदय, मैं जनाब के माध्यम से हमारे नहरी मन्त्री महोदय से गुजारिश करना चाहता हूं कि बड़ी अच्छी बात है कि हरियाणा सरकार की नीयत है कि पानी का इक्वल डिस्ट्रीब्यूशन हो इसके लिए सरकार ने बहुत ही कारगर कदम भी उठाए हैं। 368 करोड़ रुपये की लागत से लगभग एक साल पहले मेवात फीडर कैनाल के लिए मन्जूरी दी थी और अभी जनाब ने बताया है कि सी.डब्ल्यू.सी. को केस भेजा है। स्पीकर साहब, मेरी गुजारिश यह है कि लगभग एक साल का अर्सा इसकी मन्जूरी को दिए हुए हो गया है लेकिन यह मामला बहुत ही लम्बित होता जा रहा है। इस बारे में मैं जनाब के माध्यम से सरकार से गुजारिश करना चाहूंगा कि जल्दी से जल्दी इस पर अमल शुरू किया जाए। अध्यक्ष महोदय, नम्बर दो पर मैं यह गुजारिश करना चाहूंगा कि हमारे मेवात क्षेत्र में पीने के पानी की बहुत दिक्कत है। स्पीकर सर, सिंचाई तो बहुत दूर की बात है मैं जनाब के माध्यम से सिंचाई मन्त्री महोदय से गुजारिश करना चाहूंगा कि हालात यह है कि इस क्षेत्र में जिन गांवों में पहाड़ की तलहटी में बोर कर के लोगों को पीने का पानी दिया जा रहा है उन लोगों ने बोर करने से मना कर दिया है क्योंकि वहां पर बोर फेल हो गये हैं जिसके कारण पीने के पानी की दिक्कत भी बहुत ज्यादा हो रही है। मैं गुजारिश करना चाहूंगा कि अगर कोटला लेक प्रोजैक्ट जो जनाब के सामने रखा हुआ है यह जल्दी मन्जूर हो जाए तो इससे रिचार्जिंग भी हो जाएगी। स्पीकर सर, यह एक बड़ा प्रोजैक्ट है और इसको पूरा होने में टाईम लगेगा (विघ्न) मैं गुजारिश करूंगा कि पहाड़ की तलहटी में बरसात का पानी आता है अगर उस तलहटी में बांध बना दिया जाए तो मैं समझता हूं कि टैम्परैरिली इससे बड़ा रिलीफ मिलेगा और सरकार का उसमें ज्यादा खर्चा भी नहीं आएगा। जनाब ने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए शुक्रिया।

श्री राधेश्याम शर्मा अमर (नारनौल) : अध्यक्ष महोदय, पानी का बंटवारा ठीक हो रहा है और दूसरे काम भी हो रहे हैं हम उनके लिए सरकार का आभार व्यक्त करते हैं लेकिन मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय से एक जानकारी चाहता हूं। मैंने प्रस्ताव रखा था कि दोहन और

कृष्णा नदियों के अन्दर छोटे-छोटे बांध बना दिए जाएं जिससे पानी रुक सके लेकिन महकमें के अधिकारियों ने यह कह कर उस प्रस्ताव को रद्द कर दिया कि यहां पर वर्षा नहीं होती है। अध्यक्ष महोदय, आप पिछले 20 साल का रिकार्ड उठा कर देख लें हर 6-7 साल के बाद नारनौल में बाढ़ आती है। जब हमारी यह वर्तमान सरकार बनी थी उस समय भी बाढ़ आई थी और 5-5 फुट पानी शहर के अन्दर घुसा था लेकिन अधिकारियों ने इस पर कोई कार्य शुरू नहीं किया है। यह काम मन्जूर तो कर दिया गया है लेकिन आज तक वहां पर एक कस्सी तक नहीं लगी है।

प्रो० छत्तर पाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, सूखा और बाढ़ दोनों ही जबरदस्त elements हैं जिन पर सरकार का बहुत सारा पैसा खर्च होता है जिसके कारण नैशनल ग्रोथ प्रभावित होती है। आज की डिस्कशन में शायद यह बात छूट गयी है। स्पीकर सर, मैं आपकी मार्फत माननीय मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि जिन इलाकों में बाढ़ आती है या जो इलाके सूखे रह जाते हैं इसकी वजह से काफी नुकसान होता है, क्या सरकार इस बारे में कोई कदम उठा रही है। सर, वर्ष 1970 में आदरणीय श्रीमती इन्दिरा गांधी जी के समय में एक नैशनल ग्रिड की चर्चा चली थी। हमारा पानी पंजाब से बहकर पाकिस्तान की तरफ चला जाता है हमें उसे कण्ट्रोल करना चाहिए। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही जरूरी ईशू है। जिस पर आपने मुझे बोलने का समय दिया है इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मेरी आपके माध्यम से गुजारिश है कि आज हम बहुत ज्यादा पैसा बाढ़ नियन्त्रण के ऊपर और सुखे से बचाव के लिए वेस्ट कर देते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं नैशनल ग्रोथ के बारे में कहना चाहूंगा क्योंकि इसमें कमी रह जाने की वजह से कृषि प्रभावित होती है। हम इससे अपनी ग्रोथ बढ़ा सकते हैं! इसी तरह से नैशनल ग्रिड की भी बात चली थी और यह हमारी स्टेट में नैशनल लैवल पर प्रस्तावित है। मेरा इस सम्बन्ध में यह कहना है कि इस बारे में कोई प्रस्ताव हमारी तरफ से भारत सरकार को जाए कि वाटर मैनेजमैंट के ऊपर कोई वैस्टर्न नैशनल ग्रिड हो।

श्री अध्यक्ष : छत्तरपाल जी यह सवाल आ गया है, आप बैठ जाएं।

संसदीय सचिव (राव दान सिंह) : अध्यक्ष महोदय, आज डॉक्टर शिव शंकर भारद्वाज जी ने एक बहुत ही ज्वलन्त विषय की तरफ सदन का ध्यान दिलाया है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि गिरते भू-जल से सभी चिन्तीत हैं। अध्यक्ष महोदय, कहते हैं कि जल ही जीवन है और जल है तो कल है, इसमें कोई दो राय नहीं है। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने तकरीबन पूरे प्रदेश के जल स्त्रोतों के बारे में बताया है। जल की प्राप्ति हमें केवल दो स्त्रोतों से ही होती है या तो जमीन से या आसमान से। आज जमीन में पानी का स्तर नीचे गिरता जा रहा है और आसमान से बरसात होनी कम हो गई है। इस कारण से हमारा उत्तरदायित्व बनता है कि हम वाटर कंजरवेशन की तरफ ध्यान दें। आज जहां से भी हम पानी को बचा कर सकते हैं, वह करें। अगर हमारे किसानों को इस बात के लिए शिक्षित भी करना पड़े तो हमें करना चाहिए। आदरणीय मंत्री जी ने यहां पर नदियों का जिक्र किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में केवल दो मिनट ही लूंगा। महेन्द्रगढ़ के पास से दोहान नदी और नारनौल के पास से कृष्णावती नदी राजस्थान से होकर आती है। (विघ्न) लेकिन पिछले 15-20 सालों से उनमें पानी की एक बूंद भी नहीं आई है। जब ये नदियां चलती थी तो उस समय महेन्द्रगढ़ के अन्दर जल की कोई बहुत ज्यादा समस्या नहीं थी। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने

[राव दान सिंह]

सदन में कहा है कि इस पानी हमीदपुर बांध के अन्दर ले जाकर डालेंगे तो उससे कुछ होगा। इस बारे में पहले भी बहुत प्रयास किए गए हैं लेकिन उन प्रयासों से कोई फायदा नहीं हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि हमें राजस्थान सरकार से इस मामले को टेकअप करना चाहिए कि उन्होंने इस नदी पर कहां कहां पर बांध बनाए हैं। अगर बांध बनाने से हमें कोई मदद मिलती है तो हरियाणा सरकार को भी इस बारे में सोचना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जहां तक भू-जल संरक्षण की बात आती है तो मैं इस बारे में कहना चाहूंगा कि यह किसी एक व्यक्ति विशेष का दायित्व नहीं है और न ही सरकार का दायित्व है, यह आपका और हमारा सबका दायित्व है। अध्यक्ष महोदय, मेरा यह कहना है कि हम इसके लिए कोई ऐसी नीति बनाएं कि गांव गांव में जो भी हमारे अधिकारी और कर्मचारी हैं वे लोगों को भू-जल संरक्षण के बारे में बताएं और उनको शिक्षित करें। अध्यक्ष महोदय, कई बार कई जगहों पर यह देखा जाता है कि मात्र दो रुपए की टूटी न होने की वजह से हजारों लीटर पानी वेस्ट होकर जमीन में चला जाता है। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में ज्यादा कुछ न कहते हुए माननीय मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि दोहान और कृष्णावती नदियों के बारे में विचार किया जाए।

श्री दिलूराम (संसदीय सचिव) : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह कहना चाहूंगा कि बीबीपुर लेक 5000 एकड़ में फैली हुई एक बहुत बड़ी लेक थी। पहले उस लेक में ऑफ सीजन के लिए पानी स्टोर किया जाता था। अध्यक्ष महोदय, जब ऑफ सीजन में यमुना का वाटर लैवल कम हो जाता था, तो उस लेक से फैडी एरिया के लिए पानी दिया जाता था। यह पानी चार महीने के करीब चलता था। पिछली सरकार ने पता नहीं किन कारणों से उसको बंद कर दिया और ओटू लेक बना दी थी। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके द्वारा मंत्री जी से गुजारिश है कि बीबीपुर लेक को दोबारा से खुदवाकर बनवाया जाए ताकि वहां के लोगों को फायदा हो सके। इसके साथ ही मेरी एक और गुजारिश है कि मेरे एरिए में घग्गर और मारकंडा नदी चलती है। इस बारे में मेरा सुजैशन है कि इन दोनों पर 3-3 और 4-4 किलोमीटर पर चैक डैम्ज़ बनाए जाएं जिसकी वजह से इनमें 10-10 फीट पानी खड़ा रहे और वहां पर पानी अपने आप रिचार्ज हो जाए। अगर मंत्री जी वहां पर ऐसा किया जाएगा तो आज जो हमारे भू-जल का स्तर दिन प्रति दिन गिरता ही जा रहा है, उसमें हमें फायदा मिलेगा।

श्री फूलचन्द मुलाना (मुलाना, अनुसूचित जाति) : माननीय अध्यक्ष जी, शिव शंकर भारद्वाज जी ने एक बहुत ही अच्छा प्रस्ताव सदन में रखा है। वैसे तो आज बरसात भी कम हो रही है और पहाड़ों से भी पानी कम आ रहा है। किन्तु आदरणीय मंत्री जी ने नदियों के बारे में जवाब देते हुए बताया कि जहां जहां सुझाव है, वे वहां पर डैम बना रहे हैं। लेकिन हमारे अम्बाला में, जिसमें से यमुनानगर भी बन गया है, में कई नदियाँ बह कर निकलती हैं। इनमें से एक बार मारकंडा नदी पर बैराज बनाने का प्रस्ताव आया था क्योंकि मारकण्डा नदी में पानी आता है। आजकल भी उसमें थोड़ा-थोड़ा पानी चल रहा है उसमें अगर बैराज वगैरह बन जाते हैं तो वह पानी वहां रोककर इस्तेमाल हो सकता है। इसी तरह से टांगड़ी नदी, सढौरा नदी, सोम नदी हैं इन सब पर अगर थोड़े-थोड़े चैक्स डैम्ज़ लगा दें तो उस पानी को रोककर सही इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे जो पानी का लेवल नीचे चला गया है वह भी रिचार्ज होगा और पानी का लेवल ऊंचा भी आएगा तथा किसानों को भी इस पानी का लाभ होगा। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी से मेरा निवेदन है कि मारकण्डा नदी तथा दूसरी अन्य नदियों जिनके मैंने नाम लिए हैं, इन पर भी विचार किया जाए

और इन पर छोटे-छोटे बांध बनाए जाएं ताकि पानी का इस्तेमाल हो सके। राव साहब ने बहुत अच्छा सुझाव दिया है कि पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट ने बहुत सारे ट्यूबवैल्ज तो लगा दिए और बहुत सी टूटियां भी दे दीं लेकिन खेद की बात है कि जहां पर पानी की आवश्यकता नहीं है वहां भी टूटी चल रही हैं। अध्यक्ष महोदय, एक दिन हम और मुख्यमंत्री जी एक गांव में गए तो हमने देखा कि वहां पर नाले की तरह, नदी की तरह पानी चल रहा है। हमने कहा कि यह पानी कहां से आया है तो वे लोग कहने लगे कि टूटी चल रही है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, इस ओर भी विचार किया जाए। टूटी इस तरह से न चले इस बात का ध्यान रखा जाए ताकि पानी की बचत हो।

श्रीमती गीता भुक्कल : स्पीकर साहब, टूटी की बात कही गयी है इस बारे में मेरे केवल दो सुझाव हैं। मेरा कहना यह है कि इस बारे में पैनल्टी लगाने का भी प्रावधान जरूर होना चाहिए क्योंकि लोग पानी न होने की शिकायत तो करते हैं लेकिन जब पानी होता है तो उस पानी को वेस्ट करते हैं इसलिए ऐसे मामलों में पैनल्टी लगायी जाए। इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूंगी कि पुराने समय में बहुत ही पक्के और सुन्दर तालाब बनते थे और बहुत सुंदर घाट उनके होते थे। लोग अक्सर उनमें से पानी पिया करते थे और खुद उनकी खुदाई भी उस समय करते थे। इस काम को पुण्य का काम माना जाता था इसलिए अब इस बारे में भी अवेयरनैस लाने की जरूरत है। अभी तो लोग गांवों के तालाबों की खुदाई के लिए भी सरकार की तरफ देखते हैं कि सरकार उनकी खुदाई करवाएगी। स्पीकर साहब, गांवों में बहुत बड़े-बड़े तालाब हैं। हमने अपने कलायत हल्के में भी एक शुरूआत की है। जहां पर बहुत बड़ा तालाब है वहां पर गन्दे पानी के तालाब को अलग बनाया है और साफ पानी के तालाब को अलग बनाया है ताकि साफ पानी में पशुओं के साथ-साथ अगर इंसान भी जाएं तो वह पानी अनहाइजैनिक न हो। जो हमने गंदे और साफ पानी के बांध बनाये हैं उन पर हमने अच्छे हरे पेड़ भी लगाए हैं। इसलिए मेरा सुझाव है कि इससे सफाई भी होगी और अनहाइजैनिक जो कंडीशन होती है उससे भी बचा जा सकेगा।

श्री नरेश कुमार प्रधान (बादली) : स्पीकर साहब, मेरा तो एक सूत्री कार्यक्रम है लेकिन आपने एक आदेश दिया है तो इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूँ। विशेष बात यह है कि वाटर वेस्ट नहीं होना चाहिए। गांवों के अंदर कुछ एरिया ऐसे होते हैं जहां पर खुला पानी चलता रहता है लेकिन कुछ ऐसे भी एरिया होते हैं जहां पर पानी नहीं मिल पाता है क्योंकि वहां पर प्रैशर नहीं हो पाता है। सबको टूटियाँ देने का प्रावधान कर दिया जाए ताकि जितना जरूरी हो वे उतना ही पानी प्रयोग करें और उसके बाद उसको बंद कर दें। अगर ऐसा हो जाता है तो यह एक अच्छी स्कीम होगी और सबको इसका लाभ भी मिलेगा।

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आपका एक सूत्री कार्यक्रम क्या है ?

श्री नरेश कुमार प्रधान : स्पीकर साहब, मेरा एक सूत्री कार्यक्रम तो पड़ौसियों के बारे में ही है जोकि अब चले गए हैं। जिस तरह से हमारे भाई भौं-भौं करते हैं न कोई मुद्दा न कोई आधार। स्पीकर साहब, एक बार एक भजन पार्टी में मेरे जैसा शामिल हो गया जिसको गाना बजाना कुछ नहीं आता था। दस पांच दिन उसको देखा लेकिन उसके बाद उसको काढ दिया। वह बोला काढ दो मैं तो नई भजन पार्टी बना लूंगा। उसने नयी भजन पार्टी बना भी ली। स्पीकर साहब, उसको एक बोदी सी साई मिल गयी इसलिए वह झूठ साच बोलकर वहां चला गया। पांच साल दिन पाछे एक साई उसको और मिल गयी। वहां पर रागनी कम्पीटीशन था। वहां जाकर उसने हॉ हॉ करी तो लोग उसको बोले बैठ जा लेकिन नीचे वाले बोले ' ना, गा गा '। फिर लोगों ने डले उठा लिए और मारने लग गए। उस भजन पार्टी में उसका छोरा भी था। बैंजू और बाजे ने बापू बेटा ठाकर पब्लिक

[श्री नरेश कुमार प्रधान]

के आगे होकर भाग लिए और आगे एक कपास के खेत में बड़ गए। बापू तो सयाना था इसलिए वह लम्बा लोट गया और छोरा जब भाज रहा था तो कपास के टिंडरे बाजे पर लग रहे थे और बाजा बज रहा था तो लोगों ने उड़े भी डले मारे। छोरा बोला बापू बाजा बाजे है तो यह नूं बोला बेटे लम्बा लोट जा। वह जब लम्बा लोटने लगा तो वह बाजा एक पेड़ के जाकर लगा। इसके बाद वह बाजा टूटकर गिर गया तो तब भी टिंडरे बाजे के लगने लगे वह छोरा बोला बापू बाजा तो ईब भी बज रहा है। वह नूं बोला, बेटा बाजा नहीं बज रहा बल्कि तेरे मेरे दिन बाजे हैं। इस तरह से स्पीकर साहब, पड़ौसियों के दिन बाज रहे सैं किस लिए बाज रहे हैं उसके बारे में अब मैं बताऊं तो अच्छी बात कोई ना।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, फूलचन्द मुलाना जी ने जो चैक्स डैम्ज बनाने की बात की है। मैं उनको बताना चाहूंगा कि मारकण्डा और टांगरी रिवर के ऊपर चैक्स डैम्ज बनाने के मामले को हम ऐग्जामिन करवाएंगे कि कहां-कहां पर हम डैम्ज बना सकते हैं। गीता भुक्कल जी ने कहा कि घाट्स को विकसित किया जाए। जहां -जहां तालाब बनाने हैं उनको हम आइडैंटिफाई भी कर रहे हैं। जहां अच्छी वाटर बॉडीज हैं, जहां पुराने अच्छे तालाब हों और यहां तक कि नये तालाब भी बनाने हों तो भी हम कोशिश कर रहे हैं। पानीपत के अंदर हमने बैराज बनाने की योजना बना रखी है ताकि हम वहां पर यमुना नदी का पानी स्टोर कर सकें। दोहान और कृष्णावती नदियों पर चैक डैम्ज बनाने के बारे में माननीय सदस्य राव दान सिंह व श्री राधे श्याम शर्मा जी ने कहा। वहां चैक डैम्ज बन सकते हैं तो सरकार विचार अवश्य करेगी। फिजीबल होगा तो जरूर बनाएंगे। शिवालिक डैम बनाने की बात भी रखी गई है। इंजैक्शन बोर के बारे में जिक्र किया गया। जितने हमारे सदस्य हैं जिन्होंने अपनी बात रखी है उन पर पूर्ण रूप से सरकार विचार अवश्य करेगी। विशेष तौर पर वाटर कंजरवेशन की बात का जिक्र किया गया। माननीय सदस्य श्री नरेश यादव जी ने कहा कि उन्हें अपने हल्के में गांव खाटोटी कलां के पास दशर नजर आई है, उसके बारे में हम दिखवा लेंगे। इसके अतिरिक्त अधिकारीगण जाकर देखेंगे और कोशिश करेंगे कि जहां जहां बांध बन सकेंगे, बनाएंगे। पानी जितना कंजर्व हो सके, उसे कंजर्व करने की कोशिश करेंगे और छोटे-छोटे डैम्ज बनाने का प्रयास सरकार करेगी। इसके अतिरिक्त माननीय सदस्य श्री छतर पाल सिंह जी ने जो पानी के इक्वल डिस्ट्रीब्यूशन की बात रखी है, इसको हम ऐग्जामिन करेंगे और यदि कोई और बात होगी तो जवाब दूंगा।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज : अध्यक्ष महोदय, बड़े विस्तार से मंत्री जी ने बताया है। मैं इस बात पर संतोष प्रकट करता हूं। बहुत व्यापक प्रबंध मंत्री जी पानी के प्रबंधन के बारे में कर रहे हैं। एक दो बातें और बताना चाहूंगा कि जल प्रबंधन में सबसे बड़ी बाधा भ्रष्टाचार है। वाटर शैड की सैन्ट्रल स्कीम में इतना काम नहीं होता।

Mr. Speaker: Bhardwaj ji, are you satisfied with reply given by the Government ?

Dr. Shiv Shankar Bhardwaj: Yes, Sir.

Mr. Speaker: Question is—

> That lot of water goes waste during Mansoon and concept of flood Irrigation be changed in view of scarcity of water, therefore, this House recommends to the State Government that it is high time

to think about water conservation and for benefit of Nation and State a resolution be passed to conserve water to the maximum extent.

Is it the pleasure of the House that the permission may be granted for the withdrawal of the resolution?

Voices: Yes Sir.

The Leave was granted.

The Resolution was withdrawn.

गैर सरकारी संकल्प

(ii) राज्य सरकार को भारत के संविधान में संशोधन करने के लिए केन्द्र सरकार से सम्पर्क करना।

Mr. Speaker : Now, Shri Karan Singh Dalal will move his resolution.

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के माध्यम से राज्य सरकार से निवेदन करता हूं कि -

यह सदन राज्य सरकार को भारत के संविधान में संशोधन करने के लिए केन्द्र सरकार से संपर्क करने की सिफारिश करता है जिसमें आयोगों के कार्यों के दृष्टिगत राज्य लोक सेवा आयोग के चेयरमैन तथा सदस्यों की नियुक्ति के लिए उपयुक्त अर्हता विशेष रूप से विहित हो तथा केन्द्र सरकार को संविधान के उपबन्धों को संशोधित करने की और आगे सिफारिश करता है कि जब कभी भी राज्य लोक सेवा आयोग में कोई रिक्ति उत्पन्न होती है, तो उसे केवल शेष अवधि के लिए भरा जाए।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि एक लोक महत्व के गैर सरकारी संकल्प को आपने सदन में चर्चा करने की इजाजत दी है। अध्यक्ष महोदय, यह जो गैर सरकारी संकल्प यहां लाया गया है, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि देश की जंगे आजादी में न जाने कितने लाखों पूर्वजों ने और हमारे भाइयों ने अपने प्राणों की आहूति दी और उनका एक स्वप्न था कि जब देश आजाद होगा तो देश के आजाद होने के बाद देश की व्यवस्था अपने लोगों के हाथों में होगी और वे लोग एक ऐसी अच्छी व्यवस्था देश के लोगों को प्रदान करेंगे जिससे इस देश का अच्छे तरीके से संचालन हो सकेगा और इसका विकास हो सकेगा। अध्यक्ष महोदय, देश के हमारे उन कर्णधारों ने यह भी उम्मीद की थी कि जब ये देश आजाद होगा तो हमारे जो नेता हैं वे बहुत बड़े-बड़े संस्थान बनायेंगे और उन संस्थानों में ऐसे लोग वहां पर जाकर शिक्षा ग्रहण करेंगे और आचरण को प्राप्त करेंगे और वे संस्थान फिर आगे जाकर इस देश के लिए लीडर पैदा करेंगे। इस देश के अन्दर चलते हुए कई ऐसे गुनाहगार राजनीति के वस्त्रों को ओढ़कर लोगों को गुमराह करके सत्ता को प्राप्त कर लेते हैं और संविधान के जितने अनुच्छेद हैं संविधान कि जितनी व्यवस्थाएं हैं उनके साथ घिनौनी छेड़छाड़ करते हैं। प्रदेश और देश के अन्दर यह अपराधी किस्म के राजनेता अपनी शरारतों के माध्यम से संविधान की व्यवस्था के साथ छेड़खानी करने के लिए अयोग्य लोगों को आगे करते हैं। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों की बजाय आज देश का एक गरीब घर में पैदा हुआ बेटा-बेटी

[श्री करण सिंह दलाल]

[illegible]

श्री अध्यक्ष: [illegible] Hon'ble Members, now the House is adjourned till 2.00 P.M. today, the 27th March, 2008.

*13.30 Hrs.] (The Sabha then adjourned till 2.00 P.M. on Thursday, the 27th March, 2008)

Recovery of Debt

125. **Sh. Karan Singh Dalal, MLA :** Will the Co-operation Minister be pleased to State—

(a) the details of the employees of the department of Cooperation including its agencies who have been issued notices or proceeded for recovery of any debt due from them of the department or of its institutions during the period from 1991 to till date; and

(b) the present position of such cases alongwith the action initiated against officers due to whole laxity the debt could not be recovered ?

कृषि मन्त्री (श्री एस०एस० चट्ठा): मांगी गई सूचना निम्न प्रकार से है :—

"क" वर्ष 1991 से 25-3-2008 तक की अवधी में देय ऋण की वसूली हेतु विभाग/सहकारी संस्थाओं द्वारा नोटिस जारी किए गए जिनका विवरण निम्न प्रकार है :—

1. **सहकारी विभाग**

   इस अवधि में सहकारी विभाग का कोई भी कर्मचारी विभाग (सरकार) द्वारा जारी ऋण का डिफाल्टर नहीं पाया गया।

2. **हरियाणा राज्य सहकारी अपैक्स बैंक लिमिटेड, चण्डीगढ़**

   इस अवधि के दौरान 11 कर्मचारियों को मु० 9,72,424/- रु० की राशि के 19 मामलों में ब्याज सहित भिन्न-भिन्न प्रकार के देय ऋणों की वसूली हेतु नोटिस जारी किए गए। इन सभी कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त की जा चुकी हैं लेकिन देय ऋण की वसूली के प्रयास जारी हैं।

3. हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण बैंक लि०
4. हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति एवं विपणन प्रसंघ लि०
5. हरियाणा राज्य सहकारी चीनी मिल प्रसंघ लि०
6. हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि०
7. हरियाणा राज्य सहकारी दुग्ध प्रसंघ लि०
8. हरियाणा राज्य सहकारी आवास प्रसंघ लि०
9. हरियाणा राज्य सहकारी श्रम एवं निर्माण प्रसंघ लि०

   उपरोक्त सहकारी शीर्ष संस्थाओं में कोई अतिदेय ऋण केस नहीं है।

10. **केन्द्रीय सहकारी बैंक**

   इस अवधि के दौरान 552 कर्मचारियों से देय ऋण मु० 2,67,08,575/- रु० के अतिदेय मामले पाए गए जिनको विभिन्न केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा वसूली के लिए नोटिस दिए गए जिसका विवरण अनुबन्ध "ख" पर दिया गया है।

कृषि मन्त्री (श्री एस०एस० चट्ठा):

11. **जिला प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक लि०**

इस अवधि के दौरान विभिन्न जिला प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंकों द्वारा 43 अतिदेय ऋणी सदस्यों को मु० 22,17,343/- रु० की वसूली के लिए नोटिस जारी किए गए जिनका विवरण अनुबन्ध "ख" पर दिया गया है।

12. **सहकारी वेतन भोगी थ्रीफट एवं क्रेडिट समितियाँ**

इस अवधि के दौरान विभाग/संस्थाओं के 81 अतिदेय ऋणी सदस्यों को मु० 29,02,356/- रु० की वसूली के लिए विभिन्न सहकारी वेतन भोगी थ्रीफट एवं क्रेडिट समितियों द्वारा नोटिस जारी किए गए जिनका विवरण अनुबन्ध "ख" पर दिया गया है।

13. **प्राथमिक सहकारी कृषि समितियाँ**

इस अवधि के दौरान विभाग/सहकारी संस्थाओं के 54 अतिदेय ऋणी सदस्यों से मु० 29,55,552/- रु० की राशि की वसूली के लिए विभिन्न सहकारी कृषि समितियों द्वारा नोटिस जारी किए गए जिनका विवरण अनुबन्ध "ख" पर दिया गया है।

14. **अर्बन सहकारी बैंक**

इस अवधि के दौरान विभाग/सहकारी संस्थाओं के 53 अतिदेय ऋणी सदस्यों को मु० 2,86,88,695/- रु० की वसूली के लिए विभिन्न अर्बन सहकारी बैंकों के द्वारा नोटिस जारी किए गए जिनका विवरण अनुबन्ध "ख" पर दिया गया है।

"ख" अतिदेय ऋणों की वसूली कार्यवाही अधीन है और सम्बन्धित सहकारी संस्थाओं/विभाग द्वारा इन ऋणों की वसूली के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि हरियाणा सहकारी अधिनियम, 1984 की धारा 104 में दिनांक 26-4-2006 को सरकार द्वारा संशोधन के कारण नियमानुसार वसूली की ठोस कार्यवाही नहीं की जा सकी केवल वसूली के लिए नोटिस जारी किए जा सकते है और निजी सम्पर्क करके वसूली की कार्यवाही की जा रही है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार/केन्द्र सरकार द्वारा जारी एक मुश्त ऋण अदायगी स्कीम/ऋण माफी की घोषणाओं के कारण ऋण वसूली की ठोस कार्यवाही अमल में नहीं लाई जा सकी/विभिन्न सहकारी संस्थाएं कन्जुमर ऋण, वाहन ऋण, शादी ऋण, व्यक्तिगत ऋण तथा कृषि ऋण जारी करती है जिसके लिए कोई सम्पत्ति रहन करने का प्रावधान नहीं है इसलिए सम्पत्ति की कुड़की नहीं की जा सकती लेकिन सक्षम अधिकारियों द्वारा संशोधित अधिनियम अनुसार वसूली के लिए नियमित तौर पर नोटिस जारी किए जा रहे है।

अनुबन्ध "ख"

क्र०सं०	कर्मचारी का नाम व पद	संस्था जिससे ऋण प्राप्त किया	ऋण की राशी	तिथि	की गई कार्यवाही
1	2	3	4	5	6
उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रोहतक					
1.	श्री प्रेम सिंह, उप०नि०	एस०ई०टी०सी०लि० लॉर्ड कृष्णा	52300	25-05-2006	नोटिस जारी
2.	श्री अशोक कुमार, लिपिक	सहकारी बैंक ब्रांच बहादुरगढ़	50000	30-05-2005	नोटिस जारी
3.	श्रीमती ओमपती देवी, लिपिक	सहकारी बैंक ब्रांच झज्जर	40000	04-05-2006	नोटिस जारी
4.	श्री दिलबाग सिंह, निरीक्षक	सहकारी बैंक ब्रांच बेरी	50000	00-05-1986	नोटिस जारी
5.	श्री सुरत सिंह निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	50000	00-03-2006	नोटिस जारी
6.	श्री राजेन्द्र सिंह लिपिक	टी०सी० नारनौल	16000	00-00-1995	नोटिस जारी
7.	श्री जसबीर सिंह लिपिक	सहकारी बैंक ब्रांच झज्जर	50000	01-04-1999	नोटिस जारी
8.	श्री पाला राम लेखाकार	एस०ई०टी०सी० जींद	10000	25-05-1999	नोटिस जारी
9.	श्री रघुवीर सिंह लिपिक	एस०ई०टी०सी० नरवाना	19500	23-07-1990	नोटिस जारी
10.	श्री चन्द्र भान सेवक	एस०ई०टी०सी० नरवाना	31500	18-04-1994	नोटिस जारी
11.	श्री मदन लाल लिपिक	एस०ई०टी०सी० नरवाना	40000	31-08-2005	नोटिस जारी
12.	श्री भगत राम लिपिक	एस०ई०टी०सी० जींद	10000	0-06-2005	नोटिस जारी
13.	श्री सतबीर सिंह सेवक	एस०ई०टी०सी० जींद	12000	00-00-0000	नोटिस जारी
14.	श्री दिलबाग सिंह, उप०नि०	एस०ई०टी०सी० उचाना	50000	01-08-1983	नोटिस जारी
15.	श्री रोशन लाल, सेवक	एस०ई०टी०सी० सफीदों	50000	07-08-1992	नोटिस जारी
16.	स्व० श्री जयकिशन लिपिक	एस०ई०टी०सी०	32945	06-12-2001	नोटिस जारी
		कुल योग	**564245**		

(14977

1	2	3	4	5	6
सहकारी बैंक रोहतक					
17.	श्री ओ०पी० त्यागी	सहकारी बैंक, रोहतक	8000	01-08-1983	नोटिस जारी
18.	श्री जे०एल० चुग से०नि० उप-रजि०	सहकारी बैंक, रोहतक	150000	07-08-1992	नोटिस जारी
		सहकारी बैंक, रोहतक	150000	06-12-2001	
19.	श्री महीपाल सिंह से०नि० उप०रजि०	सहकारी बैंक, रोहतक	184000	11-08-1997	नोटिस जारी
		सहकारी बैंक, रोहतक	150000	31-08-1998	
20.	श्री महावीर सिंह उप०नि०	सहकारी बैंक, रोहतक	100000	06-10-2006	नोटिस जारी
21.	श्री तरुण कुमार, लिपिक	सहकारी बैंक, रोहतक	100000	26-04-2006	नोटिस जारी
22.	श्री विजेन्द्र मलिक, लिपिक	सहकारी बैंक, रोहतक	50000	16-01-2005	नोटिस जारी
23.	श्री सतवीर शर्मा, लैक्चरार	सहकारी बैंक, रोहतक	78000	24-07-2006	नोटिस जारी
24.	श्री दरियो सिंह, सहायक	सहकारी बैंक, रोहतक	100000	15-11-2006	नोटिस जारी
25.	श्री धन राज, स्टेनो	सहकारी बैंक, रोहतक	50000	08-09-2003	नोटिस जारी
26.	श्री सतीश कुमार, सेवक	सहकारी बैंक, रोहतक	50000	10-10-2006	नोटिस जारी
27.	श्री धर्म पाल लिपिक	सहकारी बैंक, रोहतक	100000	15-07-2006	नोटिस जारी
28.	श्री सुरज सिंह, लिपिक	सहकारी बैंक, रोहतक	100000	08-09-2006	नोटिस जारी
29.	श्री विजेन्द्र सिंह, मलिक	सहकारी बैंक, रोहतक	100000	15-07-2006	नोटिस जारी
30.	श्री कुलदीप सिंह, निरीक्षक	सहकारी बैंक, रोहतक	100000	05-11-1997	नोटिस जारी
		कुल योग	**928000**		

1	2	3	4	5	6
सहकारी बैंक, झज्जर					
31.	श्री ओम प्रकाश, चौकीदार	पैक्स सातनहेल	57161	16-06-2006	नोटिस जारी
	सम	सम	15000	31-01-2007	नोटिस जारी
32.	श्री राम निवास, विक्रेता	बी०ओ० सातनहेल	20000	31-01-2007	नोटिस जारी
33.	श्री सुखवीर सिंह, सचिव	पैक्स साल्हावास	57300	18-10-2005	नोटिस जारी
34.	श्री महावीर, लिपिक	पैक्स साल्हावास	64025	05-02-2007	नोटिस जारी
35.	श्री राजवीर, विक्रेता	पैक्स छछरौली	68905	27-03-2007	नोटिस जारी
	सम	सम	4800		नोटिस जारी
36.	श्री संजीव, विक्रेता	पैक्स डीघल	59858	04-07-2005	नोटिस जारी
37.	श्री नरेन्द्र, विक्रेता	पैक्स सुबाना	10000	01-06-2007	नोटिस जारी
38.	श्री अनिल कुमार, चौकीदार	पैक्स मछरौली	64264	02-12-2006	नोटिस जारी
39.	श्री रघुवीर सिंह, चौकीदार	पैक्स मछरौली	68040	12-01-2007	नोटिस जारी
40.	श्री शिव कुमार, विक्रेता	पैक्स खानपुर	62600	26-02-2007	नोटिस जारी
41.	श्री नरेश, विक्रेता	पैक्स दुलहेड़ा	8830	01-12-2005	नोटिस जारी
	सम	सम	50000	31-03-2006	नोटिस जारी
	सम	सम	20000	18-01-2005	नोटिस जारी
42.	श्री ईश्वर, विक्रेता	पैक्स दुलहेरा	5745	31-10-2006	नोटिस जारी
	सम	सम	52000	01-01-2006	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
43.	श्री धर्मवीर चौकीदार	पैक्स छुछकवास	56262	03-11-2004	नोटिस जारी
44.	श्री सुरिन्द्र सचिव	पैक्स छुछकवास	33000	04-12-2004	नोटिस जारी
45.	श्री वरिन्द्र चौकीदार	पैक्स बेरी	52500	25-01-2007	नोटिस जारी
	-सम-	-सम-	17388	15-02-2007	नोटिस जारी
		कुल योग	847673		
सहकारी बैंक, जींद					
46.	श्री सीता राम, विक्रेता	पैक्स शामलोकलां	61406	27-02-07	नोटिस जारी
47.	श्री सत्या नारायण, चौकीदार	पैक्स शामलोकलां	67388	12-01-07	नोटिस जारी
48.	श्री पवन कुमार, सचिव	पैक्स पेंगा	76947	06-07-05	नोटिस जारी
49.	श्री राजबीर, सचिव	पैक्स पेंगा	58252	23-12-05	नोटिस जारी
50.	श्री राज कुमार, सेवक	पैक्स अलेवा	59888	30-12-06	नोटिस जारी
51.	श्री राम कुमार, सेवक	पैक्स अलेवा	49924	10-12-06	नोटिस जारी
52.	श्री सुरज भान, सेवक	पैक्स अलेवा	66447	08-01-06	नोटिस जारी
53.	श्री नरेन्द्र विक्रेता	पैक्स शादीपुर जुलाना	58107	25-01-07	नोटिस जारी
54.	श्री सुभाष चन्द्र विक्रेता	पैक्स शादीपुर जुलाना	60905	06-01-07	नोटिस जारी
55.	श्री सुन्दर लाल विक्रेता	पैक्स शादीपुर जुलाना	58101	09-12-06	नोटिस जारी
56.	श्री पूर्ण चन्द चौकीदार	पैक्स शादीपुर जुलाना	60350	02-12-06	नोटिस जारी
57.	श्री रणवीर सिंह चौकीदार	पैक्स रदाना	10000	24-05-03	नोटिस जारी
58.	श्री दिलबाग सिंह चौकीदार	पैक्स मोरखी	68740	28-10-05	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
59.	श्री लहना चौकीदार	पैक्स मोरखी	64922	03-12-06	नोटिस जारी
60.	श्री धर्मवीर आशुलिपिक	पैक्स धनतान साहिब	69008	18-11-05	नोटिस जारी
61.	श्री रामकिशन चौकीदार	पैक्स बड़ोता	58440	31-05-05	नोटिस जारी
62.	श्री रघुवीर सिंह विक्रेता	पैक्स नगुरा	44868	06-12-05	नोटिस जारी
63.	श्री राम रत्न सेवक	पैक्स हाट	63464	31-05-06	नोटिस जारी
64.	श्री सूरत सिंह सेवक	पैक्स जींद	56885	31-01-06	नोटिस जारी
65.	श्री राम कुमार विक्रेता	पैक्स नगुरा	28380	16-06-06	नोटिस जारी
66.	श्री खजान सिंह विक्रेता	पैक्स जींद	46878	28-02-04	नोटिस जारी
67.	श्री सत्यानारायण आशुलिपिक	पैक्स उचाना	45435	31-05-05	नोटिस जारी
68.	श्रीमति कविता विक्रेता	पैक्स नगुरा	68250	31-05-05	नोटिस जारी
69.	श्री धर्मवीर विक्रेता	पैक्स पिल्लूखेड़ा	57428	31-01-05	नोटिस जारी
70.	श्री ब्रहमजीत विक्रेता	पैक्स बड़ौदा	51040	31-05-06	नोटिस जारी
71.	श्री सुबे सिंह आशुलिपिक	पैक्स बड़ौदा	107890	31-05-05	नोटिस जारी
72.	श्री शमशेर सिंह सेवक	पैक्स हाट	48914	31-05-06	नोटिस जारी
73.	श्री राज कुमार आशुलिपिक	पैक्स रामपुरा	58252	31-05-05	नोटिस जारी
74.	श्री रोशन लाल चौकीदार	पैक्स रामपुरा	10000	31-05-05	नोटिस जारी
75.	श्री सतपाल चौकीदार	पैक्स रामपुरा	10000	31-01-04	नोटिस जारी
76.	श्री ओमकार आशुलिपिक	पैक्स रामपुरा	58390	31-01-06	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
77.	श्री कर्मवीर आशुलिपिक	पैक्स रामपुरा	20030	31-01-1993	नोटिस जारी
78.	श्री नरेश कुमार विक्रेता	पैक्स रामपुरा	62972	31-05-06	नोटिस जारी
79.	श्री महेन्द्र सिंह विक्रेता	पैक्स रामपुरा	26972	31-05-1996	नोटिस जारी
80.	श्री धर्म सिंह आशुलिपिक	पैक्स धमतान साहिब	67799	31-01-04	नोटिस जारी
		कुल योग	**1882672**		
पी०ए०आर०डी०बी० जींद					
81.	श्री राम मेहर	सहकारी बैंक जुलाना	200000	05-11-01	नोटिस जारी
	सम	सम	40000	09-07-01	नोटिस जारी
	सम	सम	3,50,000	08-04-01	नोटिस जारी
82.	श्री सुरेन्द्र सिंह	पी०ए०आर०डी०बी० जींद	50000	16-09-98	नोटिस जारी
		कुल योग	**6,40,000**		
सहकारी बैंक करनाल/समितियाँ					
83.	श्री रामेश्वर दयाल लेखाकार	सहकारी बैंक करनाल	61367	01-12-95	नोटिस जारी
84.	श्री दिलीप सिंह सहायक रजिस्ट्रार	सहकारी बैंक करनाल	58739		नोटिस जारी
85.	श्री राम से०नि० मुख्य लिपिक	सहकारी बैंक करनाल	32200		नोटिस जारी
86.	श्री बलजीत सिंह सहायक रजि०	सहकारी बैंक करनाल	45821		नोटिस जारी
87.	श्री सुलतान सिंह लिपिक ए०ओ०	सहकारी बैंक करनाल	38892	30-06-02	नोटिस जारी
88.	श्री गुरनाम सिंह सेवक	सहकारी बैंक करनाल	43442	07-08-01	नोटिस जारी
89.	श्री नवनीत कुमार एल०वी०ओ०	सहकारी बैंक करनाल	49447	31-08-07	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
90.	श्री लख्खी राम चौकीदार	सहकारी बैंक करनाल	6090		नोटिस जारी
91.	श्री आर०के० दहिया प्रबन्धक निदेशक	एस०ई०टी०सी० करनाल	77993	दिसम्बर 98	नोटिस जारी
92.	श्री विरेन्द्र सैनी लिपिक	एस०ई०टी०सी० करनाल	60000	30-06-96	नोटिस जारी
93.	श्री आजाद सिंह लिपिक	एस०ई०टी०सी० करनाल	43000	मई 06	नोटिस जारी
94.	श्री रणधीर सिंह निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० करनाल	2934		नोटिस जारी
95.	श्री विजय कुमार ई०ओ०	अर्बन बैंक करनाल	17227		नोटिस जारी
96.	श्री नरेन्द्र कुमार डी०ओ०	अर्बन बैंक करनाल	45863		नोटिस जारी
97.	श्री विजय कुमार सेवक	अर्बन बैंक करनाल	46439		नोटिस जारी
98.	श्री रामेश्वर दयाल सेवक	अर्बन बैंक करनाल	58150		नोटिस जारी
99.	श्री राम जौरी निरीक्षक	अर्बन बैंक करनाल	45622		नोटिस जारी
100.	श्री लख्मीचन्द निरीक्षक	अर्बन बैंक करनाल	71780		नोटिस जारी
101.	श्री हंस राज उप निरीक्षक	अर्बन बैंक करनाल	27010		नोटिस जारी
102.	श्री राम चन्द्र उप निरीक्षक	अर्बन बैंक करनाल	19243		नोटिस जारी
103.	श्री बलजीत सिंह सें०नि० सहायक रजि०	अर्बन बैंक करनाल	26246		नोटिस जारी
104.	श्री संदेश कुमार निरीक्षक	अर्बन बैंक करनाल	97765		नोटिस जारी
105.	श्री करतार सिंह विक्रेता	अर्बन बैंक करनाल	38710		नोटिस जारी
106.	श्री राम कुमार उप निरीक्षक	अर्बन बैंक करनाल	75413		नोटिस जारी
107.	श्री प्रेम कुमार चावला स्टोर	अर्बन बैंक करनाल	36374		नोटिस जारी
108.	श्री बलराज सिंह लिपिक	अर्बन बैंक करनाल	65451		नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
109.	श्रीमती सावित्री देवी सेवक	अर्बन बैंक करनाल	47794		नोटिस जारी
110.	श्री विजय कुमार सेवक	अर्बन बैंक करनाल	51642		नोटिस जारी
111.	श्री मांगे राम सहायक रजि०	अर्बन बैंक करनाल	296790		नोटिस जारी
112.	श्री राज कुमार उप निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० करनाल	15880	2006	नोटिस जारी
113.	श्री दिलीप सिंह सहायक रजि०	एस०ई०टी०सी० करनाल	76400	2004	नोटिस जारी
114.	श्री राम सिंह उप अधीक्षक से०नि०	एस०ई०टी०सी० करनाल	39880	1995	नोटिस जारी
115.	श्री सुलतान सिंह एच०सी०से०नि०	एस०ई०टी०सी० करनाल	3250	1991	नोटिस जारी
116.	श्री रविन्द्र नाथ एच०सी०से०नि०	एस०ई०टी०सी० करनाल	8378	1987	नोटिस जारी
117.	श्री इकबाल सिंह निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० करनाल	41054	1994	नोटिस जारी
118.	श्री ओम प्रकाश पठानिया निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० करनाल	72300	1998	नोटिस जारी
119.	श्री वजीर सिंह उप निरीक्षक से०नि०	एस०ई०टी०सी० करनाल	12498	1990	नोटिस जारी
120.	श्री जनार्धन दास, उप निरीक्षक से०नि०	एस०ई०टी०सी० करनाल	76217	1992	नोटिस जारी
121.	स्व० श्री जगदीश चन्द्र एच०सी०	एस०ई०टी०सी० करनाल	46876	1988	नोटिस जारी
122.	श्री श्रीराम शर्मा एच०सी०से०नि०	एस०ई०टी०सी० करनाल	6655	2002	नोटिस जारी
123.	श्री वजीर सिंह दलाल मुख्य लिपिक	एस०ई०टी०सी० करनाल	3425	1999	नोटिस जारी
124.	श्री संजय कुमार लिपिक	एस०ई०टी०सी० करनाल	16680	1989	नोटिस जारी
125.	श्री बलराम सैनी उप अधीक्षक	एस०ई०टी०सी० करनाल	19250	1995	नोटिस जारी
126.	श्रीमती सावित्री देवी सेवक	एस०ई०टी०सी० करनाल	38900	2005	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
127.	श्री सतीश कुमार सेवक	एस०ई०टी०सी० करनाल	46760	2006	नोटिस जारी
128.	श्री वेद पाल उप निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० करनाल	40790	1994	नोटिस जारी
129.	श्री रामेश्वर दास उप निरीक्षक ऑडिट	एस०ई०टी०सी० करनाल	80910	1996	नोटिस जारी
130.	श्री ओम प्रकाश उप निरीक्षक ऑडिट	एस०ई०टी०सी० करनाल	40570	1998	नोटिस जारी
131.	श्री जय किशन लिपिक	एस०ई०टी०सी० करनाल	33720	2003	नोटिस जारी
132.	श्री रामेश्वर दयाल सेवक	एस०ई०टी०सी० करनाल	22380		नोटिस जारी
133.	श्री विजय कुमार सेवक	एस०ई०टी०सी० करनाल	32910	2004	नोटिस जारी
134.	श्री सत्यमान लिपिक	एस०ई०टी०सी० करनाल	63040	2004	नोटिस जारी
135.	श्री गुरनाम सिंह सेवक	एस०ई०टी०सी० करनाल	50980	2005	नोटिस जारी
		कुल	**2477147**		
सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, सोनीपत					
136.	श्री अजय सिंह उप निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० सोनीपत	25668		नोटिस जारी
137.	श्री संजय सिंह लिपिक	एस०ई०टी०सी० सोनीपत	74750		नोटिस जारी
		कुल योग	**100418**		
एस०ई०टी०सी० यमुनानगर					
138.	श्री प्रीतम सिंह सहायक	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	67300		नोटिस जारी
139.	श्री राजेश कुमार सेवक	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	33255		नोटिस जारी
140.	श्री सतपाल शर्मा सहायक रजि०	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	53050		नोटिस जारी

(14)85

1	2	3	4	5	6
141.	श्री किशन किशोर उप निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	17559		नोटिस जारी
142.	श्री राकेश कुमार उप निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	60152		नोटिस जारी
143.	श्री हरनाम सिंह ए०ओ०	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	8505		नोटिस जारी
144.	श्री रूप चन्द सेवक	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	40965		नोटिस जारी
145.	श्री केहर सिंह सेवक	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	49660		नोटिस जारी
146.	श्री जय सिंह निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	36205		नोटिस जारी
147.	श्री सूरज कमल निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	66535		नोटिस जारी
148.	श्री सिनर कुमार लिपिक	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	38245		नोटिस जारी
149.	श्री ईश्वर दास सेवक	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	37260		नोटिस जारी
150.	श्री सतीश कुमार निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	40805		नोटिस जारी
151.	श्री अब्बदुल सत्तार लिपिक	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	20955		नोटिस जारी
152.	श्री बी०डी० चौहान निरीक्षक स०नि०	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	26155		नोटिस जारी
153.	श्री बृज भग्गल उप निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० यमुनानगर	47172		नोटिस जारी
		कुल योग	**643778**		
अर्बन बैंक यमुनानगर					
154.	श्री सुरिन्द्र सिंह निरीक्षक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	80369		नोटिस जारी
155.	श्री राज पाल उप निरीक्षक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	42430		नोटिस जारी
156.	श्री ओम प्रकाश उप निरीक्षक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	45672		नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
157.	श्री सूरज कमल निरीक्षक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	92771		नोटिस जारी
158.	श्री ओम प्रकाश पठानिया निरीक्षक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	74957		नोटिस जारी
159.	श्री सुरेश कुमार सेवक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	120640		नोटिस जारी
160.	श्री राज पाल लिपिक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	95654		नोटिस जारी
161.	श्री मेहर चन्द ऑडिट	अर्बन बैंक, यमुनानगर	97360		नोटिस जारी
162.	श्री लाल सिंह ऑडिट	अर्बन बैंक, यमुनानगर	96630		नोटिस जारी
163.	श्री वरिन्द्र सिंह एल०वी०ओ०	अर्बन बैंक, यमुनानगर	90909		नोटिस जारी
164.	श्री राम सरन एल०वी०ओ०	अर्बन बैंक, यमुनानगर	89460		नोटिस जारी
165.	श्री रघु नन्दन एल०वी०ओ०	अर्बन बैंक, यमुनानगर	94590		नोटिस जारी
166.	श्री कर्णवीर सिंह लिपिक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	44047		नोटिस जारी
167.	श्री रमाकांत मुख्य लेखाकार	अर्बन बैंक, यमुनानगर	22747		नोटिस जारी
168.	श्री गुरमेल सिंह मुख्य लेखाकार	अर्बन बैंक, यमुनानगर	8251		नोटिस जारी
169.	श्री नरेश कुमार सेवक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	90000		नोटिस जारी
170.	श्री धर्मवीर लिपिक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	55058		नोटिस जारी
171.	श्री नरेन्द्र सिंह लिपिक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	90398		नोटिस जारी
172.	श्री धर्मपाल मुख्य लेखाकार	अर्बन बैंक, यमुनानगर	9950		नोटिस जारी
173.	श्री राम सिंह, लिपिक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	50450		नोटिस जारी
174.	श्री हरवंस सिंह, लिपिक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	51475		नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
175.	श्री सुरेश चन्द, सचिव	अर्बन बैंक, यमुनानगर	10374		नोटिस जारी
176.	श्री देवी सिंह, लिपिक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	11429		नोटिस जारी
177.	श्री सुरजभान, लिपिक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	78856		नोटिस जारी
178.	श्री पवन सिंह, लिपिक	अर्बन बैंक, यमुनानगर	34646		नोटिस जारी
		कुल योग	**1579123**		
सहकारी बैंक यमुनानगर					
179.	श्री तिलक राज, विक्रेता	सहकारी बैंक यमुना नगर	67308		नोटिस जारी
180.	श्री जय प्रकाश, विक्रेता	सहकारी बैंक यमुना नगर	81924		नोटिस जारी
181.	श्री वरिन्द्र, विक्रेता	सहकारी बैंक यमुना नगर	48653		नोटिस जारी
182.	श्री बलबीर सिंह, विक्रेता	सहकारी बैंक यमुना नगर	12207		नोटिस जारी
183.	श्री चन्द्र पाल, चौकीदार	सहकारी बैंक यमुना नगर	11740		नोटिस जारी
184.	श्री जगदीश, चौकीदार	सहकारी बैंक यमुना नगर	11400		नोटिस जारी
185.	श्री अशोक कुमार, सेवक	सहकारी बैंक यमुना नगर	9420		नोटिस जारी
186.	श्री पाल सिंह, लिपिक	सहकारी बैंक यमुना नगर	56072		नोटिस जारी
187.	श्री ऋषी पाल, चौकीदार	सहकारी बैंक यमुना नगर	10590		नोटिस जारी
188.	श्री राज कुमार, विक्रेता	सहकारी बैंक यमुना नगर	38611		नोटिस जारी
189.	श्री रमेश कुमार, सेवक	सहकारी बैंक यमुना नगर	41860		नोटिस जारी
190.	श्री धर्म सिंह, सेवक	सहकारी बैंक यमुना नगर	57540		नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
191.	श्री शेरजंग, सचिव	सहकारी बैंक यमुना नगर	36120		नोटिस जारी
192.	श्री करनैल, विक्रेता	सहकारी बैंक यमुना नगर	33100		नोटिस जारी
193.	श्री जगमाल, विक्रेता	सहकारी बैंक यमुना नगर	63840		नोटिस जारी
194.	श्री मोहन लाल, सेवक	सहकारी बैंक यमुना नगर	40028		नोटिस जारी
195.	श्री प्रदीप कुमार, विक्रेता	सहकारी बैंक यमुना नगर	61620		नोटिस जारी
196.	श्री राम फाल, लिपिक	सहकारी बैंक यमुना नगर	35980		नोटिस जारी
197.	श्री मोलू राम, सेवक	सहकारी बैंक यमुना नगर	70120		नोटिस जारी
198.	श्रीमती मामो देवी, सेवक	सहकारी बैंक यमुना नगर	11250		नोटिस जारी
199.	श्री परसा राम, चौकीदार	सहकारी बैंक यमुना नगर	10120		नोटिस जारी
200.	श्री प्रीतम सिंह, लिपिक	सहकारी बैंक यमुना नगर	36080		नोटिस जारी
201.	श्री फूल चन्द, लिपिक	सहकारी बैंक यमुना नगर	18120		नोटिस जारी
202.	श्री सुरिन्द्र कुमार लिपिक	सहकारी बैंक यमुना नगर	51710		नोटिस जारी
		कुल योग	**915419**		
सहकारी बैंक सोनीपत					
203.	श्री दलीप सिंह, सहायक रजि०	सहकारी बैंक सोनीपत	25950		नोटिस जारी
204.	श्री विजेन्द्र सिंह, लिपिक	सहकारी बैंक सोनीपत	15488		नोटिस जारी
205.	श्री रणधीर सिंह, लिपिक	सहकारी बैंक सोनीपत	60403		नोटिस जारी
206.	श्री विरेन्द्र दहिया, सहायक रजि०	सहकारी बैंक सोनीपत	7960		नोटिस जारी

(14189)

1	2	3	4	5	6
207.	श्री निहाल सिंह, निरीक्षक	सहकारी बैंक सोनीपत	45000		नोटिस जारी
208.	श्री साने सिंह, विक्रेता	सहकारी बैंक सोनीपत	81121		नोटिस जारी
209.	श्री राजेन्द्र सिंह, सचिव	सहकारी बैंक सोनीपत	53650		नोटिस जारी
210.	श्री चांद, विक्रेता	सहकारी बैंक सोनीपत	74212		नोटिस जारी
211.	श्री जगदीश, लिपिक	सहकारी बैंक सोनीपत	74212		नोटिस जारी
212.	श्री राम सिंह कुंडु, जुनियर लेखाकार	सहकारी बैंक सोनीपत	112100		नोटिस जारी
213.	श्री सतबीर, विक्रेता	सहकारी बैंक सोनीपत	52185		नोटिस जारी
214.	श्री अतर सिंह, चौकीदार	सहकारी बैंक सोनीपत	53000		नोटिस जारी
215.	श्री रामभज, लिपिक	सहकारी बैंक सोनीपत	31800		नोटिस जारी
216.	श्री सतपाल सिंह, रक्षक	सहकारी बैंक सोनीपत	39013		नोटिस जारी
217.	श्री धर्मबीर, से०नि० सचिव	सहकारी बैंक सोनीपत	63000		नोटिस जारी
218.	श्री महाबीर सिंह	सहकारी बैंक सोनीपत	155405		नोटिस जारी
219.	श्री मुकेश कुमार	सहकारी बैंक सोनीपत	49613		नोटिस जारी
220.	श्री मनोज कुमार	सहकारी बैंक सोनीपत	80750		नोटिस जारी
		कुल योग	**1074862**		
डी०पी०ए०आर०डी०बी०, सोनीपत					
221.	श्री मोहिन्द, पर्ची मेकर	पी०सी०ए०आर०डी०बी०, गन्नौर	98701		नोटिस जारी
222.	श्री दया सिंह, लिपिक	पी०सी०ए०आर०डी०बी०, मुडलाना	30195		नोटिस जारी
223.	श्री राम सिंह, लेखाकार	पी०सी०ए०आर०डी०बी०, मुडलाना	31765		नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
224.	श्री राजवीर, सेवक	पी०सी०ए०आर०डी०बी०, सोनीपत	21000		नोटिस जारी
225.	श्री राम पाल, सेवक	पी०सी०ए०आर०डी०बी०, सोनीपत	19000		नोटिस जारी
		कुल योग	**200661**		
उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, कुरुक्षेत्र					
226.	श्री इन्द्र सिंह, चालक		37006	06-06-02	नोटिस जारी
227.	श्री ओम प्रकाश, निरीक्षक	अर्बन बैंक कुरुक्षेत्र	14112	--	नोटिस जारी
	-सम-	-सम-	100156		नोटिस जारी
228.	श्री रामेश्वर दास उप निरिक्षक	सहकारी बैंक कुरुक्षेत्र	7966	26-06-95	नोटिस जारी
229.	श्री महीपाल चालक		44384		नोटिस जारी
230.	श्रीमती केल्हो देवी, सेवक	सहकारी बैंक कुरुक्षेत्र	49880	18-08-05	नोटिस जारी
231.	श्री श्याम लाल, सेवक	एस०ई०टी०सी० कुरुक्षेत्र	22618	02-04-03	नोटिस जारी
232.	श्री भिखु राम, उप निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० कुरुक्षेत्र	12000	30-07-07	नोटिस जारी
233.	श्री ओम प्रकाश, सेवक	पैक्स बराड़ा	12068		नोटिस जारी
234.	श्री अशोक कुमार	अर्बन बैंक कुरुक्षेत्र	11884		नोटिस जारी
235.	श्री जगीर सिंह	अर्बन बैंक कुरुक्षेत्र	9944		नोटिस जारी
236.	श्री जया लाल, निरीक्षक, से०नि०	अर्बन बैंक कुरुक्षेत्र	10275	21-03-97	नोटिस जारी
237.	श्री सतीश कुमार, लिपिक		32593	21-05-97	नोटिस जारी
238.	श्री राम मेहर, उप निरीक्षक		64944	16-09-2000	नोटिस जारी

(1491)

1	2	3	4	5	6
239.	श्री बलबीर सिंह, सहायक रजि०		24980	15-05-02	नोटिस जारी
240.	श्री मेहर सिंह, निरीक्षक		33261	04-03-05	नोटिस जारी
241.	श्री रोशन लाल, निरीक्षक	एस०ई०टी०सी०, नारायणगढ़	124218	14-06-02	नोटिस जारी
	-सम-	पैक्स चढुनी जटां	135175	29-01-02	नोटिस जारी
	-सम-	सहकारी बैंक चढुनी जटां	77713	08-03-97	नोटिस जारी
	-सम-	एस०ई०टी०सी०, अम्बाला	39741	--	नोटिस जारी
242.	श्री जिया लाल, निरीक्षक से०नि०	सहकारी बैंक कुरुक्षेत्र	10275	21-03-97	नोटिस जारी
243.	श्री सतीश कुमार, लिपिक	सहकारी बैंक कुरुक्षेत्र	32593	21-05-97	नोटिस जारी
244.	श्री राम मेहर उप निरीक्षक	सहकारी बैंक कुरुक्षेत्र	64944	16-09-2000	नोटिस जारी
245.	श्री बलबीर सिंह, लेखाकार	सहकारी बैंक कुरुक्षेत्र	24980	15-05-2002	नोटिस जारी
246.	श्री मेहर सिंह, उप निरीक्षक	सहकारी बैंक कुरुक्षेत्र	33261	04-03-2005	नोटिस जारी
		कुल योग	**1030971**		
उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, हिसार					
247.	श्री धर्मपाल दफ्तरी	सहकारी बैंक हिसार	42244		नोटिस जारी
248.	श्री दलीप सिंह, एल०वी०ओ०	सहकारी बैंक हिसार	6552		नोटिस जारी
249.	श्री विजय सिंह गोदारा	सहकारी बैंक हिसार	28558		नोटिस जारी
250.	श्री प्रताप सिंह, सचिव से०नि०	सहकारी बैंक हिसार	11748		नोटिस जारी
251.	श्री धर्मपाल, लिपिक सहायक रजि०	सहकारी बैंक हिसार	139932		नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
252.	श्री लखमी चन्द, सहायक रजि०	सहकारी बैंक हिसार	149960		नोटिस जारी
253.	श्री नानक चन्द, सहायक रजि०	सहकारी बैंक हिसार	77733		नोटिस जारी
254.	श्री महावीर प्रसाद, सहायक रजि०	सहकारी बैंक हिसार	136643		नोटिस जारी
255.	श्री रतन सिंह, उप रजि०	सहकारी बैंक हिसार	166354		नोटिस जारी
256.	श्री जय देव, कॉन्फेड स्टोर	सहकारी बैंक हिसार	125867		नोटिस जारी
257.	श्री जगदीश, विक्रेता सहकारी भण्डार	सहकारी बैंक हिसार	129902		नोटिस जारी
258.	श्री नरिन्द्र सिंह गिल, जनरल मैनेजर	सहकारी बैंक हिसार	22821		नोटिस जारी
259.	श्री राजवीर मोर, सहायक रजि०	सहकारी बैंक हिसार	273256		नोटिस जारी
260.	श्री भूप सिंह प्रधान, एस०सी०पी०सी०	सहकारी बैंक हिसार	4552804		नोटिस जारी
261.	श्री कंवर सिंह मोर, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	51670		नोटिस जारी
262.	श्री रामधारी सिंह, कन्जयूमर स्टोर	सहकारी बैंक हिसार	71199		नोटिस जारी
263.	श्री धूप सिंह	सहकारी बैंक हिसार	93194		नोटिस जारी
264.	श्री राम चन्द्र, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	20970		नोटिस जारी
265.	श्री लीलाधर, सेवक	सहकारी बैंक हिसार	9954		नोटिस जारी
266.	श्री अशोक, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	36314		नोटिस जारी
267.	श्री जगवीर, सेवक	सहकारी बैंक हिसार	34181		नोटिस जारी
268.	श्री राम पाल, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	9852		नोटिस जारी
269.	श्री मेवा सिंह, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	6600		नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
270.	श्री राम कुमार, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	8448		नोटिस जारी
271.	श्री सम्मीद सिंह, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	10799		नोटिस जारी
272.	श्री राम सिंह, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	20993		नोटिस जारी
273.	श्री बलजीत सिंह, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	3130		नोटिस जारी
274.	श्री अशोक कुमार, जे०ऐ०	सहकारी बैंक हिसार	9071		नोटिस जारी
275.	श्री नरसी राम गोड, जनरल मैनेजर	सहकारी बैंक हिसार	464019		नोटिस जारी
276.	श्री प्रीतम, जे०ऐ०	सहकारी बैंक हिसार	15000		नोटिस जारी
277.	श्री सुखपाल, जे०ऐ०	सहकारी बैंक हिसार	8259		नोटिस जारी
278.	श्री ओम प्रकाश, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	12411		नोटिस जारी
279.	श्री महावीर सिंह, एस०एम०	सहकारी बैंक हिसार	21858		नोटिस जारी
280.	श्री नरेश कुमार, एस०एम०	सहकारी बैंक हिसार	6168		नोटिस जारी
281.	श्री भेले राम, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	17000		नोटिस जारी
282.	श्रीमती मुन्नी देवी, सेवक	सहकारी बैंक हिसार	14000		नोटिस जारी
283.	श्री शमशेर सिंह, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	50000		नोटिस जारी
284.	श्री दलबीर सिंह, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	28798		नोटिस जारी
285.	श्री कर्म सिंह, एस०एम०	सहकारी बैंक हिसार	7562		नोटिस जारी
286.	श्री सतपाल, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	7233		नोटिस जारी
287.	श्री राज पाल, लिपिक ए०सी०एस०	सहकारी बैंक हिसार	48366		नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
288.	श्री दया किशन, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	59602		नोटिस जारी
289.	श्री अनिल सिंह, प्रबन्ध निदेशक से०नि०	सहकारी बैंक हिसार	2000		नोटिस जारी
290.	श्रीमती तारा देवी, सेवक	सहकारी बैंक हिसार	1000		नोटिस जारी
291.	श्री राम निवास, सेवक	सहकारी बैंक हिसार	7000		नोटिस जारी
292.	श्री चंदगी राम, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	14000		नोटिस जारी
293.	श्री नरेन्द्र, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	13650		नोटिस जारी
294.	श्री रमेश कुमार, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	19725		नोटिस जारी
295.	श्री बाज़े सिंह, जे०ए०	सहकारी बैंक हिसार	16075		नोटिस जारी
296.	श्री हंस राज, जे०ए०	सहकारी बैंक हिसार	15628		नोटिस जारी
297.	श्री सुबीर सिंह, ए०एम०	सहकारी बैंक हिसार	7000		नोटिस जारी
298.	श्रीमती गोमती देवी, सेवक	सहकारी बैंक हिसार	2700		नोटिस जारी
299.	श्री मुरती राम, एस०ए०	सहकारी बैंक हिसार	6000		नोटिस जारी
300.	श्री महताम सिंह, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	21325		नोटिस जारी
301.	श्री कैलाश चन्द्र, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	14000		नोटिस जारी
302.	श्री लक्ष्मण सचिव	सहकारी बैंक हिसार	14000		नोटिस जारी
303.	श्री शेर सिंह, जे०ए०	सहकारी बैंक हिसार	5825		नोटिस जारी
304.	श्री ऋषि राम, जे०ए०	सहकारी बैंक हिसार	9125		नोटिस जारी
305.	श्री वीरबल सिंह, एस०एस०	सहकारी बैंक हिसार	105052		नोटिस जारी

(14195)

1	2	3	4	5	6
306.	श्री जय सिंह,, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	367749		नोटिस जारी
307.	श्री महावीर सिंह, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	237903		नोटिस जारी
308.	श्री चन्द्रभान, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	158515		नोटिस जारी
309.	श्री ओम प्रकाश, जे०ए०	सहकारी बैंक हिसार	27917		नोटिस जारी
310.	श्री लख्मी राम, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	32343		नोटिस जारी
311.	श्री नफे सिंह, एस०ऐ०	सहकारी बैंक हिसार	13200		नोटिस जारी
312.	श्री अनूप सिंह, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	13300		नोटिस जारी
313.	श्री जय देव, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	29954		नोटिस जारी
314.	श्री तेलु राम, उप निरीक्षक	सहकारी बैंक हिसार	16855		नोटिस जारी
315.	श्री शमशेर सिंह, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	97683		नोटिस जारी
316.	श्री सुभाष चन्द्र, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	10475		नोटिस जारी
317.	श्री रविन्द्र, एस०एम०	सहकारी बैंक हिसार	16451		नोटिस जारी
318.	श्री वेद प्रकाश, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	9000		नोटिस जारी
319.	श्री चन्द्रभान, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	18280		नोटिस जारी
320.	श्री सुभाष, चौकीदार	सहकारी बैंक हिसार	11297		नोटिस जारी
321.	श्री भीमसेन, एस०ए०	सहकारी बैंक हिसार	15537		नोटिस जारी
322.	श्री सरवन, चौकीदार	सहकारी बैंक हिसार	12244		नोटिस जारी
323.	श्री राज कुमार, एम०एम० सै०नि०	सहकारी बैंक हिसार	18000		नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
324.	श्री सुरेश कुमार, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	32475		नोटिस जारी
325.	श्री मोहिन्द्र सिंह,सेवक	सहकारी बैंक हिसार	25897		नोटिस जारी
326.	श्री प्रेम कुमार, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	14666		नोटिस जारी
327.	श्री बी०एस० पुनिया, एस०एम०	सहकारी बैंक हिसार	11220		नोटिस जारी
328.	श्री राय सिंह, एस०एम०	सहकारी बैंक हिसार	9276		नोटिस जारी
329.	श्री ओम प्रकाश, चौकीदार	सहकारी बैंक हिसार	2800		नोटिस जारी
330.	श्री पिरथी सिंह, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	249306		नोटिस जारी
331.	श्री दिलबाग सिंह, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	16423		नोटिस जारी
332.	श्री राज पाल, जे०ए०	सहकारी बैंक हिसार	23767		नोटिस जारी
333.	श्री राम सिंह, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	22502		नोटिस जारी
334.	श्री अनिल कुमार, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	15661		नोटिस जारी
335.	श्री बलजीत सिंह, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	15289		नोटिस जारी
336.	श्री रणधीर सिंह, सचिव	सहकारी बैंक हिसार	17418		नोटिस जारी
337.	श्री रणजीत, जे०ए०	सहकारी बैंक हिसार	21591		नोटिस जारी
338.	श्री जयवीर सिंह, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	7192		नोटिस जारी
339.	श्री सतबीर सिंह लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	12477		नोटिस जारी
340.	श्री अशोक कुमार, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	9885		नोटिस जारी
341.	श्री सुभाष चन्द्र, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	568		नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
342.	श्री सतपाल सोनी, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	13228		नोटिस जारी
343.	श्री कृष्ण लाल, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	8364		नोटिस जारी
344.	श्री मनोज कुमार, लिपिक	सहकारी बैंक हिसार	3780		नोटिस जारी
345.	श्री नरेश कुमार सचिव	सहकारी बैंक हिसार	13008		नोटिस जारी
346.	श्री शमशेर सिंह सेवक	सहकारी बैंक हिसार	5918		नोटिस जारी
347.	श्री ईश्वर सिंह एस०एम०	सहकारी बैंक हिसार	21489		नोटिस जारी
348.	श्री राम लाल एस०एम०	सहकारी बैंक हिसार	18901		नोटिस जारी
349.	श्री सुरज पाल	सहकारी बैंक हिसार	4464		नोटिस जारी
350.	श्री सुरजीत सिंह एस०एम०	सहकारी बैंक हिसार	8237		नोटिस जारी
351.	श्री भीम सिंह एस०एम०	सहकारी बैंक हिसार	5412		नोटिस जारी
352.	श्री सतवीर सिंह एस०एम०	सहकारी बैंक हिसार	20866		नोटिस जारी
		कुल योग	**9025913**		
सहकारी बैंक सिरसा					
353.	श्री देश राज जूनियर क्लैरिकल	सहकारी बैंक सिरसा	2512	27-04-95	नोटिस जारी
354.	श्री बलवीर सिंह सहायक रजि०	सहकारी बैंक सिरसा	7371	25-07-95	नोटिस जारी
355.	श्री बहादुर राम उप निरीक्षक	सहकारी बैंक सिरसा	29254	03-11-95	नोटिस जारी
356.	श्री मोहिन्द्र सिंह सेवक	सहकारी बैंक सिरसा	12262	06-11-95	नोटिस जारी
357.	श्री मोहन लाल पी०ए०डी०बी०	सहकारी बैंक सिरसा	8554	29-04-99	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
358.	श्री साहब राम पी०ए०डी०बी०	सहकारी बैंक सिरसा	25646	04-05-99	नोटिस जारी
359.	श्री महावीर प्रसाद सहायक रजि०	सहकारी बैंक सिरसा	28759	24-07-99	नोटिस जारी
360.	श्रीमती बिमलजीत कौर पी०एल०डी०बी०	सहकारी बैंक सिरसा	50385	21-08-2000	नोटिस जारी
361.	श्री गुरदेव सिंह सेवक	सहकारी बैंक सिरसा	20180	09-01-2001	नोटिस जारी
362.	श्री महावीर सिंह पी०ए०डी०बी०	सहकारी बैंक सिरसा	21763	29-08-03	नोटिस जारी
363.	श्री महावीर प्रसाद मुख्य ऑडिटर	सहकारी बैंक सिरसा	24000	08-04-04	नोटिस जारी
364.	श्री सुखदेव सिंह लिपिक	सहकारी बैंक सिरसा	54027	12-06-06	नोटिस जारी
		कुल योग	284713		
अर्बन सहकारी बैंक हिसार					
365.	श्री राम सिंह उप निरीक्षक	अर्बन बैंक हिसार	5000	21-06-1986	नोटिस जारी
366.	श्री बिशम्बर दयाल उप निरीक्षक	अर्बन बैंक हिसार	10000	04-11-93	नोटिस जारी
367.	श्री जगदीश चन्द उप निरीक्षक	अर्बन बैंक हिसार	10000	04-11-93	नोटिस जारी
368.	श्री लक्ष्मी चन्द लिपिक	अर्बन बैंक हिसार	10000	09-03-96	नोटिस जारी
369.	श्री चफे सिंह सेवक	अर्बन बैंक हिसार	10000	10-02-2002	नोटिस जारी
		कुल योग	45000		
उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां भिवानी					
370.	श्री महावीर पाल एस०ए०	सहकारी बैंक हिसार	9900	1989	नोटिस जारी
371.	श्री संजय कुमार उप निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	30000	2002	नोटिस जारी

(7499)

1	2	3	4	5	6
372.	श्री सुरेश कुमार उप निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	50000	10-2005	नोटिस जारी
373.	श्रीमती राम प्यारी सेवक	सहकारी बैंक भिवानी	30000	2000	नोटिस जारी
374.	श्री आजाद सिंह निरीक्षक	सहकारी बैंक पंचकूला	20000	1998	नोटिस जारी
375.	श्री राजेन्द्र सिंह लिपिक	एस०ई०टी०सी० नारनौल	16000	1989	नोटिस जारी
376.	श्री श्योताज उपनिरीक्षक	एस०ई०टी०सी० नारनौल	18400	16-03-94	नोटिस जारी
377.	श्री बहादुर सिंह मुख्य लिपिक	एस०ई०टी०सी० नारनौल	20000	18-07-88	नोटिस जारी
378.	श्री विनोदी लाल लिपिक	एस०ई०टी०सी० नारनौल	20000	18-07-88	नोटिस जारी
379.	श्री परमानन्द उप निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० महेन्द्रगढ़	40000	09-06-98	नोटिस जारी
380.	श्री श्याम लाल सहायक रजि०	एस०ई०टी०सी० महेन्द्रगढ़	10000	15-10-92	नोटिस जारी
381.	श्री बंसीधर सेवक	एस०ई०टी०सी० महेन्द्रगढ़	8000	04-08-92	नोटिस जारी
382.	श्री राम पाल एस०ए०एस०एम०	एस०ई०टी०सी० महेन्द्रगढ़	40000	22-06-2000	नोटिस जारी
383.	श्री जावंत सिंह उप निरीक्षक	एस०ई०टी०सी० महेन्द्रगढ़	10000	09-01-92	नोटिस जारी
		कुल योग	**322300**		
डी०पी०ए०आर०डी०बी०लि० भिवानी					
384.	श्री वीरेन्द्र विक्रेता	डी०पी०ए०आर०डी०बी० भिवानी	34610	19-01-04	नोटिस जारी
385.	श्री जगमाल चौकीदार	डी०पी०ए०आर०डी०बी० भिवानी	64123	08-02-02	नोटिस जारी
386.	श्री पदम शाखा प्रबन्धक	डी०पी०ए०आर०डी०बी०. भिवानी	20430	05-10-04	नोटिस जारी
387.	श्री विजय सिंह इ०ओ०	डी०पी०ए०आर०डी०बी० भिवानी	20160	06-11-01	नोटिस जारी
		कुल योग	**139323**		

1	2	3	4	5	6
पी०ए०आर०डी०बी० दादरी					
388.	श्री कृष्ण सेवक	पी०ए०आर०डी०बी० दादरी	3000	18-01-01	नोटिस जारी
389.	श्री वीरेन्द्र एफ०ओ०	पी०ए०आर०डी०बी० दादरी	30015	22-03-04	नोटिस जारी
390.	श्री बलवंत एफ०ओ०	पी०ए०आर०डी०बी० दादरी	50168	31-08-01	नोटिस जारी
391.	श्री जयवीर लिपिक	पी०ए०आर०डी०बी० दादरी	38905	30-06-04	नोटिस जारी
392.	श्री बलजीत लिपिक	पी०ए०आर०डी०बी० दादरी	32774	16-07-04	नोटिस जारी
393.	श्री जगवंत ऑडिटर	पी०ए०आर०डी०बी० दादरी	18064	24-03-04	नोटिस जारी
		कुल योग	**172926**		
सहकारी बैंक भिवानी					
394.	श्री जुगती राम लिपिक	सहकारी बैंक भिवानी	12487		नोटिस जारी
395.	श्री हरबंस सिंह मुख्य लिपिक	सहकारी बैंक भिवानी	9300		नोटिस जारी
396.	श्री शीतल कुमार उप निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	26641		नोटिस जारी
397.	श्री राम कुमार उप निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	16747		नोटिस जारी
398.	श्री ज्ञानी राम उप निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	19129		नोटिस जारी
399.	श्री राजेन्द्र प्रसाद लिपिक	सहकारी बैंक भिवानी	23778		नोटिस जारी
400.	श्री प्यारे लाल उप निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	30726		नोटिस जारी
401.	श्री केशव देव निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	26962		नोटिस जारी
402.	श्री रामेश्वर दास सेवक	सहकारी बैंक भिवानी	23012		नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
403.	श्री सुरेश कुमार उप निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	14746		नोटिस जारी
404.	श्री सतेन्द्र कुमार	सहकारी बैंक भिवानी	41490		नोटिस जारी
405.	श्री मोहिन्द्र सिंह उप निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	28936		नोटिस जारी
406.	श्री भीम सिंह लिपिक	सहकारी बैंक भिवानी	30966		नोटिस जारी
407.	श्रीमती राजबाला सेवक	सहकारी बैंक भिवानी	19953		नोटिस जारी
408.	श्री राम भगत सेवक	सहकारी बैंक भिवानी	3000		नोटिस जारी
409.	श्री दरिया सिंह लिपिक	सहकारी बैंक भिवानी	31489		नोटिस जारी
410.	श्री सतबीर सिंह सेवक	सहकारी बैंक भिवानी	28376		नोटिस जारी
411.	श्री विनोद कुमार उप निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	41452		नोटिस जारी
412.	श्री राम कुमार उप निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	31233		नोटिस जारी
413.	श्री धर्म पाल आशुलिपिक	सहकारी बैंक भिवानी	42226		नोटिस जारी
414.	श्री सतबीर सिंह लिपिक	सहकारी बैंक भिवानी	42228		नोटिस जारी
415.	श्री रमेश सिंह सेवक	सहकारी बैंक भिवानी	26363		नोटिस जारी
416.	श्री मंगत राम उप निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	30000		नोटिस जारी
417.	श्री चांद रुप सिंह लिपिक	सहकारी बैंक भिवानी	25737		नोटिस जारी
418.	श्रीमती राम प्यारी सेवक	सहकारी बैंक भिवानी	30150		नोटिस जारी
419.	श्री संजय उप निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	29281		नोटिस जारी
420.	श्री सुरत सिंह उप निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	35608		नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
421.	श्री सुरेश कुमार उप निरीक्षक	सहकारी बैंक भिवानी	50000		नोटिस जारी
		कुल योग	772016		
सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़					
422.	श्री परमानन्द एस०आई०	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	40000	09-06-98	नोटिस जारी
423.	श्री श्याम सहायक रजि०	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10000	15-10-99	नोटिस जारी
424.	श्री बन्सीधर सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	8600	04-08-92	नोटिस जारी
425.	श्री राम पाल एस०ऐ०	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	40000	22-06-2000	नोटिस जारी
426.	श्री जसवंत उप-निरीक्षक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10000	09-01-92	नोटिस जारी
427.	श्री लाल सिंह विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	44000	22-01-08	नोटिस जारी
428.	श्री रामेश्वर दास सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	42512	09-01-08	नोटिस जारी
429.	श्री रोहतेश सिंह सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	3500	04-01-08	नोटिस जारी
430.	श्री कृष्ण कुमार विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	35000	29-10-02	नोटिस जारी
431.	श्री ओम प्रकाश सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	59000	28-01-08	नोटिस जारी
432.	श्री जय सिंह लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	53380	22-01-08	नोटिस जारी
433.	श्री अब्दुल हसन विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	59454	15-01-08	नोटिस जारी
434.	श्री राजेन्द्र पाल सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	56479	24-01-08	नोटिस जारी
435.	श्री ओम प्रकाश सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	48700	10-01-08	नोटिस जारी
436.	श्री भोला राम विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	40432	10-11-07	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
437.	श्री मदन सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	25672	26-12-06	नोटिस जारी
438.	श्री सुरिन्द्र सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	50195	26-06-03	नोटिस जारी
439.	श्री रतन	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	35920	18-06-02	नोटिस जारी
440.	श्री जय सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	72350	31-05-04	नोटिस जारी
441.	श्री प्रदीप चन्द	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	34587	05-10-05	नोटिस जारी
442.	श्री ओम प्रकाश सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	79880	31-03-05	नोटिस जारी
443.	श्री मेहर चन्द	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	18472	13-02-07	नोटिस जारी
444.	श्री बनवारी लाल	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	67872	29-03-07	नोटिस जारी
445.	श्री जसपाल एल०बी०ओ०	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	24600	03-01-07	नोटिस जारी
446.	श्री विष्णु दत्त	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	36944	31-10-05	नोटिस जारी
447.	श्री महिन्द्र सिंह लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	79170	12-01-04	नोटिस जारी
448.	श्री राम सिंह लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	47753	04-08-08	नोटिस जारी
449.	श्री बाल मुकन्द सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	58060	11-05-06	नोटिस जारी
450.	श्री शिव प्रसाद लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	133905	09-03-06	नोटिस जारी
451.	श्री राम सिंह सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	48800	31-07-07	नोटिस जारी
452.	श्री श्याम लाल	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	19000	08-06-05	नोटिस जारी
453.	श्री श्याम लाल प्रबन्धक निदेशक से.नि.	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10589	17-06-04	नोटिस जारी
454.	श्री राजेश कुमार लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	33931	30-11-04	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
455.	श्री शोहताज	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	28732	30-07-05	नोटिस जारी
456.	श्री लीलाधर लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	32654	28-02-05	नोटिस जारी
457.	श्री सत्यप्रकाश	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	40000	06-02-06	नोटिस जारी
458.	श्री भूप सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	50000	17-02-06	नोटिस जारी
459.	श्री विजय सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	50000	14-09-06	नोटिस जारी
460.	श्री रामधीर सिंह एल.डी.ओ.	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10000	30-07-91	नोटिस जारी
461.	श्री अजीत सिंह शाखा प्रबन्धक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	20000	30-07-91	नोटिस जारी
462.	श्री मेहर चन्द सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	47266	21-02-06	नोटिस जारी
463.	श्री मुन्ना लाल लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	2000	05-07-95	नोटिस जारी
464.	श्री शारदा नन्द	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	29745	27-01-07	नोटिस जारी
465.	श्री प्रेम प्रकाश	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	53894	31-03-03	नोटिस जारी
466.	श्री सुबे सिंह उप निरीक्षक ऑडिट	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	46960	28-04-04	नोटिस जारी
467.	श्री ज्ञान सिंह उप निरीक्षक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	17866	11-11-03	नोटिस जारी
468.	श्रीमती भगवती सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	38000	14-09-07	नोटिस जारी
469.	श्री धर्म पाल लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	4827	01-08-04	नोटिस जारी
470.	श्री ईश्वर सिंह निरीक्षक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	69301	10-04-07	नोटिस जारी
471.	श्रीमती ओमवती सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	12388	01-06-06	नोटिस जारी
472.	श्री बन्सीधर सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	58022	16-12-04	नोटिस जारी

(14105)

1	2	3	4	5	6
473.	श्री एस. पी. सोलन्की लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	101298	01-06-08	नोटिस जारी
474.	श्री एस. पी. सोलन्की लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	44039	14-02-05	नोटिस जारी
475.	श्री सुबे राम	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	32000	06-02-08	नोटिस जारी
476.	श्री दीप चन्द सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	44000	15-12-07	नोटिस जारी
477.	श्री धर्मपाल लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	3500	14-06-07	नोटिस जारी
478.	श्री बलवंत सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	3500	20-06-2000	नोटिस जारी
479.	श्री राज पाल सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	16362	12-10-07	नोटिस जारी
480.	श्री सतप्रकाश लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	44080	26-02-07	नोटिस जारी
481.	श्री हीरा सिंह लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	44080	03-01-07	नोटिस जारी
482.	श्री श्रीचन्द सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	45860	05-11-07	नोटिस जारी
483.	श्री रतन सिंह सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	44000	26-12-07	नोटिस जारी
484.	श्री लक्ष्मण नारायण सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	3500	02-02-08	नोटिस जारी
485.	श्री ओम प्रकाश विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	61142	22-03-06	नोटिस जारी
486.	श्री होशियार सिंह सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	31293	30-06-06	नोटिस जारी
487.	श्री शेर सिंह सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	36000	27-03-03	नोटिस जारी
488.	श्री सुरिन्द्र सिंह विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	40000	04-10-05	नोटिस जारी
489.	श्री प्रेम कुमार चंदगी राम	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	89883	28-02-05	नोटिस जारी
490.	श्री चंदगी राम विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	43273	1-10-07	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
491.	श्री सदा सिंह लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	35000	07-06-07	नोटिस जारी
492.	श्री रामजी लाल सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	40000	27-11-07	नोटिस जारी
493.	श्री बजरंग लाल सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	45793	05-05-06	नोटिस जारी
494.	श्री कन्हैया लाल विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	40272	30-01-08	नोटिस जारी
495.	श्री खुशी राम सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	44000	28-02-08	नोटिस जारी
496.	श्री सत्य प्रकाश लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	55272	19-06-07	नोटिस जारी
497.	श्री राम निवास सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	23938	15-11-07	नोटिस जारी
498.	श्री सुनील कुमार सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	33382	20-03-2004	नोटिस जारी
499.	श्री बंसीधर लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	35000	14-09-07	नोटिस जारी
500.	श्री दिनेश कुमार लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10000	02-11-07	नोटिस जारी
501.	श्री चन्द्र भान सहायक रजि०	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	19650	29-10-07	नोटिस जारी
502.	श्री अमर सिंह सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	3500	15-02-08	नोटिस जारी
503.	श्री दीपक विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	58428	27-09-07	नोटिस जारी
504.	श्री नरेश विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	30888	02-01-06	नोटिस जारी
505.	श्री धनपत सिंह चौकीदार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	69173	31-03-06	नोटिस जारी
506.	श्री राजवीर सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	50000	28-03-05	नोटिस जारी
507.	श्री सुरिन्द्र सिंह विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	25000	5-10-05	नोटिस जारी
508.	श्री मांगे सिंह विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	71515	07-01-06	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
509.	श्री रविन्द्र सिंह चौकीदार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	56715	19-09-05	नोटिस जारी
510.	श्री सतबीर सिंह विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	53223	13-12-06	नोटिस जारी
511.	श्री सुन्दर सिंह विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	60468	12-12-06	नोटिस जारी
512.	श्री सोमवीर सिंह चौकीदार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	46033	15-10-05	नोटिस जारी
513.	श्री शुभराम विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	28600	07-09-02	नोटिस जारी
514.	श्री भगराज शाखा प्रबन्धक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10000	09-06-07	नोटिस जारी
515.	श्री राजेश कुमार चौकीदार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	3500	02-06-07	नोटिस जारी
516.	श्री भूपिन्द्र सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	81575	31-03-05	नोटिस जारी
517.	श्री कालू राम	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10000	02-02-06	नोटिस जारी
518.	श्री विजय सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10000	09-07-07	नोटिस जारी
519.	श्री सन्ता राम	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	18500	20-06-07	नोटिस जारी
520.	श्री कंवर सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	28000	04-08-07	नोटिस जारी
521.	श्री कृष्ण कुमार एल.वी.ओ.	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	50000	28-01-02	नोटिस जारी
522.	श्री सुरेश कुमार सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	42000	14-07-03	नोटिस जारी
523.	श्री विजय सिंह लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	50000	29-01-04	नोटिस जारी
524.	श्री विरजू सिंह लेखाकार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	50000	29-01-04	नोटिस जारी
525.	श्री कैलाश चन्द लेखाकार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	50000	19-05-04	नोटिस जारी
526.	श्री रमेश कुमार कैशियर	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	50000	23-01-04	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
527.	श्री सुरेश कुमार एल०डी०ओ०	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	50000	16-06-05	नोटिस जारी
528.	श्री राजेश कुमार एल०डी०ओ०	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	50000	11-06-05	नोटिस जारी
529.	श्री देश राज विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	50000	20-10-06	नोटिस जारी
530.	श्री प्रीतम सिंह शाखा प्रबन्धक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	100000	22-06-04	नोटिस जारी
531.	श्री मथुरा प्रसाद लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	100000	29-08-06	नोटिस जारी
532.	श्री भूपेन्द्र सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	100000	29-08-06	नोटिस जारी
533.	श्री कालो राम	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	81575	31-03-05	नोटिस जारी
534.	श्री विजय सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10000	02-02-06	नोटिस जारी
535.	श्री संता राम	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10000	09-07-07	नोटिस जारी
536.	श्री कंवर सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	18500	30-06-07	नोटिस जारी
537.	श्री अमर सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	28000	04-08-07	नोटिस जारी
538.	श्री सतपाल	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	61076	3-10-05	नोटिस जारी
539.	श्री महेन्द्र कुमार विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	56053	25-07-05	नोटिस जारी
540.	श्री बाबू लाल सफाईकर्ता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	44800	12-12-03	नोटिस जारी
541.	श्री राम राज विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	79731	30-06-07	नोटिस जारी
542.	श्री ओम प्रकाश सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	88506	30-06-07	नोटिस जारी
543.	श्री जय सिंह सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	37000	01-02-08	नोटिस जारी
544.	श्री रणधीर सिंह विक्रेता से०नि०	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	45550	09-01-05	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
545.	श्री मंगतु राम चौकीदार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	43510	28-02-05	नोटिस जारी
546.	श्री सुरिन्द्र कुमार सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	64860	24-11-05	नोटिस जारी
547.	श्री अमीर सिंह लेखाकार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	54365	01-10-07	नोटिस जारी
548.	श्री वसंत लाल शाखा सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	68595	17-09-07	नोटिस जारी
549.	श्री कैलाश चन्द सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	52895	10-01-08	नोटिस जारी
550.	श्री बंसीधर सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	55045	19-06-07	नोटिस जारी
551.	श्री राम पत्त सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	69190	13-08-02	नोटिस जारी
552.	श्री जितेन्द्र कुमार सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	29500	09-06-06	नोटिस जारी
553.	श्री राकेश सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	42385	26-02-05	नोटिस जारी
554.	श्री सुरेश कुमार चौकीदार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	34500	05-07-07	नोटिस जारी
555.	श्री बंसीधर सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	76190	30-12-06	नोटिस जारी
556.	श्री राम पाल उप निरीक्षक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10000	11-06-07	नोटिस जारी
557.	श्री कृष्ण कुमार विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10000	07-06-99	नोटिस जारी
558.	श्री सज्जन सिंह सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	55308	16-06-07	नोटिस जारी
559.	श्री शिव रमन विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	64000	27-08-02	नोटिस जारी
560.	श्री महावीर विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	91354	31-03-05	नोटिस जारी
561.	श्री जितेन्द्र सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	55795	15-03-04	नोटिस जारी
562.	श्री धर्म चन्द सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	55945	03-10-05	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
563.	श्री सूर्य मित्तल सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	36605	14-01-08	नोटिस जारी
564.	श्री जितेन्द्र विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	51500	23-01-08	नोटिस जारी
565.	श्री विजय सिंह विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	52208	22-01-08	नोटिस जारी
566.	श्री पवन कुमार विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	24800	05-01-08	नोटिस जारी
567.	श्री कृष्ण लेखाकार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	44085	09-10-07	नोटिस जारी
568.	श्री रोहताश	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	34093	07-02-07	नोटिस जारी
569.	श्री ओम प्रकाश	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	46610	14-10-05	नोटिस जारी
570.	श्री राम चन्द्र	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	47050	04-10-05	नोटिस जारी
571.	श्री दविन्द्र सिंह मुख्य लेखाकार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	38215	03-11-04	नोटिस जारी
572.	श्री मुकेश कुमार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	61690	30-03-07	नोटिस जारी
573.	श्री ब्रहमजीत	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	40080	18-02-08	नोटिस जारी
574.	श्री मनफूल सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	43220	23-01-08	नोटिस जारी
575.	श्री सत्यपाल सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	48606	12-09-06	नोटिस जारी
576.	श्री महेश कुमार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	3772	01-10-07	नोटिस जारी
577.	श्री लाल सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	50260	30-10-07	नोटिस जारी
578.	श्री धर्मपाल	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	39900	22-01-08	नोटिस जारी
579.	श्री रमेश कुमार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	41855	09-09-07	नोटिस जारी
580.	श्री प्रीतम सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10000	18-08-07	नोटिस जारी

(14)111

1	2	3	4	5	6
581.	श्री रामवीर सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	50397	30-03-07	नोटिस जारी
582.	श्री होशियार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	70000	01-10-03	नोटिस जारी
583.	श्री सतपाल	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	52835	20-02-07	नोटिस जारी
584.	श्री प्रदीप कुमार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	35080	12-01-08	नोटिस जारी
585.	श्री सोहीदत	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	9400	08-12-03	नोटिस जारी
586.	श्री शेर सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	61460	13-09-07	नोटिस जारी
587.	श्री बालमुकंद	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	38000	17-01-08	नोटिस जारी
588.	श्री श्याम लाल	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	39780	10-01-08	नोटिस जारी
589.	श्रीमती धनवंती देवी सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	15472	24-01-08	नोटिस जारी
590.	श्री मुन्नी राम	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10000	22-02-08	नोटिस जारी
591.	श्री सुनील	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	122260	03-03-07	नोटिस जारी
592.	श्री मय्या राम	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	39852	02-02-08	नोटिस जारी
593.	श्री जगपाल	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	60968	23-12-06	नोटिस जारी
594.	श्री राम नन्द	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	43100	03-02-07	नोटिस जारी
595.	श्री शक्ति पाल सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	61084	20-12-06	नोटिस जारी
596.	श्री राम प्रकाश लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	42080	12-10-07	नोटिस जारी
597.	श्री विजय सिंह	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	43580	03-03-07	नोटिस जारी
598.	श्री बाबू लाल	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	24872	20-10-07	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
599.	श्री प्रकाश चन्द लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	54570	28-12-07	नोटिस जारी
600.	श्री राकेश चन्द प्रबन्धक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	40000	02-12-07	नोटिस जारी
601.	श्री श्याम लाल विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	53090	21-12-07	नोटिस जारी
602.	श्री कृष्ण कुमार विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	52007	28-03-07	नोटिस जारी
603.	श्री दया राम विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	3500	03-08-07	नोटिस जारी
604.	श्री हरीश चन्द लेखाकार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	29600	14-11-07	नोटिस जारी
605.	श्री राज पाल सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	52623	31-03-05	नोटिस जारी
606.	श्री विशम्बर लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	11960	28-02-08	नोटिस जारी
607.	श्री राजेश कुमार लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	54000	01-05-04	नोटिस जारी
608.	श्री शेर सिंह विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	41841	10-01-08	नोटिस जारी
609.	श्री राजेश कुमार विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	36687	01-06-07	नोटिस जारी
610.	श्री रोहताश सिंह प्रबन्धक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	20471		नोटिस जारी
611.	श्री शंभु दयाल	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	3097		नोटिस जारी
612.	श्री विनोद कुमार लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	1905		नोटिस जारी
613.	श्री रामजी लाल सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	2340		नोटिस जारी
614.	श्री याद राम सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	4714		नोटिस जारी
615.	श्री बाबू राम चौकीदार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	300		नोटिस जारी
616.	श्री सुरिन्द्र पाल लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	2512		नोटिस जारी

(141113

1	2	3	4	5	6
617.	श्री चरण सिंह चौकीदार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	2310		नोटिस जारी
618.	श्री सत्यनारायण सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	3218		नोटिस जारी
619.	श्री प्रमती लाल प्रबन्धक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	2425		नोटिस जारी
620.	श्री अशोक कुमार लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	3000		नोटिस जारी
621.	श्री अशोक कुमार जुनियर लेखाकार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	2399		नोटिस जारी
622.	श्री राजेश कुमार	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	5564		नोटिस जारी
623.	श्री सुगन सिंह लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	3947		नोटिस जारी
624.	श्री सुरेश कुमार विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	2130		नोटिस जारी
625.	श्री राम करण लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	1855		नोटिस जारी
626.	श्री सुरजीत सिंह लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	1325		नोटिस जारी
627.	श्री सतवीर सिंह सचिव से०नि०	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	2930		नोटिस जारी
628.	श्री जोगिन्द्र सिंह जे०ऐ० से०नि०	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	4980		नोटिस जारी
629.	श्री एल. सी. शर्मा जे०ऐ० से०नि०	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	31180		नोटिस जारी
630.	श्री सुरज भान दफ्तरी से०नि०	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	11260		नोटिस जारी
631.	श्री मादू राम सचिव से०नि०	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	22600		नोटिस जारी
632.	श्री कृष्ण कुमार विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	30000		नोटिस जारी
633.	श्री राम पाल सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	37000		नोटिस जारी
634.	श्री मोहिन्द्र कुमार सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	44002		नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
635.	श्री देस राज विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	30000		नोटिस जारी
636.	श्री भरत	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	31000		नोटिस जारी
637.	श्री जय सिंह सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	45707		नोटिस जारी
638.	श्री कैलाश लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	47500		नोटिस जारी
639.	श्री धर्मवीर सिंह शाखा प्रबन्धक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	59665		नोटिस जारी
640.	श्री घीसा राम लिपिक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	35000		नोटिस जारी
641.	श्री अशोक सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	37160		नोटिस जारी
642.	श्री सत्यप्रकाश मैनेजर	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	79170		नोटिस जारी
643.	श्री छज्जु राम विक्रेता	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	57340		नोटिस जारी
644.	श्री रोहताश सचिव	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	49252		नोटिस जारी
		कुल योग	**8785780**		
उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ गुडगांव					
645.	श्री घासी राम निरीक्षक	एस.ई.टी.सी. फरीदाबाद	85,029		नोटिस जारी
646.	श्री रविन्द्र सिंह लिपिक	एस.ई.टी.सी. फरीदाबाद	1,45,746		नोटिस जारी
647.	श्री अली मोहम्मद उप निरीक्षक	एस.ई.टी.सी. फरीदाबाद	24,320		नोटिस जारी
648.	श्री लाल राम सेवक	एस.ई.टी.सी. फरीदाबाद	47,872		नोटिस जारी
649.	श्री महिन्द्र सिंह लिपिक	एस.ई.टी.सी. फरीदाबाद	38,360		नोटिस जारी
650	श्री सुरिन्द्र सिंह लिपिक	एस.ई.टी.सी. फरीदाबाद	45,050		नोटिस जारी

(141)115

1	2	3	4	5	6
651.	श्री सालेन्द्र सेवक	एस.ई.टी.सी. फरीदाबाद	49,930		नोटिस जारी
652.	श्री चरन सिंह जुनियर ऑडिटर	एस.ई.टी.सी. फरीदाबाद	13,000		नोटिस जारी
653.	श्री बंन्सीधर सेवक	सहकारी बैंक महेन्द्रगढ़	10,000		नोटिस जारी
		कुल योग	359,308		
सहकारी बैंक गुड़गांव					
654.	श्री खुरशीद अहमद सचिव	सहकारी बैंक गुड़गांव	1,44,615	30-06-99	नोटिस जारी
655.	श्री मो० सरीफ सेवक	सहकारी बैंक गुड़गांव	50,000	01-04-07	नोटिस जारी
656.	श्री आजाद सिंह निरीक्षक	सहकारी बैंक गुड़गांव	30,000	21-07-95	नोटिस जारी
657.	श्री नरेन्द्र सिंह डी.ओ.	सहकारी बैंक गुड़गांव	35,000	23-05-02	नोटिस जारी
658.	श्री धर्मवीर माली	सहकारी बैंक गुड़गांव	30,000	09-05-98	नोटिस जारी
659.	श्री ब्रहम प्रकाश लिपिक	सहकारी बैंक गुड़गांव	50,000	09-05-03	नोटिस जारी
660.	श्री धर्म सिंह लिपिक	सहकारी बैंक गुड़गांव	50,000	11-12-03	नोटिस जारी
661.	श्री कंवर लाल ऑडिट लिपिक	सहकारी बैंक गुड़गांव	50,000	14-02-04	नोटिस जारी
662.	श्री खेम चन्द ऑडिट लिपिक	सहकारी बैंक गुड़गांव	50,000	19-04-04	नोटिस जारी
663.	श्री संजय प्रताप उप निरीक्षक	सहकारी बैंक गुड़गांव	50,000	08-06-04	नोटिस जारी
664.	श्री समय सिंह सेवक	सहकारी बैंक गुड़गांव	50,000	05-07-04	नोटिस जारी
665.	श्री दया कृष्ण मुख्य निरीक्षक	सहकारी बैंक गुड़गांव	50,000	24-11-06	नोटिस जारी
666.	श्री जी०आर०जी० आर्दश स्टाफ	सहकारी बैंक गुड़गांव	10,00,000	1992	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
667.	श्री गुरदीता लाल लेखाकार	सहकारी बैंक गुडगांव	60,000	12-06-02	नोटिस जारी
668.	श्री बाबू लाल गनमैन	सहकारी बैंक गुडगांव	27,489	16-11-05	नोटिस जारी
669.	श्री वेद प्रकाश लिपिक	सहकारी बैंक गुडगांव	29,500	24-02-07	नोटिस जारी
670.	श्री रतन सिंह जुनियर लेखाकार	सहकारी बैंक गुडगांव	22,715	05-01-06	नोटिस जारी
671.	श्री सोम पाल सचिव	सहकारी बैंक गुडगांव	44,800	10-02-07	नोटिस जारी
672.	श्री पवन कुमार	सहकारी बैंक गुडगांव	900	01-06-89	नोटिस जारी
673.	श्री इंदरिश खान लिपिक	सहकारी बैंक गुडगांव	50,000	25-05-06	नोटिस जारी
674.	श्री ओम प्रकाश	सहकारी बैंक गुडगांव	50,000	13-06-07	नोटिस जारी
675.	श्री अब्दुल गनी सचिव	सहकारी बैंक गुडगांव	10,5000	17-02-06	नोटिस जारी
676.	श्री इसराल पुत्र श्री सुलेमान	सहकारी बैंक गुडगांव	30,000	03-07-07	नोटिस जारी
677.	श्री इमरान पुत्र श्री बरकत सेवक	सहकारी बैंक गुडगांव	50,000	26-05-07	नोटिस जारी
678.	श्री शहीद पुत्र श्री सहादत सचिव	सहकारी बैंक गुडगांव	15,830	29-06-07	नोटिस जारी
679.	श्री खुरशीद अहमद सचिव	सहकारी बैंक गुडगांव	44,000	25-07-07	नोटिस जारी
680.	श्री हरुन सेवक	सहकारी बैंक गुडगांव	55,000	26-09-05	नोटिस जारी
681.	श्री नरेश कुमार सेवक	सहकारी बैंक गुडगांव	21,714	24-10-96	नोटिस जारी
682.	श्री शेर सिंह लिपिक	सहकारी बैंक गुडगांव	30,000	23-04-99	नोटिस जारी
683.	श्री राम अवतार शाखा प्रबन्धक	सहकारी बैंक गुडगांव	15,500	16-11-95	नोटिस जारी
684.	श्री वीरेन्द्र सेवक	सहकारी बैंक गुडगांव	1000	01-03-95	नोटिस जारी

(14)117

1	2	3	4	5	6
685.	श्री सरदन कुमार सचिव	सहकारी बैंक गुडगांव	10,000	01-02-07	नोटिस जारी
686.	श्री सागर पुत्र श्री मजीद सेवक	सहकारी बैंक गुडगांव	36,000	20-12-05	नोटिस जारी
687.	श्री अब्दुल रहमान प्रबन्धक	सहकारी बैंक गुडगांव	34,000	23-02-05	नोटिस जारी
688.	श्री हनीफ पुत्र जुम्मा सचिव	सहकारी बैंक गुडगांव	38,300	01-07-04	नोटिस जारी
689.	श्री सुभाष चन्द लिपिक	सहकारी बैंक गुडगांव	10,000	03-07-07	नोटिस जारी
690.	श्री कमल खान पुत्र जूहुर खान	सहकारी बैंक गुडगांव	45,400	31-03-05	नोटिस जारी
691.	श्री सब्बीर अहमद,एस०आई०ए०ए०ओ०	पैक्स तावडू	40,000		नोटिस जारी
		कुल योग	**1,406,774**		
सहकारी बैंक फरीदाबाद					
692.	श्री हृदय राम	सहकारी बैंक फरीदाबाद	17,500		नोटिस जारी
693.	श्री कृष्ण सिंह	सहकारी बैंक फरीदाबाद	32,490		नोटिस जारी
694.	श्री सिस राम	सहकारी बैंक फरीदाबाद	52,430		नोटिस जारी
695.	श्री एस०के० लाल	सहकारी बैंक फरीदाबाद	65,620		नोटिस जारी
696.	श्री शेर पाल	सहकारी बैंक फरीदाबाद	21,250		नोटिस जारी
697.	श्री नाथी सिंह	सहकारी बैंक फरीदाबाद	59,970		नोटिस जारी
698.	श्री सुरिन्द्र यादव	सहकारी बैंक फरीदाबाद	32,899		नोटिस जारी
699.	श्री डी०पी० सोनाखी	सहकारी बैंक फरीदाबाद	25,825		नोटिस जारी
700.	श्री सतबीर	सहकारी बैंक फरीदाबाद	22,518		नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
701.	श्री समीन अहमद	सहकारी बैंक फरीदाबाद	26,610		नोटिस जारी
702.	श्री अमर नाथ	सहकारी बैंक फरीदाबाद	17,600		नोटिस जारी
703.	श्री नेपाल सिंह	सहकारी बैंक फरीदाबाद	25,790		नोटिस जारी
704.	श्री गेल चन्द	सहकारी बैंक फरीदाबाद	49,450		नोटिस जारी
705.	श्री दलबीर	सहकारी बैंक फरीदाबाद	34,980		नोटिस जारी
706.	श्री रतन सिंह	सहकारी बैंक फरीदाबाद	42,590		नोटिस जारी
707.	श्री सेवा राम	सहकारी बैंक फरीदाबाद	35,600		नोटिस जारी
708.	श्री राजेन्द्र	सहकारी बैंक फरीदाबाद	12,210		नोटिस जारी
709.	श्री लेख राम	सहकारी बैंक फरीदाबाद	19,630		नोटिस जारी
710.	श्री मोती राम	सहकारी बैंक फरीदाबाद	15,750		नोटिस जारी
711.	श्री शेर सिंह	सहकारी बैंक फरीदाबाद	55,000		नोटिस जारी
712.	श्री जगदीश चन्द	सहकारी बैंक फरीदाबाद	34,270		नोटिस जारी
713.	श्री राम स्वरुप	सहकारी बैंक फरीदाबाद	20,090		नोटिस जारी
714.	श्री जगदीश कोडल	सहकारी बैंक फरीदाबाद	21,166		नोटिस जारी
715.	श्री राजिन्द्र	सहकारी बैंक फरीदाबाद	20,715		नोटिस जारी
716.	श्री बुद्धु पाल	सहकारी बैंक फरीदाबाद	20,992		नोटिस जारी
717.	श्री चेत राम	सहकारी बैंक फरीदाबाद	21,167		नोटिस जारी
718.	श्री मैन सिंह	सहकारी बैंक फरीदाबाद	18,783		नोटिस जारी

(34)119

1	2	3	4	5	6
719.	श्री दया राम	सहकारी बैंक फरीदाबाद	15,715		नोटिस जारी
720.	श्री वेद प्रकाश	सहकारी बैंक फरीदाबाद	20,917		नोटिस जारी
721.	श्री मनी राम	सहकारी बैंक फरीदाबाद	22,384		नोटिस जारी
722.	श्री सरनय पाल	सहकारी बैंक फरीदाबाद	37,100		नोटिस जारी
723.	श्री मोहमद अली	सहकारी बैंक फरीदाबाद	56,190		नोटिस जारी
724.	श्री चरण सिंह	सहकारी बैंक फरीदाबाद	52,820		नोटिस जारी
725.	स्व० श्री सुरेन्द्र सिंह	सहकारी बैंक फरीदाबाद	17,820		नोटिस जारी
726.	श्री शेर पाल सिंह	सहकारी बैंक फरीदाबाद	21,586		नोटिस जारी
727.	श्री ह्रदय राम	सहकारी बैंक फरीदाबाद	14,000		नोटिस जारी
		कुल योग	**1,081,417**		
सहकारी बैंक रिवाड़ी					
728.	श्री बाबर सिंह मुख्य निरीक्षक	सहकारी बैंक रिवाड़ी	1,00,000	06-09-05	नोटिस जारी
729.	श्री परमानन्द लिपिक	सहकारी बैंक रिवाड़ी	1,00,000	15-09-05	नोटिस जारी
730.	श्री ईश्वर सिंह सेवक	सहकारी बैंक रिवाड़ी	25,000	27-09-05	नोटिस जारी
731.	श्री प्रदीप कुमार मुख्य लेखाकार	सहकारी बैंक रिवाड़ी	1,00,000	27-09-05	नोटिस जारी
732.	श्री धर्म पाल लिपिक	सहकारी बैंक रिवाड़ी	1,00,000	15-12-05	नोटिस जारी
733.	श्री दया नन्द लिपिक	सहकारी बैंक रिवाड़ी	1,00,000	04-02-06	नोटिस जारी
734.	श्री दलीप सिंह लिपिक	सहकारी बैंक रिवाड़ी	1,00,000	06-02-06	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
735.	श्री विजेन्द्र सिंह लिपिक	सहकारी बैंक रिवाड़ी	1,00,000	10-02-06	नोटिस जारी
736.	श्री विजय सिंह लिपिक	सहकारी बैंक रिवाड़ी	1,00,000	06-02-06	नोटिस जारी
737.	श्री गोबिन्द राम मार्केटिंग	सहकारी बैंक रिवाड़ी	1,00,000	20-03-06	नोटिस जारी
738.	श्री नेयाल सिंह	सहकारी बैंक रिवाड़ी	50,000	06-09-06	नोटिस जारी
739.	श्री कश्मीर सिंह	सहकारी बैंक रिवाड़ी	1,00,000	11-10-06	नोटिस जारी
740.	श्री बलवीर सिंह	सहकारी बैंक रिवाड़ी	1,00,000	30-10-06	नोटिस जारी
741.	श्री सुरेन्द्र कुमार	सहकारी बैंक रिवाड़ी	50,000	19-01-07	नोटिस जारी
742.	श्री गोकुल चन्द	सहकारी बैंक रिवाड़ी	1,00,000	10-01-07	नोटिस जारी
743.	श्री शीशु पाल	सहकारी बैंक रिवाड़ी	50,000	01-10-02	नोटिस जारी
744.	श्री विजय सिंह	सहकारी बैंक रिवाड़ी	50,000	20-01-01	नोटिस जारी
745.	श्री चिरंजी लाल	सहकारी बैंक रिवाड़ी	50,000	01-10-02	नोटिस जारी
746.	श्री दुर्गेश कुमार	सहकारी बैंक रिवाड़ी	50,000	01-10-02	नोटिस जारी
747.	श्री राम सिंह	सहकारी बैंक रिवाड़ी	50,000	5-10-2000	नोटिस जारी
748.	श्री नरेश कुमार	सहकारी बैंक रिवाड़ी	50,000	25-08-01	नोटिस जारी
749.	श्री वेद प्रकाश	सहकारी बैंक रिवाड़ी	50,000	03-11-01	नोटिस जारी
750.	श्री कमल सिंह, पी०आर०डी०बी०	सहकारी बैंक रिवाड़ी	50,000	06-11-01	नोटिस जारी
751.	श्री देश राज	सहकारी बैंक रिवाड़ी	50,000	5-11-01	नोटिस जारी
752.	श्रीमती बिमला देवी	सहकारी बैंक रिवाड़ी	50,000	06-11-01	नोटिस जारी
		कुल योग	625,012		

1	2	3	4	5	6
डी०पी०ए०आर०डी०बी० गुडगांव					
753.	श्री जयसत सेवक	पी०ए०आर०डी०बी० गुडगांव	25,000	29-06-06	नोटिस जारी
754.	श्री राज कुमार सफाई कर्मचारी	पी०ए०आर०डी०बी० गुडगांव	80,000	06-03-07	नोटिस जारी
755.	श्री मोहिन्द्र सिंह लिपिक	पी०ए०आर०डी०बी० सोहना	62,400	09-06-05	नोटिस जारी
756.	श्री राम फूल प्रबन्धक	पी०ए०आर०डी०बी० तावडू	26,654	06-02-06	नोटिस जारी
757.	श्री यशीन खान सेवक	पी०ए०आर०डी०बी० तावडू	43,620	21-06-04	नोटिस जारी
758.	श्री गोपाल सिंह प्रबन्धक	पी०ए०आर०डी०बी० पुनहाना	15,000	30-09-05	नोटिस जारी
759.	श्री कमल खान लिपिक	पी०ए०आर०डी०बी० पुनहाना	66,000	07-09-2000	नोटिस जारी
760.	श्री कमल खान लिपिक	पी०ए०आर०डी०बी० पुनहाना	75,847	29-03-04	नोटिस जारी
761.	श्री कमल खान लिपिक	पी०ए०आर०डी०बी० पुनहाना	68,600	30-06-02	नोटिस जारी
762.	श्री कबीर अहमद सेवक	पी०ए०आर०डी०बी० पुनहाना	15,800	26-04-04	नोटिस जारी
763.	श्री सगीर अजमद सेवक	सहकारी बैंक गुडगावं	7,423	19-05-05	नोटिस जारी
764.	श्री सगीर अजमद सेवक	पी०ए०आर०डी०बी० पुनहाना	44,625	00-05-06	नोटिस जारी
765.	श्री जकारिया खान सेवक	पी०ए०आर०डी०बी० पुनहाना	13,444	19-05-05	नोटिस जारी
766.	श्रीमती कालो सेवक	सहकारी बैंक गुडगावं	23,576	04-01-07	नोटिस जारी
767.	श्री नजीर अहमद लिपिक	पी०ए०आर०डी०बी० फिरोजपुर झिरका	49,500	July, 2004	नोटिस जारी
768.	श्री महमूद खान सेवक	टी०सी० फिरोजपुर झिरका	10,000	1997	नोटिस जारी
769.	श्री हरुन सेवक	टी०सी० फिरोजपुर झिरका	10,000	--	नोटिस जारी

1	2	3	4	5	6
770.	श्री हरुन सेवक	पी०ए०आर०डी०बी० फिरोजपुर झिरका	40,000	--	नोटिस जारी
771.	श्री ओम प्रकाश सफाई कर्मचारी	टी०सी० फिरोजपुर झिरका	10,000	--	नोटिस जारी
		कुल योग	**687,489**		
डी०पी०ए०आर०डी०बी० फरीदाबाद					
772.	श्री देव दत्त लिपिक	पी०ए०आर०डी०बी० फरीदाबाद	50,000	01-03-2000	नोटिस जारी
773.	श्रीमति कमला सेवक	पी०ए०आर०डी०बी० पलवल	80,000	11-08-04	नोटिस जारी
774.	श्री विक्रम सिंह सेवक	पी०ए०आर०डी०बी० पलवल	1,25,000	04-03-02	नोटिस जारी
775.	श्री रोशन लाल, एल०डी०ओ०	पी०ए०आर०डी०बी० पलवल	42,000	01-10-92	नोटिस जारी
776.	श्री उदय पाल एल०डी०ओ०	पी०ए०आर०डी०बी० पलवल	25,000	17-08-96	नोटिस जारी
777.	श्री सुदेश कुमार, दफतरी	पी०ए०आर०डी०बी० पलवल	1,00,000	10-01-08	नोटिस जारी
778.	श्री गिरी राज लिपिक	पी०ए०आर०डी०बी०. होडल	90,000	27-03-98	नोटिस जारी
779.	श्री राम कुमार सेवक	पी०ए०आर०डी०बी० होडल	1,00,000	27-05-06	नोटिस जारी
780.	श्री खेम चन्द सेवक	पी०ए०आर०डी०बी० होडल	30,000	7-01-2000	नोटिस जारी
781.	श्री गोपाल सिंह मैनेजर	पी०ए०आर०डी०बी० हथिन	1,00,000	30-09-05	नोटिस जारी
782.	श्री अब्दुल खरीम चालक	पी०ए०आर०डी०बी० हथिन	80,000	27-12-05	नोटिस जारी
783.	श्री अख्तर हुसैन एल०डी०ओ०	पी०ए०आर०डी०बी० हथिन	1,00,000	12-04-06	नोटिस जारी
		कुल योग	**4,22,005**		

(14)123

1	2	3	4	5	6
डी०पी०ए०आर०डी०बी० रिवाड़ी					
784.	श्री अशोक कुमार	पी०ए०आर०डी०बी० रिवाड़ी	3,00,000	05-05-04	नोटिस जारी
785.	श्री रामधीर सिंह	पी०ए०आर०डी०बी० रिवाड़ी	4,60,000	02-03-02	नोटिस जारी
			24,000	31-10-2000	नोटिस जारी
			40,000	13-03-97	नोटिस जारी
786.	श्री बलवंत	पी०ए०आर०डी०बी० रिवाड़ी	15,000	13-03-97	नोटिस जारी
787.			15,000	13-03-97	नोटिस जारी
		कुल योग	**154,007**		

44399—H.V.S.—H.G.P., Chd.